हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, शनिवार, 27 जून 2026, वर्ष- 09, अंक- 123, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पेज : 12

रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय...

नशे से मुक्ती के लिए 'रूथलेस अप्रोच' के साथ आगे बढ़ना पड़ेगा : अमित शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

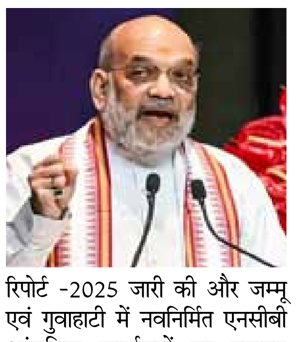

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में अगले तीन साल बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार ने नशा मुक्त भारत के लिए रोडमैप तैयार कर लिया है। अगले तीन सालों के लिए हमें नशे से मुक्ती के लिए 'रूथलेस अप्रोच' के साथ आगे बढ़ना होगा। शाह ने राज्यों के पुलिस प्रमुखों और सचिवों के साथ बैठक में सामूहिक और संगठित प्रतिक्रिया तथा आधुनिक खुफिया सूचना आधारित कार्रवाई, प्रौद्योगिकी आधारित रणनीति तथा पूरे नेटवर्क को लक्ष्य बनाकर अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में हाइब्रिड मोड में 44 केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख हितधारकों के साथ-साथ राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान गृह मंत्री ने 'मादक पदार्थ नियंत्रण पर विज़न डॉक्यूमेंट (2026-2029)' जारी किया। साथ ही शाह ने एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट -2025 जारी की और जम्मू एवं गुवाहाटी में नवनिर्मित एनसीबी आंचलिक कार्यालयों का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में शाह ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थतंत्र सुरक्षा और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए नशे के कारोबार पर संपूर्ण विजय जरुरी है। भारत नशे के कारोबार से जुड़े डेथ ट्रायंगल (म्यांमार, थाईलैंड और लाओस) और डेथ क्रिसन (अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान) के बीच स्थित है। इसके अलावा ड्रोन आधारित ड्रॉप्स, समुद्री मार्गों से कंटेनराइज कारगो, डार्क नेट, क्रिप्टो पेमेंट और ऑर्डर टू डिलीवरी मॉडल पार्सलों का उपयोग जैसे तरीकों से ड्रग के कारोबारियों के खिलाफ हमारी लड़ाई कठिन हो गई है। गृह मंत्री ने कहा कि नशे के कारोबार के खिलाफ हमारी लड़ाई समान्य नहीं होनी चाहिए। नार्को अपराधी आज टेक्नोलॉजी से सक्षम हैं। वह नेटवर्क आधारित बन चुके हैं और मल्टी डोमेन अपराध के रूप में भी आज हमारे सामने खड़े हैं। ये सभी चीजें ये लड़ाई को और कठिन बनाती है। इसी संदर्भ में उन्होंने 'रूथलेस अप्रोच' की बात कही। आगे इसपर स्थिति स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि हमें नशे के व्यापार करने वालों के प्रति 'रूथलेस एप्रोच' रखना है और ड्रग के शिकार बने लोगों के प्रति संवेदनशील एप्रोच रखना है। उनको अंगुली पकड़ कर हमें सही रास्ते पर ले जाने का काम करना होगा। गृह मंत्री ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2026-29 के लिए मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्ययोजना (रोडमैप) तैयार की है। यह चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। पहला स्तंभ प्रवर्तन, खुफिया जानकारी और अभियान है। दूसरा अग्रदूत रसायनों (प्रीकर्सर) और सिंथेटिक ड्रग्स पर नियंत्रण है। तीसरा मांग में कमी और नुकसान की रोकथाम और चौथा स्तंभ क्षमता निर्माण, समन्वय और निगरानी है। उन्होंने कहा कि यह रोडमैप 'समग्र सरकार' और 'समग्र समाज' दृष्टिकोण पर आधारित है। इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों के सभी विभागों के सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी, ताकि नागरिकों को इस अभियान से जोड़कर इसके उद्देश्यों को सफल बनाया जा सके।

उपराष्ट्रपति और गृहमंत्री ने देशवासियों से 'नशा मुक्त भारत' बनाने के संकल्प को दोहराने का किया आग्रह

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने आज देशवासियों से नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस पर 'नशा मुक्त भारत' बनाने के सामूहिक संकल्प को दोहराने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर कहा "नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ़ अंतरराष्ट्रीय दिवस पर, आइए हम 'नशा मुक्त भारत' बनाने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराएं। मैं उन विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों और संगठनों की सराहना करता हूं जो इस अभियान को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। उनके प्रयास एक मज़बूत, स्वस्थ और नशा-मुक्त भारत बनाने की दिशा में सार्थक योगदान दे रहे हैं। आइए, हम सब मिलकर जागरूकता फैलाएं, नशा छोड़ने की प्रक्रिया से गुज़र रहे लोगों का समर्थन करें और अपने युवाओं को नशे के बजाय उम्मीद, सेहत और जीवन के मकसद को चुनने के लिए प्रेरित करें। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की वैश्विक चुनौती के खिलाफ़ सबसे मजबूत लड़ाई लड़ी है। इसके तहत नार्को-कार्टेल्स (अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन) को सख्ती से खत्म किया गया है और प्रभावित लोगों का उचित देखभाल तथा सहानुभूति के साथ इलाज किया गया है। यह दिन हमारी युवा पीढ़ी को नशीले पदार्थों से बचाने के हमारे संकल्प को और मजबूत करे।

सत्य, न्याय और साहस की राह दिखाती है कर्बला की कुर्बानी

प्रधानमंत्री मोदी ने इमाम हुसैन की शहादत को किया नमन

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका बलिदान आज भी करोड़ों लोगों को सत्य, न्याय और इंसाफ के मार्ग पर डटे रहने की प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में इमाम हुसैन की कुर्बानी को साहस, दृढ़ संकल्प और अटूट विश्वास का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि हजरत इमाम हुसैन का बलिदान मानवता के लिए एक अमर प्रेरणा है। उन्होंने लिखा कि उनकी शहादत आज भी अनगिनत लोगों को सच्चाई और न्याय के लिए संघर्ष करने की शक्ति प्रदान करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इमाम हुसैन की कुर्बानी साहस, संकल्प और अटूट आस्था की उस शक्ति की याद दिलाती है, जो अन्याय और अत्याचार के सामने कभी झुकती नहीं। उन्होंने कहा कि उनकी शिक्षाएं और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करते रहेंगे।

इस्लाम के इतिहास में विशेष स्थान : हजरत इमाम हुसैन पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के नवासे तथा हजरत अली और हजरत फातिमा के छोटे पुत्र थे। इस्लाम के इतिहास में उनका स्थान अत्यंत सम्माननीय माना जाता है। वर्ष 680 ईस्वी (61 हिजरी) में इराक के कर्बला में उन्होंने सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। इमाम हुसैन ने तत्कालीन शासक यजीद की सत्ता को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद कर्बला के मैदान में उन्होंने अपने परिवार और साथियों के साथ कठिन परिस्थितियों में संघर्ष किया और शहादत स्वीकार की, लेकिन अन्याय के सामने झुके नहीं।

अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक : कर्बला की घटना को आज भी अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष के सबसे बड़े प्रतीकों में माना जाता है। इमाम हुसैन की शहादत केवल मुस्लिम समुदाय के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा का संदेश देती है। उनकी कुर्बानी सदियों बाद भी दुनिया भर के लोगों को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने, नैतिक मूल्यों की रक्षा करने और सच्चाई के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देती है।

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में टिन्नू यादव समेत 8 गिरफ्तार

अयोध्या। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। पुलिस ने मंदिर ट्रस्ट के महासचिव के करीबी माने जाने वाले रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव समेत आठ आरोपियों को गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस उनकी 14 दिन की रिमांड मांग सकती है। मामले में गुरुवार शाम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली एफआईआर दर्ज की गई। प्राथमिकी में रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव और रमाशंकर मिश्रा को नामजद किया गया है। इनमें अधिकांश लोग चढ़ावे की गिनती और दान प्रबंधन से जुड़े बताए जा रहे हैं। हालांकि एफआईआर में मंदिर ट्रस्ट के वरिष्ठ पदाधिकारियों के नाम शामिल नहीं किए गए हैं। मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) पहले ही अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सरकार को सौंप चुकी है। राम मंदिर के चढ़ावे में अनियमितता और कथित चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। इसके बाद राज्य सरकार ने 13 जून को एसआईटी का गठन किया। एसआईटी ने 23 जून को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद को सौंपी।

शांति समझौते पर संकट: ईरान ने मालवाहक जहाज पर किया हमला

तेहरान। दुनिया के 20 फीसदी तेल कारोबार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट एक बार फिर गोलीबारी की घटना से सुर्खियों में है, जिसने इस रणनीतिक जलमार्ग में बढ़ते तनाव को उजागर किया है। जानकारी के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने सिंगापुर के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज एवर लवली को निशाना बनाया है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब ईरान और अमेरिका दोनों ही एक नाजुक समझौते को लागू करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल हो सके। अब इस तरह से एक मालवाहक जहाज पर ईरान द्वारा किया गया हमला इस शांति प्रक्रिया के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की है। हालांकि, अमेरिकी सरकार की तरफ से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, और ईरान की इस्लामिक सरकार ने भी इस घटना पर कोई जानकारी साझा नहीं की है। यह हमला उस चेतावनी के बाद हुआ है जो ईरान ने कुछ समय पहले जारी की थी। ईरान ने साफ किया था कि उसकी इजाजत के बिना होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। इस हमले के बारे में ब्रिटेन की नेवी ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि ओमान के तट के पास मालवाहक जहाज से एक प्रोजेक्टाइल टकराने की सूचना मिली है।

वेनेज़ुएला में भूकंप से कम से कम 235 लोगों की मौत

एजेंसी। काराकस (वेनेज़ुएला)

वेनेज़ुएला में भूकंप से भारी तबाही हुई है। मात्र चालीस सेकंड में दो बार भूकंप के शक्तिशाली झटके झेल चुके लोगों को अभी भी भू-गर्भीय हलचल होने का डर सता रहा है। भूकंप से अब तक कम से कम 235 लोगों की जान चुकी है और 1500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सबसे पहले लोगों को 7.2 तीव्रता के भूकंप का झटका मसहूस हुआ। इसका असर वेनेज़ुएला और कैरिबियन के अन्य इलाकों में भी हुआ। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, एक मिनट से भी कम समय के अंदर 7.5 तीव्रता का एक और झटका (आफ्टरशॉक) महसूस किया गया। वेनेज़ुएला के अखबार एल नेशनल, एल पैस यूएसए और अल जजीरा न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इस समय बचाव दल गिरी हुई इमारतों के मलबे में जिंदा दबे लोगों को निकालने की कोशिश में जुटे हैं। वेनेज़ुएला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मदद और मानवीय सहायता के कई प्रस्ताव मिले हैं। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे का अनुमान है कि मरने वालों की संख्या हजारों में पहुंच सकती है। एजेंसी ने यह भी चेतावनी दी है कि भूकंप के बाद झटके (आफ्टरशॉक्स) आने की पूरी संभावना है। इस बात की लगभग 30 फीसद संभावना है कि रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 6 से ज्यादा हो सकती है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के ऑटोमेटेड हजार्ड असेसमेंट सिस्टम ने संभावित भूस्खलन और लिक्विफैक्शन (मिट्टी के तरल होने की प्रक्रिया) की चेतावनी दी है।

भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ, 'ऑपरेशन अमिस्ताद' के तहत राहत सामग्री लेकर रवाना हुए वायुसेना के दो विमान

नई दिल्ली। वेनेज़ुएला की राजधानी काराकास में हाल ही में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत ने संकट की इस घड़ी में मानवीय सहायता के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। भारतीय वायुसेना के दो विमान 'ऑपरेशन अमिस्ताद' के तहत शुक्रवार को आवश्यक राहत सामग्री और चिकित्सा उपकरण लेकर वेनेज़ुएला के लिए रवाना हो गए। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इस मानवीय सहायता अभियान के तहत भारत की ओर से बड़े पैमाने पर चिकित्सा एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित उपकरण भेजे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राहत सामग्री में एक फील्ड हॉस्पिटल यूनिट, 35 टन से अधिक राहत सामग्री तथा दो 'भीष्म क्यूब्स' शामिल हैं, जिनका उपयोग आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल चिकित्सा सहायता और राहत कार्यों के लिए किया जाएगा। डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत इस कठिन समय में वेनेज़ुएला की सरकार और वहां के नागरिकों के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी सहयोग जारी रखेगा।

बागियों को तोहफा देगी केंद्र की एनडीए सरकार!

मोदी कैबिनेट में फेरबदल

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में आने वाले दिनों में एक बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकता है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल का विस्तार और पार्टी संगठन में व्यापक पुनर्गठन दोनों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इस कवायद का उद्देश्य सरकार और पार्टी दोनों को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करना है। इस बहुप्रतीक्षित फेरबदल में कुछ नए चेहरों को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है, जबकि कुछ मौजूदा मंत्रियों की जिम्मेदारियों में बदलाव या उन्हें पार्टी संगठन में अहम भूमिका दी जा सकती है। माना जा रहा है कि शिवसेना(उध्दव) और टीएमसी के बागी नेताओं को को केंद्र की एनडीए सरकार बड़ा तोहफा देने जा रही है। हाल के राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का कुनबा और मजबूत हुआ है। ऐसे में गठबंधन के सहयोगी दलों और हाल ही में एनडीए में शामिल हुए प्रमुख नेताओं को सरकार में उचित प्रतिनिधित्व देने की तैयारी चल रही है। महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से कुछ प्रभावशाली नेताओं के नाम इस संबंध में प्रमुखता से चर्चा में हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, शिवसेना (शिंदे गुट) के सांसद श्रीकांत शिंदे को केंद्रीय मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया जा सकता है। वहीं, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़कर आए कुछ सांसदों में काकोली घोष, सुदीप बंदोपाध्याय और शताब्दी राय के नामों पर विचार चल रहा है, जिनमें से किसी एक को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। इसके अतिरिक्त, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग हुए सांसद संजय दीना पाटिल का नाम भी संभावित मंत्रियों की सूची में बताया जा रहा है। इन समावेशी कदमों से एनडीए अपने राजनीतिक विस्तार को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने की रणनीति पर काम कर रहा है। केवल नए चेहरों को शामिल करने तक ही बात सीमित नहीं है, बल्कि कुछ मौजूदा केंद्रीय मंत्रियों की भूमिकाएं भी बदली जा सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश और दिल्ली भाजपा की कमान संभाल चुके पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा जैसे नेताओं को केंद्र सरकार के दायित्वों से मुक्त कर संगठन में अधिक सक्रिय भूमिकाएं दी जा सकती हैं।

पीएम ने दी धर्मेंद्र प्रधान को जन्मदिन की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रभावी क्रियान्वयन में उनके योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री ने उनके दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने आज एक्स पर अपने संदेश में कहा कि केंद्रीयमंत्री धर्मेंद्र प्रधान राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य भारत को ज्ञान, शिक्षा और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के नेतृत्व में शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास देश की भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने और भारत को ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले तीन दिन लू का प्रकोप, पूर्वोत्तर में भारी बारिश, दिल्ली में सप्ताहांत पर बरसात के आसार

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूर्वानुमान जारी किया है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले तीन दिनों तक भीषण लू का प्रकोप जारी रहने की संभावना है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अगले कुछ दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है। इसके साथ ही दक्षिण-पश्चिम मानसून के देश के कई और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में शनिवार और रविवार को दोपहर और शाम के समय तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। 29 जून को भी मौसम का यही रुख बना रहेगा, हालांकि हवाओं की गति कुछ कम हो सकती है। तापमान सामान्य के आसपास रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने आज के लिए भी राजधानी में तेज हवाओं और छिटपुट बारिश का पूर्वानुमान जताया था, लेकिन दिनभर उमस और तेज गर्मी का असर बना रहा। आईएमडी के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के उत्तर अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार के शेष हिस्सों तथा उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। मौसम विभाग ने बताया कि इस सप्ताह पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में व्यापक स्तर पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 27 से 29 जून के बीच उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों में भी हल्की से मध्यम तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने का अनुमान है।

दुनिया के 65.5 करोड़ लोगों के पास बिजली की सुविधा नहीं, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

एजेंसी। पेरिस

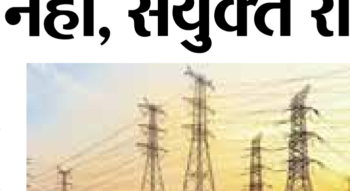

विकास के एजेंडे में आज ऊर्जा क्षेत्र सबसे ऊपर है। बावजूद इसके दुनिया भर में 65.5 करोड़ लोगों के पास अभी भी बिजली की सुविधा नहीं है और लगभग दो अरब लोग खाना पकाने के लिए प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन और तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। इससे उनके स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है। यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में किया गया है। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि इसका सबसे ज्यादा असर उप सहारा अफ्रीका पर पड़ा है। यहां 56 करोड़ से ज्यादा लोग बिना बिजली के रह रहे हैं और 97 करोड़ लोगों के पास खाना पकाने के लिए साफ-सुथरे ईंधन की सुविधा नहीं है। ट्रैकिंग एसडीजी 7: द एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट' के नए संस्करण में उपलब्ध विवरण चिंताजनक है। इसमें 2023 और 2024 के अध्ययन के हवाले से बताया गया है कि ज्यादातर इलाके सभी के लिए बिजली की सुविधा (यूनिवर्सल एक्सेस) के करीब पहुंच रहे हैं, वहीं उप सहारा अफ्रीका में प्रगति काफी धीमी है। 2030 तक सभी के लिए बिजली की सुविधा का लक्ष्य पाने के लिए इसकी रफ्तार को तीन गुना करना होगा। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, इन चुनौतियों के बावजूद, टिकाऊ ऊर्जा (सस्टेनेबल एनर्जी) के कई क्षेत्रों में उत्साहजनक प्रगति हुई है। इसने दुनिया भर में बिजली की कुल खपत में 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी निभाई है। साथ ही रिन्यूएबल एनर्जी पैदा करने की क्षमता 544 वाट प्रति व्यक्ति के वैश्विक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। विकासशील देशों में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय पब्लिक फ़ाइनेंशियल फ़्लो में थोड़ी बढ़ोतरी हुई और यह 24.6 बिलियन डालर तक पहुंच गया। रिपोर्ट में चेताया गया है कि अगर तुरंत और बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं की गई तो दुनिया 2030 तक सभी के लिए सस्ती, भरोसेमंद, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करने वाले एसडीजी 7 के लक्ष्य को हासिल करने में पीछे रह जाएगी। मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट अभी भी जारी है।

टीएमसी से भाजपा में आए त्रिवेदी ने संभाला बांग्लादेश के उच्चायुक्त का पद

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व कद्दावर नेता और बाद में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर के रूप में अपना पदभार संभाला। पद संभालते ही उन्होंने बांग्लादेश की जनता के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात की घोषणा की है – लंबे समय से निलंबित सामान्य यात्रा वीजा (ट्रैवल वीजा) को फिर से शुरू किया जाएगा। यह घोषणा ढाका में भारतीय वीजा केंद्र में उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति के दौरान की गई, जहां उन्होंने बांग्लादेशी नागरिकों को भारत आने के लिए फिर से यात्रा वीजा के लिए आवेदन करने की अनुमति मिलने की जानकारी दी। 76 वर्षीय दिनेश त्रिवेदी को 27 अप्रैल को बांग्लादेश में नियुक्त किया गया था, और वह इस प्रतिष्ठित राजनयिक पद पर कार्यभार संभालने वाले पहले राजनेता बन गए हैं। उनके पदभार ग्रहण करने से एक दिन पहले, नई दिल्ली में उन्हें गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक ज्ञापन के माध्यम से औपचारिक कार्यों के लिए केंद्रीय मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया था, जो उनके महत्व को दर्शाता है। गुरुवार को, त्रिवेदी ने बंगभवन प्रेसिडेंशियल पैलेस में बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपने क्रेडेंशियल्स सौंपे, जिसके बाद उनके राजनयिक कार्यों की औपचारिक शुरुआत हुई।

केंद्र का विदेश से आयात होने वाली दवाओं के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विदेश से आयात होने वाली दवाओं के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन का मसौदा अधिसूचित करते हुए इस पर आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव व आपत्तियां मांगी हैं। प्रस्तावित नियमों के अनुसार, अब अधिकांश दवाओं के देश में प्रवेश के समय कम से कम 12 महीने की शेल्फ लाइफ बची होना पर्याप्त होगा। अभी तक यह अनिवार्य है कि दवा की कुल शेल्फ लाइफ का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा शेष हो। हालांकि, बायोलॉजिकल दवाओं और रेडियोफार्मास्यूटिकल्स के लिए मौजूदा 60 प्रतिशत शेल्फ लाइफ का नियम पहले की तरह लागू रहेगा और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय की आज जारी विज्ञप्ति के अनुसार, इस बदलाव से दवाओं की सप्लाई चेन अधिक प्रभावी होगी। दवाओं की बर्बादी कम होगी और कंपनियां अपने स्टॉक का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगी। इससे लागत में कमी आने के साथ ही आवश्यक दवाओं की उपलब्धता में भी सुधार होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह संशोधन केवल आयात के समय दवाओं की शेष शेल्फ लाइफ से जुड़ा है।

सभी विश्वविद्यालयों को 31 दिसम्बर तक समर्थ पोर्टल के लेखा एवं वित्त, कर्मचारी सेवाएं लागू हो : राज्यपाल

नई सोच एक्सप्रेस

» उच्च शिक्षा में सुधार एवं प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण हेतु बिहार लोक भवन में बैठक की गई

पटना। बिहार लोक भवन में शुक्रवार को राज्यपाल-सह-कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन की अध्यक्षता में राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार एवं प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण के लिए की जा रही नई पहलों की समीक्षा हेतु एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई तथा महत्वपूर्ण निदेश दिए गए। बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा उच्च शिक्षा मंत्री संजय सिंह टाइगर भी उपस्थित थे। बैठक में राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में पारदर्शिता, दक्षता, डिजिटल प्रशासन तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करने हेतु संचालित विभिन्न सुधारात्मक पहलों की विस्तृत समीक्षा की गई। बताया गया कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में नामांकन की प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से संचालित की जा रही है। इस संबंध में राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों को 31 दिसम्बर, 2026 तक समर्थ पोर्टल के लेखा एवं वित्त, कर्मचारी सेवाएँ एवं अकादमिक पैकेज के सभी 26 मॉड्यूल्स पूर्णतः लागू करने का निर्देश दिया। यह भी अवगत कराया गया कि समर्थ पोर्टल के क्रियान्वयन से प्रशासनिक व्यय में करोड़ों रुपये की बचत सुनिश्चित हुई है तथा पारदर्शी, डिजिटल एवं एकीकृत प्रशासनिक व्यवस्था के कारण निर्णय प्रक्रिया अधिक उत्तरदायी एवं प्रभावी बनी है। बैठक में बताया गया कि नवसृजित 211 राजकीय डिग्री महाविद्यालयों के लिए संविदा आधारित सहायक प्राध्यापकों की केन्द्रीयकृत नियुक्ति प्रक्रिया अपनायी जा रही है। इन पदों के लिए बेहतर वेतनमान का प्रावधान किया गया है तथा ऐसी चयन प्रक्रिया निर्धारित की गई है जिससे योग्य, सक्षम एवं समर्पित शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित हो सके और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आए। बैठक में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए तैयार दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान प्रतिवर्ष कम-से-कम एक कार्यक्रम का आयोजन अनिवार्य रूप से करेगा, जिससे प्राध्यापकों की अध्ययन-अध्यापन क्षमता का सतत विकास सुनिश्चित हो सके। इसके लिए पटना एवं मुजफ्फरपुर विश्वविद्यालय में स्थित मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्रों को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाया जा रहा है। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया गया कि सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है तथा स्नातकोत्तर के 43 विषयों के पाठ्यक्रम का अनुमोदन जुलाई के प्रथम सप्ताह तक दी जायेगी। शोध एवं अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से कुलाधिपति पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप, मुख्यमंत्री शोध अनुदान योजना तथा मुख्यमंत्री शोध छात्रवृत्ति योजना के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। बताया गया कि सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क, अपार एवं राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी सहित अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल पहलों के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी की जा रही है। उच्च शिक्षा के नियामकीय ढाँचे को सरल, पारदर्शी एवं समसामयिक बनाने पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इस क्रम में 15 राज्यों के अधिनियमों का अध्ययन कर उनकी उत्कृष्ट एवं उपयुक्त व्यवस्थाओं को समाहित करते हुए तैयार किए गए एक व्यापक प्रस्ताव पर अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। यह सहमति बनी की बिहार के विश्वविद्यालयों के लिए एक नया अधिनियम बनाया जाए जो दूसरे राज्यों तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेष्ठ प्रणालियों पर आधारित हो। बैठक में विद्यार्थियों की लंबित डिग्रियों के शीघ्र एवं समयबद्ध वितरण हेतु मिशन मोड में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि इस कार्य को 30 सितम्बर तक पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। साथ ही प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अनुशासन एवं नियमितता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण तथा शिक्षकों की पदोन्नति हेतु समय-सीमा निर्धारित करने संबंधी जानकारी भी दी गई। सामान्य स्थानान्तरण केवल जून माह में होंगे तथा इससे इतर स्थानान्तरण केवल अति आवश्यक होने पर ही कुलाधिपति के पूर्वानुमोदन से हो सकेगा। संस्थागत उत्कृष्टता एवं निरंतर सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समर्थ पोर्टल के माध्यम से शिकायत एवं बजट प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ बनाने, उत्कृष्ट संस्थानों एवं व्यक्तियों के लिए कुलाधिपति ट्रॉफियों की शुरूआत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नियमित कार्यशालाओं के आयोजन तथा संस्थागत प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए व्यापक आकलन प्रणाली विकसित करने जैसे प्रस्तावों पर भी विचार किया गया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि शोधार्थियों एवं शिक्षकों के लिए एक समर्पित एवं समृद्ध कुलाधिपति पुस्तकालय की स्थापना का प्रस्ताव है, जिससे उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले शोध संसाधनों एवं संस्थानों तक सहज पहुँच उपलब्ध हो सकेगी। राज्यपाल ने कहा कि इन सभी पहलों के समन्वित एवं प्रभावी क्रियान्वयन से राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, डिजिटलीकरण, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा छात्र-केंद्रित प्रशासन को नई मजबूती मिलेगी। बैठक में उच्च शिक्षा व्यवस्था में दीर्घकालिक सुधार के लिए आवश्यक संरचनात्मक एवं नीतिगत परिवर्तनों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा में सुधार के लिए राज्यपाल द्वारा की जा रही पहलों की सराहना करते हुए उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से राज्य की शैक्षणिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे प्रयास किए जाने चाहिए जिससे सामान्य उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बिहार के विद्यार्थियों को राज्य से बाहर न जाना पड़े। उच्च शिक्षा मंत्री ने भी बैठक के दौरान अनेक महत्वपूर्ण एवं उपयोगी सुझाव दिए। बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार एवं सचिव लोकेश कुमार सिंह, उच्च शिक्षा निदेशक प्रो एनके अग्रवाल, राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

तकनीकी शिक्षा को उद्योग, अनुसंधान और रोजगार से जोड़ने की दिशा में बिहार का बड़ा कदम : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार, प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं मीडिया पैनलिस्ट डॉ मधुरेंदु पांडे ने बिहार सरकार द्वारा राज्य के 38 सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों एवं 46 पॉलिटेक्निक संस्थानों को उन्नत बनाने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों का स्वागत करते हुए कहा कि यह पहल बिहार को तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने वाली साबित होगी। वर्तमान में राज्य के इन 84 तकनीकी संस्थानों में कुल 31,796 सीटें स्वीकृत हैं, जिनमें 14,553 इंजीनियरिंग तथा 17,243 पॉलिटेक्निक सीटें शामिल हैं। इन संस्थानों की उपलब्धियों, शैक्षणिक गुणवत्ता और प्लेसमेंट रिकॉर्ड का व्यापक प्रचार-प्रसार किए जाने का निर्णय बिहार की तकनीकी शिक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगा। इससे न केवल बिहार के विद्यार्थियों को राज्य में ही गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के बेहतर अवसर मिलेंगे, बल्कि देश के अन्य राज्यों के छात्र भी बिहार के संस्थानों की ओर आकर्षित होंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में जो मजबूत आधार आज दिखाई दे रहा है, वह माननीय श्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच, शिक्षा के विस्तार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण का परिणाम है। उनके शासनकाल में राज्य के विभिन्न जिलों में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों की स्थापना और विस्तार किया गया, जिससे तकनीकी शिक्षा का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े विद्यार्थियों तक पहुंच सका। गरीब, पिछड़े, अति पिछड़े, दलित तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों में मात्र 5 रुपये और सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में मात्र 10 रुपये के नाममात्र शुल्क पर अध्ययन की व्यवस्था सुनिश्चित करना ऐतिहासिक कदम रहा है। इस नीति ने हजारों युवाओं के लिए तकनीकी शिक्षा के द्वार खोले हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया है।

राजगीर में दलित युवकों की मॉब लिंचिंग कर की गयी हत्या के लीपापोती में जुटी सरकारः भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने नालंदा जिला के राजगीर में दो दलित युवक की मॉब लिंचिंग कर की गई हत्या की तीखी निंदा करते हुए सरकार पर मामले को लीपापोती करने का आरोप लगाया है। वहीं नगरनौसा में डिग्री कॉलेज के लिए आंदोलन कर रहे युवाओं और ग्रामीणों पर हुए पुलिसिया जुल्म की निंदा की है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह चैपट हो गई है। पूरे राज्य में पुलिसिया जुल्म बढ़ गया है। पुलिस अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय निर्दोष लोगों का फर्जी एनकाउंटर कर हत्या कर रही है। राजगीर में चोरी के आरोप में दो दलित युवको की हत्या मॉब लिंचिंग कर कर दी गई, जबकि घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर थाना हैं, इसके बावजूद पुलिस को कार्रवाई करने में घंटों लग गए। घटना पर सरकार मौन धारण की हुई है। लोगों का कानून पर से विश्वास उठता जा रहा है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राजगीर की घटना में दर्ज मामले में संलिप्त सभी अपराधियों को स्पीडी ट्रॉयल चालकर सख्त से सख्त सजा दिलाने की मांग करती है। साथ ही पीड़ित परिवारों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा और परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने की मांग करती है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव ने कहा कि एक तरफ सरकार सभी प्रखंड मुख्यालय में डिग्री कॉलेज की स्थापना करने की बातें कर रही है। दूसरी तरफ नालंदा जिले के नगरनौसा में डिग्री कॉलेज के स्थानांतरण के खिलाफ आंदोलनरत छात्र, युवा और ग्रमीणों पर पुलिस जुल्म कर रही है और फर्जी मुकदमें कर लोगों को जेल में डाल रही है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सरकार से फर्जी मुकदमा वापस लेने और सभी लोगों को जेल से रिहा करने की मांग करती है।

रेड रन 2026 के अंतर्गत ए. एन. कॉलेज में महाविद्यालय स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता का सफल आयोजन

पटना। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वावधान में आज ए एन कॉलेज, पटना में रेड रन 2026 के अंतर्गत महाविद्यालय स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य युवाओं में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता, किशोर स्वास्थ्य, स्वस्थ जीवनशैली तथा नियमित शारीरिक गतिविधियों के महत्व के प्रति सकारात्मक संदेश का प्रसार करना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रतिभागियों के पंजीकरण के साथ हुआ। इसके उपरांत रेड रन 2026 के उद्देश्यों, एचआईवी/एड्स जागरूकता, स्वस्थ जीवनशैली तथा युवाओं की सामाजिक जिम्मेदारियों पर एक संक्षिप्त अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) सत्र आयोजित किया गया। महाविद्यालय स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता में कुल 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के सफल एवं निष्पक्ष आयोजन के उपरांत 10 प्रतिभागियों (05 छात्र एवं 05 छात्राएँ) का चयन किया गया, जो आगामी स्तर की प्रतियोगिता में ए एन कॉलेज पटना का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम का सफल समन्वयन एवं संचालन रेड रन 2026 की नोडल पदाधिकारी डॉ. अमृता चक्रवर्ती के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के सक्रिय सहयोग से संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान अनुशासन, सुरक्षा एवं प्रतिभागियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। महाविद्यालय के प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने चयनित प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगामी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाएँगे। साथ ही, इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा सकारात्मक जीवन मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सत्ता परिवर्तन के बाद चुनौतियां स्वाभाविक, सम्राट चौधरी हर प्रयास का जवाब विकास से देंगे : शरण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता श्याम सुन्दर शरण ने कहा कि लंबे समय बाद जब नेतृत्व परिवर्तन होता है, तो कुछ राजनीतिक, प्रशासनिक और स्वार्थी तत्व नई व्यवस्था को अस्थिर करने का प्रयास करते हैं। यह लोकतांत्रिक परिवर्तन की स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इन परिस्थितियों का जवाब आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि सुशासन, विकास और अपने राजनीतिक कौशल से दे रहे हैं। समय के साथ वे यह साबित करेंगे कि बिहार सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब टकराव की राजनीति नहीं, बल्कि परिणाम चाहती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर आगे बढ़ रही है। कुछ लोगों के दुष्प्रचार और अस्थिरता फैलाने के प्रयासों से विकास की गति रुकने वाली नहीं है। सम्राट चौधरी धैर्य, दृढ़ता और अपने राजनीतिक अनुभव के बल पर हर चुनौती का सामना करेंगे। श्याम सुन्दर शरण ने विश्वास जताया कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार निवेश, उद्योग, रोजगार, शिक्षा, सिंचाई और बेहतर कानून-व्यवस्था के नए आयाम स्थापित करेगा। आने वाले वर्षों में बिहार देश के विकसित और अग्रणी राज्यों की श्रेणी में अपनी मजबूत पहचान बनाएगा। जनता ने जनादेश दिया है और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपने नेतृत्व व राजनीतिक कौशल से उस विश्वास को विकास के परिणामों में बदलकर दिखाएंगे।

चैम्बर का प्रतिनिधिमंडल केन्द्रीय संचार मंत्री से मिला

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष पीके अग्रवाल एवं कार्यकारणी सदस्य सुमित कुमार माननीय केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया से नई दिल्ली स्थित संचार भवन में उनके कार्यालय कक्ष में मिले एवं चैम्बर के शताब्दी के अवसर पर डाक टिकट जारी करने का आग्रह किया। चैम्बर अध्यक्ष पीके अग्रवाल ने बताया कि मंत्री ने बिहार के व्यापार एवं उद्योग के सम्बन्ध में विस्तृत विचार-विमर्श करते हुए संचार मंत्रालय द्वारा देश के व्यापार को सहज बनाने के लिए किये जा रहा प्रयासों कि जानकारी दी। बात-चीत के क्रम में मत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कि स्थापना 1902 में उनके परिजन द्वारा ही किया गया था इसलिए वे चैम्बर के महत्व को जानते है और किसी भी प्रदेश के आर्थिक विकास में चैम्बर ऑफ कॉमर्स का महत्वपूर्ण योगदान होता है। चर्चा के क्रम में बिहार के मधुबनी पेंटिंग कि बात आने पर उन्होंने बताया कि जिस तरह से बिहार का मधुबनी पेंटिंग देश-विदेश में अपनी पहचान बनाये हुए है उसी तरह से मध्य प्रदेश के चंदेरी भी देश-विदेश में अपनी पहचान बनाये हुए है।अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर मंत्री से चैम्बर का चल रहा शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में पधारने का आग्रह किया गया जिसपर मंत्री ने चैम्बर के आमंत्रण को स्वीकार करते पार्लियामेंट के सेशन के उपरांत माह सितम्बर में पटना अवश्य आने का आश्वासन दिया है।

नीतीश कुमार के विकास मॉडल को देश के अनेक राज्यों ने अपनाया : बिजेंद्र

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों के विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने पीएमसीएच के प्राचार्य के निलंबन के संबंध में कहा कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं जनसुलभ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध आगे भी एक्शन जारी रहेगी। भोजपुर की घटना पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक जांच आयोग का गठन किया है। सरकार इस पूरे मामले को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है तथा जांच प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत उसके निष्कर्षों के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास और सुशासन का एक ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसे देश के अनेक राज्यों ने अपनाया है। एनडीए सरकार न्याय के साथ विकास की अपनी प्रतिबद्धता पर निरंतर कार्य कर रही है।

खाली होने लगा राबड़ी आवास, सरकार ने 29 जून तक का दिया है अल्टीमेटम

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी आवास को खाली करने का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। भवन विभाग ने नोटिस के जरिए 29 जून तक वक्त दिया है। राबड़ी आवास को खाली करने का शुरू हो गया है। शुक्रवार को राबड़ी आवास के बाहर और अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों को वहां से हटा दिया गया। इस साथ ही ऑटो से कार्टन अंदर ले जाए जा रहे हैं और सामान पैक करने की तैयारी चल रही है। इधर, लालू परिवार को अलॉट 39, हार्डिंग रोड स्थित नए सरकार आवास में काम तेजी से पूरा कराया जा रहा है। हालांकि, आवास खाली करने की प्रक्रिया कब पूरी होगी और परिवार नए आवास में कब तक शिफ्ट होगा, इस पर आधिकारिक रूप से कोई नई जानकारी सामने नहीं आई है।

भगवा से हरा हुआ राबड़ी देवी का नया सरकारी आवासः राबड़ी देवी के 39, हार्डिंग रोड स्थित नए सरकारी आवास में इन दिनों तेजी से पेंटिंग का काम चल रहा है। इस नए आवास का रंग लालू परिवार की शिफ्टिंग से पहले पूरी तरह बदल दिया गया है। पहले भगवा रंग में नजर आने वाला यह बंगला अब हरे रंग में रंगा दिखाई दे रहा है। हरा रंग राष्ट्रीय जनता दल (RJD) की राजनीतिक पहचान और चुनाव चिन्ह से भी जुड़ा है। ऐसे में बंगले का रंग बदलने को केवल सामान्य पेंटिंग का काम नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है।

तेज रफ्तार ई-रिक्शा से गिरी बुजुर्ग महिला, मौत गुस्साए ग्रामीणों ने शव के साथ सड़क जाम किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना के बाढ़ अनुमंडल में एक सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने शव के साथ सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने आरोपी ड्राइवर पर सख्त कार्रवाई की मांग की। मृतका की पहचान जगमलचक गांव निवासी गुड़िया देवी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, वह गांव में छोटी दुकान चलाकर परिवार का पालन-पोषण करती थीं।

ई-रिक्शा से गिरने के बाद हुई गंभीर चोटः जानकारी के मुताबिक, बीते शाम गुड़िया देवी ई-रिक्शा से अपने घर लौट रही थीं। ललपुरा गांव के पास तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण वह गाड़ी से गिर गईं, जिससे उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि घटना के बाद ई-रिक्शा ड्राइवर परिजनों को सूचना दिए बिना उन्हें इलाज के लिए बाढ़ अस्पताल ले गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया।

इलाज के दौरान मौत, चालक फरारः परिजनों के मुताबिक, ड्राइवर उन्हें पटना लेकर गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सके बाद आरोपी उनके शव को अस्पताल में लावारिस हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गया। जब काफी देर तक महिला घर नहीं लौटी और परिजनों को घटना

❒ ड्राइवर पर कार्रवाई की मांग

तथा मौत की जानकारी मिली, तो परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन तुरंत पटना पहुंचे और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को वापस लाए।

परिजनों की मांग- हत्या का केस दर्ज होः घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। लोगों ने आरोपी चालक की गिरफ्तारी और हत्या का मामला दर्ज करने की मांग उठाई। घटना की जानकारी मिलते ही भदौर थाना पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

गंगा स्नान के दौरान दो दोस्त डूबे, एक का शव मिला, दूसरे की तलाश जारी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र स्थित पोस्ट ऑफिस घाट पर गुरुवार शाम गंगा में नहाने गए पांच दोस्तों में से दो युवक डूब गए। घटना के बाद देर शाम तक स्थानीय गोताखोरों और प्रशासन की टीम ने तलाश अभियान चलाया, लेकिन अंधेरा होने के कारण अभियान रोकना पड़ा। शुक्रवार सुबह दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसमें एक युवक का शव बरामद कर लिया गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है।

गहराई का अंदाजा नहीं लगा, बहाव में बह गए दोनों युवकः जानकारी के मुताबिक, मल्लिक समाज के पांच दोस्त अपने घर से करीब 500 मीटर दूर स्थित घाट पर नहाने पहुंचे थे। नहाने के दौरान गंगा की गहराई और बहाव का सही अनुमान नहीं लग पाने के कारण रोहित और विकास पानी में बह गए और डूब गए। घटना के बाद साथ मौजूद अन्य युवकों ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

पुलिस और गोताखोरों ने शुरू किया रेस्क्यू अभियानः सूचना मिलते ही रामकृष्ण थाना की पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से खोज अभियान शुरू कराया गया। अगले दिन सुबह फिर से तलाश अभियान शुरू हुआ, जिसमें एक शव बरामद किया गया। दूसरे युवक की तलाश जारी है।

सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवालः घटना उस समय हुई जब गंगा का जलस्तर बढ़ने और कटाव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन सुरक्षा बांध का निर्माण करा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घाट पर चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग या अन्य सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे। प्रशासन को गंगा का जलस्तर बढ़ने की जानकारी पहले से है। इसके बावजूद पोस्ट ऑफिस घाट पर सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी की शिकायतें सामने आ रही हैं। जिस घाट को सुरक्षित बनाने के लिए राशि खर्च की जा रही है, वहां न्यूनतम सुरक्षा मानकों का अभाव देखा गया।

देव स्नान पूर्णिमा-प्रभु जगन्नाथ 108 घड़ों के पानी से नहाएंगे, 16 को निकाली जाएगी रथयात्रा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना में 16 जुलाई को रथयात्रा निकाली जाएगी। उससे पहले 29 जून को देव स्नान पूर्णिमा है। पटना इस्कॉन में इसे लेकर तैयारियां की जा रही है। देव स्नान पूर्णिमा के दिन भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का गंगा जल के 108 घड़ों से महास्नान कराया जाएगा। सनातन संस्कृति और पुरी की परंपरा के अनुसार, इस रथयात्रा महाउत्सव की शुरुआत स्नान पूर्णिमा से होती है।

14 दिनों के लिए भगवान एकांतवास में जाएंगेः इसके बाद 14 दिनों के लिए भगवान एकांतवास में चले जाते हैं। इस उपचार और विश्राम के बाद भगवान पूरी तरह स्वस्थ होकर 15 जुलाई को एकांतवास से बाहर आएंगे। उसी दिन भगवान का नेत्रोत्सव और नव-यौवन दर्शन होगा। फिर 16 जुलाई को रथयात्रा निकाली जाएगी। हजारों श्रद्धालु इस रथ की रस्सी को खींचकर पुण्य के भागीदार बनेंगे। शास्त्रों के अनुसार, स्नान पूर्णिमा को ही भगवान जगन्नाथ का प्राकट्य दिवस मनाया जाता है।

स्नान के बाद बीमार हो जाते हैं भगवानः शास्त्रों के अनुसार, देव स्नान पूर्णिमा को स्नान के बाद भगवान जगन्नाथ बीमार हो जाते हैं। इसके बाद वे 14 दिनों के लिए एकांतवास में चले जाते हैं। मान्यता है कि ज्येष्ठ महीने की भीषण गर्मी में अत्यधिक स्नान करने से भगवान जगन्नाथ को तेज बुखार आ जाता है। 14 दिनों के दौरान भगवान को छप्पन भोग नहीं लगाया जाता है। उन्हें केवल आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों, काढ़े और फलों के रस का भोग लगाया जाता है। इस अवधि में मुख्य पुजारियों और विशेष सेवकों के अलावा किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं होती है।

इस्कॉन में 40 फीट ऊंची हाइड्रोलिक सिस्टम से निकलती रथयात्राः इस्कॉन मंदिर से भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाती है। रथ को फूलों से सजाया जाता है, जो विशेष आकर्षण का केन्द्र होगा। 40 फीट ऊंची हाइड्रोलिक सिस्टम से बनी विशिष्ट रथ पर भगवान जगन्नाथ विराजमान होते हैं। इस रथयात्रा में देश विदेश के भक्त भी शामिल होते हैं। रथयात्रा मार्ग में पुष्पवर्षा के साथ आरती करके भगवान का स्वागत किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

रालोजपा की त्रिदिवसीय जिलाध्यक्षों की बैठक संपन्न हुई

पटना। राष्ट्रीय लोजपा के मुख्य प्रवक्ता ललन कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस के निदेर्शानुसार प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व सांसद चन्दन सिंह ने संगठन को सुदृढ़ बनाने हेतु विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत 24 जून से 26 जून तक प्रदेश कार्यालय, कौटिल्य नगर, पटना में प्रदेश के लगभग सभी जिलों के जिलाध्यक्षों एवं दलित सेना के जिलाध्यक्षों के साथ बैठकें आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष श्री चन्दन सिंह ने सभी पदाधिकारियों के साथ वन-टू-वन विमर्श किया तथा पार्टी को गतिमान बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सभी जिलाध्यक्षों ने पार्टी के संगठन को मजबूती के लिए अपनी-अपनी बातों को रखा। श्री सिंह ने सभी जिलों को निर्देशित किया कि यदि किसी जिले में कोई सामाजिक अप्रिय घटना घटती है तो संगठन के साथियों के साथ मिलकर तत्काल शांतिपूर्ण एवं प्रभावी कदम उठाते हुए हर संभव पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए काम करेंगे।

मोहर्रम पर केवड़ा में निकला ताजिया जुलूस

पुनपुन।मोहर्रम के शुभ अवसर पर पुनपुन के केवड़ा क्षेत्र में अकीदत और आपसी भाईचारे के साथ ताजिया जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया और पारंपरिक तरीके से मोहर्रम मनाया। केवड़ा अली कमेटी के खलीफा गनी आवासी ने बताया कि यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि केवड़ा में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग मिल-जुलकर मोहर्रम का पर्व मनाते हैं, जो सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है।उन्होंने बताया कि ताजिया जुलूस केवड़ा मजार से शुरू होकर लालचक, केवड़ा बाजार होते हुए टेलीफोन चौक तक पहुंचा, जहां धार्मिक रस्में अदा की गईं।जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुनपुन ओ पी केवड़ा थाना अध्यक्ष सुबोध कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी तथा पूरे मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। उन्होंने कहा कि कहीं से किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।इस अवसर पर ग्रामीणों में साजिद, सद्दाम, अंसार, बुधन और मंजूर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में राहगीरों को प्यास से निजात दिलाने के लिए, युथ हॉस्टल्स एसोसिएशन,पूर्णिया द्वारा किया गया"प्याऊ" का उद्घाटन

पटना।भीषण गर्मी में राहगीरों को प्यास से निजात दिलाने के लिए युथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की पूर्णिया यूनिट द्वारा आर एन शाह चौक पर एक "प्याऊ"(पानी स्टाल) का शुभ उद्घाटन यूनिट चेयरमैन सिद्धार्थ प्रताप द्वारा किया गया।इस अवसर पर उपस्थित यूनिट अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने बताया कि एसोसिएशन द्वारा सालों भर विभिन्न कार्यक्रम किया जाता है जिसमें रक्तदान शिविर,नर्स डे,महिला दिवस,श्रमिक स्वास्थ जांच शिविर,शिक्षक सम्मान और मेधावी छात्र सम्मान भी शामिल है।उन्होंने बताया कि 5 सितंबर को शिक्षक सम्मान दिवस के अवसर पर शिक्षक सहित विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा।इस अवसर पर उपाध्यक्ष सोनाली चक्रवर्ती,सचिव प्रियेश रंजन, डॉ अमित भट्टाचार्य,आलोक लोहिया,तारा शंकर चटर्जी,शिव शंकर मंडल,संतोष कुमार सिंहा,इरफान कामिल और राज्य अध्यक्ष ए के बोस भी उपस्थित थे।

प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने किया पौधारोपण

पटना।प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने सुवे से सघन पौधारोपण अभियान 5 जुलाई तक चला रहे है । विश्व युवक केंद्र दिल्ली एवं प्रेम यूथ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता माह के अंतर्गत सेमिनार, रैली, पोस्टर निर्माण एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर रहे है । प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने के लिए प्लास्टिक के कचरा को जमा किया जा रहा है । फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर देवानंद ने बताया कि राजधानी के युवा आवास में पौधारोपण किया गया जिसमें आम, अमरूद, जामुन, निम , वेल , कटहल के पेड़ लगाया गया है । उन्होंने कहा कि पर्यावरण से छेड़छाड़ मानव सभ्यता के लिए खतरे की घँटी है । जहाँ बागों से गुलजार गुलजारबाग हुआ करता था वहाँ हम एशिया के सबसे बड़ा कॉलोनी कंकड़बाग बना दिया । विकाश के अंधी दौड़ में जिस रफ्तार से पेड़ो की कटाई हो रही है यह चिंता का विषय है । पटना में मेट्रो निर्माण के लिए सौ साल पुराना पेड़ो को काट दिया गया जबकि उस पेड़ो को ट्रांसप्लांट किया जा सकता था । वन क्षेत्रो में कमी का सीधा असर जलवायु परिवर्तन के रूप में सामने है । अतिवर्षा, सुखाड़, सुनामी के रूप में सामने है । स्वयंसेवक ऋषिकेश भट्ट ने कहा कि हम सभी लोगो को अधिक से अधिक पेड़ लगाने की संकल्प लेना होगा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम चलाया है उसे हम सभी स्वयंसेवक मिलकर घर घर पहुचायेंगे । हर यादगार पल पर पौधारोपण करें । बिहार सरकार वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से मात्र दस रुपया में पौधा मिल रहा है । हम लोग गंगा किनारे के गाँव मे सघन पौधारोपण अभियान चला रहे है । मौके पर फाउंडेशन के सैंकड़ो स्वयंसेवक मौजूद रहे ।

पिपरा पुलिस ने गांजा तस्कर को दबोचा, 8 से 10 किलो गांजा बरामद

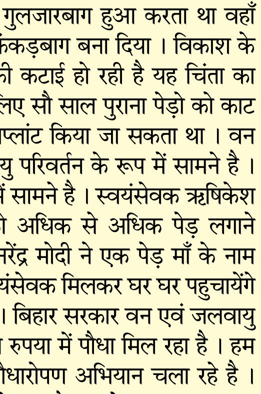

पिपरा। पिपरा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कथित गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके घर से लगभग 8 से 10 किलोग्राम गांजा बरामद किया है।पिपरा थाना प्रभारी प्रिंस कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के सहजपुर गांव में एक व्यक्ति अपने घर से गांजे का कारोबार करता है तथा बड़ी मात्रा में गांजा छिपाकर रखा हुआ है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने छापेमारी की।छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी रोशन कुमार, पिता राजकेश्वर दास, निवासी ग्राम सहजपुर, थाना पिपरा, जिला पटना को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान घर से करीब 8 से 10 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।थाना प्रभारी ने बताया कि बरामद गांजे को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा। पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बिहार आईपीएल अंडर - 13 में गया टाइटंस और केकेआर फाइनल में

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।राजधानी पटना के जगजीवन स्टेडियम दानापुर में सरदार पटेल इवेंट्स कम टैलेंट सर्च के तत्वावधान में खेले जा रहे बिहार इंस्टीट्यूट प्रीमियर लीग में आज खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में गया टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 8 विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। जबकि दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला में कटिहार नाइट राइडर्स ने मुंगेर इंडियंस को 59 रनों से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। जिसका सीधा भिड़ंत 30 जून को राजधानी पटना के ऊर्जा स्टेडियम में 3:00 बजे से फाइनल मुकाबला में होगी। आज खेले गए पहला सेमीफाइनल मुकाबला में गया टाइटंस के कप्तान रोहित कुमार ने टॉस जीतकर कर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया और राजगीर रॉयल्स के बल्लेबाज गया टाइटंस के गेंदबाजों की सधी हुई गेंदबाजी के सामने अनुराग के 32 रन और अमन के 13 रन की छोटी-छोटी पारी के सहारे निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट खोकर महज 123 रन का स्कोर खड़ा किया। गया टाइटंस के गेंदबाज प्रेरणा राज, आदित्य सिंह,अंश राज और अमन राज ने एक-एक विकेट चटकाए जबकि अन्य बल्लेबाज बेहतर क्षेत्ररक्षक के शिकार बनें।जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी गया टाइटंस के सलामी बल्लेबाज शिवा मल्होत्रा द्वारा खेली गई संयमित पारी 58 गेंद पर 11 चौका के साथ 64 रनों की नाबाद अर्धशतकीय पारी और कप्तान रोहित कुमार के 24 रन की उपयोगी पारी के साथ अमित कुमार की तेज तर्रार 23 रनों की महत्वपूर्ण पारी के सहारे 18.4 ओवर में दो विकेट खोकर विजयी लक्ष्य को हासिल करते हुए जीत की हैट्रिक लगाकर फाइनल में प्रवेश किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले गया टाइटंस के इस्लामी बल्लेबाज शिवा मल्होत्रा को प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। जबकि दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला कटिहार नाइट राइडर्स और मुंगेर इंडियन के बीच खेली गई। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट होकर 179 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। केकेआर के सलामी बल्लेबाज कौशिक ने 51 गेंद पर 50 रनों की अर्द्धशतकीय पारी खेलकर पवेलियन लौटे और आर्यन राज ने 40 गेंद पर 49 रन बनाकर अपना आपा खोकर विकेट गंवा बैठे और अपना अर्द्धशतक पूरा करने से चूके। जबकि आर्य निधि ने 19 रनों का योगदान दिया। मुंगेर इंडियन के गेंदबाज आरव प्रकाश, अचिंत्य तेजस, अनिकेत और शशांक ने 1-1 विकेट हासिल किया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंगेर इंडियन ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट होकर 120 रन ही बना पाई। जिसमें मुंगेर इंडियन के सलामी बल्लेबाज प्रणव शाश्वत के सस्ते में 15 रन पर पवेलियन लौटते हीं मुंगेर इंडियंस के जीत की उम्मीदों पर पानी फिर गया था। शशांक ने 43 रन , आर्यन राज ने 22 रनों का योगदान दिया लेकिन टीम की हार को नहीं टाल सके और फाइनल में प्रवेश की उम्मीदें समाप्त हो गई। केकेआर के गेंदबाज उत्कर्ष राज और आयुष रंजन ने दो-दो विकेट चटकाए जबकि अनीश और यशराज ने एक-एक बल्लेबाजों को चलता किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले केकेआर के खिलाड़ी कौशिक को प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया।

वेदांता ने एक दशक में सरकारी खजाने में करीब रु5 लाख करोड़ का योगदान दिया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।विविध प्राकृतिक संसाधनों में देश की अग्रणी कंपनी वेदांता लिमिटेड (बीएसईः 500295 और एनएसईः वीईडीएल) ने कंपनी की 11वीं टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 26 में सरकारी खजाने में रु 62,722 करोड़ का योगदान दिया है। यह रिपोर्ट देश के निर्माण और पारदर्शी प्रशासन गवर्नेंस के लिए वेदांता की प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाती है। यह योगदान कंपनी के संचालन से होने वाले कुल राजस्व का 36 फीसदी है, जो भारत के आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाता है। यह पिछले साल की तुलना में योगदान में 13.3 फीसदी की बढ़ोतरी है, जिसके साथ पिछले दस सालों में सरकारी खजाने में वेदांता का कुल योगदान रु4,83,034 करोड़ हो गया है। कंपनी ने वित्तीय अनुशासन, राष्ट्र-निर्माण और विकसित भारत मिशन को समर्थन देने पर विशेष रूप से ध्यान दिया है। यह ग्रुप सरकारी खजाने में योगदान देने वाले भारत के टॉप 3 प्राइवेट सेक्टरों के सदनों में शामिल है।

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न ,शोभायात्रा में 551 कुंवारी कन्याएं शामिल हुईं

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।नवनिर्मित हनुमान मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह काफी भव्य तरीके से मनाया गया। इसके लिए पश्चिम चंपारण के नरकटियागंज अनुमंडल अंतर्गत केहूनिया रोअरी पंचायत के सिसवा फाल गांव में नवनिर्मित हनुमान मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के लिए निकली नगर यात्रा और कलश यात्रा के दौरान ऐसा आध्यात्मिक दृश्य देखने को मिला, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बावजूद हजारों श्रद्धालुओं का उत्साह तनिक भी कम नहीं पड़ा। शिव मंदिर के समीप नवनिर्मित हनुमान मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में निकली भव्य कलश शोभायात्रा आस्था, संस्कृति और सामूहिक सहभागिता का अनुपम उदाहरण बन गई। शोभायात्रा में 551 कुंवारी कन्याएं सिर पर पवित्र कलश धारण कर धर्मध्वजा के साथ आगे बढ़ रही थीं। उनके पीछे श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ जय श्रीराम, जय बजरंगबली और हर-हर महादेव के उद्घोष से वातावरण को गुंजायमान कर रही थी। हाथी, घोड़े, ऊंट तथा पारंपरिक बाजे-गाजे से सुसज्जित यह यात्रा पूरे मार्ग में आकर्षण का केंद्र बनी रही। गांव की गलियां मानो अयोध्या और काशी की धार्मिक छटा का अहसास करा रही थीं। सिसवा फाल से प्रारंभ हुई शोभायात्रा मारवाड़ी नोनिया टोला घाट स्थित बलोर नदी पहुंची, जहां अयोध्या से पधारे विद्वान आचार्य पंडित सत्यम द्विवेदी, नथुनी द्विवेदी एवं तपन द्विवेदी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत जलबोझी संस्कार संपन्न कराया। इसके बाद श्रद्धालु पुनः मंदिर परिसर लौटे, जहां यज्ञ एवं प्राण-प्रतिष्ठा महाअनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। यह धार्मिक आयोजन 25 से 27 जून तक चलेगा। मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा समारोह को सफल बनाने में चिंतामणि तिवारी,नीलमणि तिवारी,चंद्रमणि तिवारी, राजेंद्र राम, दिनेश कुशवाहा, रूद्रमनी तिवारी, चन्द्रमनी तिवारी सहित समस्त ग्रामवासियों की भूमिका सराहनीय रही। यजमान के रूप में राजेश्वर महतो, राम पीरित राम एवं बाजुकेश बाबा ने अनुष्ठान का नेतृत्व किया। वहीं समाजसेवी शशिकांत पांडे, अर्जुन राम, सुजीत कुमार, राजेंद्र पांडे, चंद्रभान ठाकुर, अर्जुन मिश्रा और कृष्णा मोहन मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को एतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

टीवीएस आईक्यूब का 10 लाखवां स्कूटर रोलआउट, भारत की ईवी क्रांति में बड़ी उपलब्धि

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।टीवीएस मोटर कंपनी ने होसुर स्थित अपने संयंत्र से 10 लाखवें टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर के रोलआउट की घोषणा की है। कंपनी ने इसे भारत की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह मील का पत्थर देश में सस्टेनेबल और स्मार्ट परिवहन की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक है। टीवीएस के अनुसार, इन-हाउस इंजीनियरिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, प्रोडक्ट इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं के बल पर आईक्यूब देशभर में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की गति बढ़ा रहा है। इस उपलब्धि पर बात करते हुए, टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेनु ने कहा, एक मिलियन टीवीएस आईक्यूब्स को रोलआउट किया जाना इस बात को दर्शाता है कि भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी बड़े पैमाने पर रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन रही है। यह उपलब्धि इंजीनियरिंग, इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग क्षमताओं में सालों के निवेश का परिणाम है, जिसने हमें दुनिया के लिए भारत में डिज़ाइन और मैनुफैक्चर किए गए विश्वस्तरीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों के निर्माण में सक्षम बनाया है। देश विकसित भारत के दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है, ऐसे में भारत के पास भावी मोबिलिटी में ग्लोबल लीडर बनने का सुनहरा अवसर है। टीवीएस मोटर में, हम मोबिलिटी के शानदार और सस्टेनेबल समाधानों के ज़रिए इस विज़न को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो ग्लोबल मोबिलिटी पावरहाउस के रूप में भारत की स्थिति को मज़बूत बनाते हैं। 2020 में लॉन्च हुए टीवीएस आईक्यूब का नेटवर्क आज 3,000 से अधिक शहरों में 3,300 से ज्यादा टचपॉइंट्स तक फैल चुका है। कंपनी के अनुसार, आईक्यूब उपयोगकर्ता अब तक 14.94 बिलियन किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर चुके हैं, जिससे लगभग 5.23 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है।

15वें फेडरेशन कप बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में बिहार का शानदार प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

» स्वर्ण पदक विजेता शत्रुघ्न पासवान को डॉ. रणबीर नंदन ने किया सम्मानित

पटना।इंडियन बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन (IBBF) के तत्वावधान में पंजाब के लुधियाना में आयोजित 15वें फेडरेशन कप बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप–2026 में बिहार के खिलाड़ी एवं पटना रेल जीआरपी में कार्यरत शत्रुघ्न पासवान ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर बिहार का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर न्यू बॉडी बिल्डिंग एवं फिटनेस एसोसिएशन, बिहार के मुख्य संरक्षक डॉ. रणबीर नंदन (अध्यक्ष, बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड) ने अपने आवास पर आयोजित एक सम्मान समारोह में शत्रुघ्न पासवान को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं नगद राशि प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ी के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके कार्यक्षेत्र में पदोन्नति (प्रमोशन) के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर डॉ. रणबीर नंदन (अध्यक्ष, बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड) ने सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। प्रतियोगिता में बिहार के अन्य खिलाड़ियों प्रकाश कुमार, गोविंद कुमार एवं सुमित कुमार ने भी सराहनीय प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाया। संघ के अध्यक्ष अभय सुंदर ने कहा कि यह सफलता बिहार में बॉडी बिल्डिंग खेल के निरंतर विकास, खिलाड़ियों की मेहनत एवं समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में बिहार के खिलाड़ी राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई उपलब्धियाँ हासिल करेंगे। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि शत्रुघ्न पासवान भविष्य में विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो एसोसिएशन हर स्तर पर उनके साथ खड़ी रहेगी और उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि न्यू बॉडी बिल्डिंग एवं फिटनेस एसोसिएशन भविष्य में भी खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, अवसर एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। इस अवसर पर संघ के कोषाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, उपाध्यक्ष गुंजेश झा, संयुक्त सचिव उपेन्द्र कुमार, मुकुल कुमार चौधरी, अजय कुमार, सूरज भानु गुप्ता, मनोज कुमार सहित न्यू बॉडी बिल्डिंग एवं फिटनेस एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दानापुर खाद्य कारोबारियों को दिया गया फोस्टेक प्रशिक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। सगुना मोड़ स्थित एक निजी हॉल में खाद्य पदार्थ निर्माण कर्ताओं, विक्रेताओं को प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें खाद्य कारोबारियों को लाइसेंस, खाद्य पदार्थों का रखरखाव, साफ सफाई आदि के बारे में बताया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी विकास संस्थान के राष्ट्रीय समन्वयक विनोद कुमार मौर्य ने कहा खाद्य कारोबारियों को विधवत रूप से जागरूक किया जा रहा है कि गुणवत्ता पूर्ण खाद्य सामग्री को बिक्री करे। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ के गाइड लाइन का पालन न करने से उपभोक्ताओं को बीमारी का शिकार होना पड़ता है। इसके लिए खाना और पानी शुद्ध हो । फूड गुणवत्ता पूर्ण होने चाहिए और एएसआई मानक के अनुसार भंडारण, उत्पादन व बिक्री करने के लिए जागरूक किया गया है। राज्य समन्वयक कुलदीप कुमार ने खाद्य कारोबारियों से कहा कि गुणवत्ता पूर्ण खाद्य पदार्थों की बिक्री करे और एक्सपायरी डेट पर ध्यान दें और उससे बिक्री नही करे । उन्होंने खाद्य कारोबारियों से कहा कि गुणवत्ता पूर्ण सामग्री का बिक्री करे , ताकि लोगों को बीमारी होने से बच सकें। प्रशिक्षक डा राकेश कुमार सिंह ने कहा कि खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम 2006 के तहत खाना सुरक्षित बनाना है। उन्होंने कहा कि खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत जानकारी दी गई और लाइसेंस मिले है, परंतु उनके शर्त और नियमों के बारे में जानकारी नहीं है। डा. सिंह ने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थों से खाद्यजनित बीमारी से हर साल विश्व में करीब चार लाख बीस हजार लोगों की मौत होता है, यह डब्ल्यूएचओ का रिपोर्ट है। उन्होंने कहा कि फ़ूड सुरक्षित होगा तो बहुत बीमारियां होने में कमी आ सकती है। जिसको लेकर खाद्य कारोबारियों को जागरूक किया जा रहा है। प्रशिक्षण में तमाम खाद्य कारोबारी मौजूद रहे। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि खाद्य पदार्थों का निर्माण निर्धारित मानकों पर करें, जहां पर खाद्य पदार्थ बना रहे हैं और बिक्री कर रहे हैं । वहां साफ सफाई का ध्यान रखा जाए। खाद्य कारोबारियों को नए नियमों के बारे में बताया गया। जिला समन्वयक रवि राज ने कहा कि कारोबारियों को जागरूक कर ही गुणवत्ता पूर्ण खाद्य पदार्थों की बिक्री करने को कहा गया है। सबसे ज्यादा ध्यान सफाई का रखें। इस मौके पर सहायक समन्वयक सूर्यकांत, जितेंद्र कुमार, झारखंड के राज्य समन्वयक श्याम सुंदर यादव व गीता कुमारी समेत आदि मौजूद थे।

पटना साहिब में 63383 ट्रेन के ठहराव की मांग हुई तेज

नई सोच एक्सप्रेस

» गुरु गोविंद सिंह जी की जन्मस्थली का सम्मान, यात्रियों की सुविधा का भी प्रश्न

पटना।देश की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों में अपना विशिष्ट स्थान रखने वाला पटना साहिब केवल बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के करोड़ों सिख श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। दसवें सिख गुरु, गुरु गोविंद सिंह की पावन जन्मस्थली होने के कारण इस स्थान का महत्व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। इसी गौरव को सम्मान देते हुए वर्षों पहले पटना सिटी रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर पटना साहिब रेलवे स्टेशन रखा गया था। इसके बावजूद कोडरमा से वैशाली जाने वाली ट्रेन संख्या 63383 का इस महत्वपूर्ण स्टेशन पर ठहराव नहीं होने से स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं में निराशा है। समाजसेवी पूनम देवी ने नरेंद्र मोदी तथा भारत सरकार के रेल मंत्री से मांग की है कि कोडरमा से राजगीर, बख्तियारपुर, फतुहा, पटना, हाजीपुर होते हुए वैशाली जाने वाली ट्रेन संख्या 63383 का ठहराव पटना साहिब स्टेशन पर अवश्य किया जाए। उनका कहना है कि पटना और फतुहा के बीच पटना साहिब सबसे महत्वपूर्ण स्टेशन है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु, छात्र, नौकरीपेशा लोग तथा आम यात्री यात्रा करते हैं। पूनम देवी ने कहा कि पटना साहिब केवल एक रेलवे स्टेशन नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक आस्था का प्रतीक है। यहां प्रतिवर्ष देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में इस ट्रेन का ठहराव यात्रियों को बड़ी सुविधा देगा तथा धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्रालय जनभावनाओं का सम्मान करते हुए इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेंगे। उनका कहना है कि पटना साहिब में ट्रेन संख्या 63383 का ठहराव न केवल स्थानीय लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी करेगा, बल्कि गुरु गोविंद सिंह जी की पावन जन्मस्थली के प्रति सम्मान प्रकट करने का भी महत्वपूर्ण कदम होगा। स्थानीय नागरिकों ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए कहा कि यदि इस ट्रेन का पटना साहिब स्टेशन पर नियमित ठहराव सुनिश्चित किया जाता है, तो हजारों यात्रियों को प्रतिदिन सीधा लाभ मिलेगा और क्षेत्र की रेल सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक हितों और शिक्षा सुधार पर आनंद पुष्कर ने शिक्षकों से किया विचार-विमर्श

छपरा। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के जदयू नेता आनंद पुष्कर ने पंडित उगम पाण्डेय महाविद्यालय में शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। कार्यक्रम में विद्यालय अध्यापक, विशिष्ट शिक्षक, नियोजित शिक्षक, वित्तरहित, मदरसा, संस्कृत, अल्पसंख्यक, नवोदय, अनुदानित महाविद्यालय तथा आईटीआई सहित विभिन्न वर्गों के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संवाद के दौरान शिक्षकों ने शिक्षा व्यवस्था, वेतनमान, अनुदान, पदोन्नति, स्थानांतरण, पेंशन, सेवा सुरक्षा एवं अन्य लंबित मांगों पर विस्तार से अपने विचार रखे। आनंद पुष्कर ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके न्यायोचित एवं शीघ्र समाधान के लिए हर स्तर पर प्रभावी पहल करने का भरोसा दिलाया। बैठक में आगामी सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। उपस्थित शिक्षकों ने शिक्षक सम्मान, शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित होकर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सात फेरे से पहले बुझ गया जीवन का दीप, मंडप से उठी दूल्हे की अर्थी; दुल्हन के हाथों की मेहंदी रह गई अधूरी

बेतिया। मझौलिया प्रखंड क्षेत्र के सरिसवा पंचायत के भरवलिया वार्ड संख्या-6 में गुरुवार को एक शादी समारोह की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। जिस घर में शहनाइयां गूंज रही थीं, वहां अचानक चीख-पुकार मच गई। विवाह के लिए मंडप में बैठे दूल्हे की तबीयत अचानक बिगड़ गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय जगदीश शर्मा के 25 वर्षीय पुत्र शक्तिनाथ शर्मा की बारात धूमधाम और बैंड-बाजे के साथ पूर्वी चंपारण जिले के रामगढ़वा थाना क्षेत्र के चिकनी गांव पहुंची थी। यहां संतोष शर्मा की पुत्री रघुनी कुमारी के साथ रामगढ़वा के जानकी मंदिर में विवाह होना था। दूल्हा-दुल्हन शादी के जोड़े में मंडप में बैठ चुके थे और सात फेरों की तैयारी चल रही थी।इसी दौरान अचानक शक्तिनाथ के पेट में तेज दर्द उठा। परिजन उसे तत्काल एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रक्सौल स्थित एसआरपीएस अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजन जब उसे लेकर अस्पताल पहुंचे तो चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।दूल्हे की मौत की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। दुल्हन के हाथों की मेहंदी अधूरी रह गई और विदाई की जगह दूल्हे का शव घर लाया गया। गांव पहुंचते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।मृतक के बड़े भाई कर्मा शर्मा ने बताया कि शक्तिनाथ तीन भाइयों में सबसे छोटा था और माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। सदमे में डूबे परिजनों को अब भी इस बात पर विश्वास नहीं हो रहा कि शक्तिनाथ उन्हें छोड़कर चला गया है। यह हृदयविदारक घटना पूरे इलाके को गमगीन कर गई है।

हथियारबंद बाइक सवार ने लूटपाट की

वैशाली। थाना क्षेत्र के एन एच 322 पर बनारसी चौक के पास बीते मध्य रात्रि को दो हथियार बंद बाइक सवार अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर बाइक सवार दंपति से बाइक सोने की चेन, नगद रुपए, मोबाइल एवं पर्स में रखे जरूरी कागजात छीन कर फरार हो गए।ज्ञात हो कि बेखौफ अपराधियों ने मध्य रात्रि के करीब लूट की घटना को अंजाम दिया। इस संबंध में समस्तीपुर जिला के पटोरी नगर परिषद क्षेत्र के निवासी पशुपति चौधरी के पुत्र प्रशांत कुमार जायसवाल ने राजापाकर थाने में आवेदन देकर घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्रशांत कुमार जायसवाल द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया कि बीते मध्य रात्रि के करीब 12:30 बजे रात्रि को हाजीपुर की ओर से अपने पैतृक आवास पटोरी के लिए जा रहा था। बाइक पर सवार होकर अपनी पत्नी एवं बच्ची के साथ अपने घर जा रहे थे तभी एनएच 322 पर राजापाकर थाना क्षेत्र के बनारसी चौक से 100 मी पूरब एक स्प्लेंडर बाइक पर सवार हथियार बंद दो अपराधियों ने पहले तो प्रशांत कुमार जायसवाल के मोटरसाइकिल में पैर से धक्का मारा जिससे वह अपने परिवार सहित गिर गए। उसके बाद अपराधियों ने हेलमेट पर बंदूक रखकर लूट की घटना को अंजाम दिया। जायसवाल ने बताया कि अपराधियों ने हथियार का भय दिखा कर बाइक पत्नी से सोने की चैन पर्स में रखा हुआ नगदी रुपए, मोबाइल एवं अन्य जरूरी कागजात सहित सभी सामान लूट लिए तथा मोटरसाइकिल पर सवार होकर चकसिकंदर बाजार की ओर भाग निकले। पीछे से आ रही गाड़ी की रोशनी में बाइक का नंबर प्लेट दिखा जिस पर बीआर 6568 लिखा हुआ था। घटना के संबंध में तुरंत डायल 112 की टीम को सूचित किया।उसके बाद रात अधिक होने के कारण मैं घर वापस चला गया। घटना को लेकर दो अज्ञात चोरों के विरुद्ध राजापाकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।वहीं थानाध्यक्ष गौरी शंकर बैठा ने बताया कि पिड़ित व्यक्ति के द्वारा दिए गए आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। अपराधियों के धर पकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है। बहुत जल्द ही मामले का उदभेदन कर लिया जाएगा।

लोक शिकायत निवारण अधिनियम के तहत 03 अपीलीय मामलों की सुनवाई की गई

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले में पारदर्शी एवं समयबद्ध प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी छिरिड वाई भूटिया ने लोक शिकायत निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त अपीलीय मामलों की सुनवाई की गई। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना अतिक्रमणवाद से संबंधित एवं गली मे छज्जा निकालने से संबंधित मामला की समीक्षा की गई। संबंधित पदाधिकारी के उपस्तिथि में कुल 03 मामलों में सुनवाई करते हुए 02 मामला एक मामला अतिक्रमणवाद तथा प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास से संबंधित मामले का त्वरित निष्पादन जिलाधिकारी ने किया। निष्पादन हेतु शेष मामलों में संबंधित पदाधिकारियों को तकनीकी तथ्यों और आवश्यक साक्ष्यों के साथ अगली सुनवाई में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि मामलों के निष्पादन में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जायेगा।

डोभी प्रखंड मुख्यालय पर लोक समिति समेत तीन संगठनों का प्रदर्शन, अधिकारियों की गैरहाजिरी पर जताया रोष

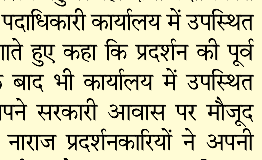

गया जी। लोक समिति, छात्र-युवा संघर्ष वाहिनी एवं मजदूर-किसान समिति के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को विभिन्न मांगों को लेकर डोभी प्रखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन किया गया। जयराम गिरि उच्च विद्यालय के समीप से शुरू हुए प्रदर्शन में चिलचिलाती धूप के बावजूद सैकड़ों की संख्या में मजदूर, किसान और महिलाएं बैनर एवं तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए प्रखंड मुख्यालय पहुंचे।जहाँ दोनों पदाधिकारी अंचल अधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय में उपस्थित नहीं थे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदर्शन की पूर्व सूचना दोनों अधिकारीयों के होने के बाद भी कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए बल्कि दोनों अधिकारी अपने सरकारी आवास पर मौजूद रहे।अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराज प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों से संबंधित स्मार पत्र प्रखंड कार्यालय के मुख्य द्वार पर चिपका दिया और प्रशासन के रवैये के खिलाफ विरोध दर्ज करते हुए उन्होंने कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

28 को पंचायतों में मनाया जाएगा पंचायत विकास दिवस

नई सोच एक्सप्रेस

» सरथा में 28 जून को मनेगा पंचायत विकास दिवस

हरनौत। प्रखंड की सभी पंचायतों में 28 जून को पंचायत विकास दिवस का आयोजन किया जाएगा। डीपीआरओ,नालंदा के निर्देश पर प्रखंड प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बीडीओ डॉ पंकज कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं की समीक्षा, जनसहभागिता बढ़ाना तथा ग्रामीणों की समस्याओं पर चर्चा करना है। कार्यक्रम में मुखिया, पैक्स अध्यक्ष,जविप्रावि,उपमुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य,सीएचओ,सेविका, समाजसेवी ,युवा,जीवीका सीएम, स्कूल हेडमास्टर,वार्ड क्रियान्वयन एवं प्रबंधन समिति के सदस्य गण,पंचायत कार्यकारिणी समिति एवं पंचायत समाजिक न्याय समिति के सदस्यगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कर्मी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल होंगे। प्रखंड प्रशासन ने पंचायत प्रतिनिधियों को समय पर सूचना उपलब्ध कराने तथा कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम के आयोजन के बाद उसकी रिपोर्ट एवं अन्य आवश्यक सूचनाएं जिला कार्यालय को भेजी जाएंगी। पंचायतों में संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा,जनहित से जड़े महों पर चर्चा तथा ग्रामीणों से सुझाव प्राप्त किए जाएंगे। वहीं सरथा पंचायत के सरथा गांव में स्थित सामुदायिक भवन में सुबह 10 बजे से पंचायत विकास दिवस पंचायत के सतत् विकास हेतु रखा गया है।यह जानकारी पंचायत के पंचायत सचिव विकास कुमार ने दी। उन्होंने ने कहां कि हर महिने के अंतिम रविवार को पंचायत के सतत् विकास हेतु पंचायत विकास दिवस आयोजित किया जाएगा।

गया में नशा मुक्त सप्ताह का समापन, जागरूकता कार्यक्रमों में लोगों की रही सक्रिय भागीदारी

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी। अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर जिले में 17 से 26 जून तक आयोजित नशा मुक्त सप्ताह का शुक्रवार को जिला स्तरीय कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हो गया। अभियान का इस वर्ष का विषय नशा मुक्त भारत अभियान विकसित भारत की पहचान रखा गया था। जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर के निर्देश पर जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के समन्वय में पूरे जिले में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान की शुरुआत 17 जून को सभी सरकारी कार्यालयों में नशामुक्ति की शपथ के साथ हुई। इसके बाद 18 जून को नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों वृद्धाश्रम सेवा कुटीर एवं शांति कुटीर में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए गए।वही19 एवं 20 जून को अनुमंडल स्तर पर नुक्कड़ नाटक और कम्युनिटी अवेयरनेस ड्राइव के माध्यम से लोगों को नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी दी गई। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम आयोजित हुए जबकि 22 एवं 23 जून को आंगनबाड़ी केंद्रों जीविका दीदियों एवं स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।24 जून को जिला शिक्षा विभाग के सहयोग से विद्यालयों में क्विज पेंटिंग एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग की ओर से टी-शर्ट, टोपी, नाश्ता, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई।

महिला कॉलेजों पर आर्थिक संकट गहराया, जीरो नामांकन फीस से अस्तित्व पर मंडराया खतरा

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी। मगध विश्वविद्यालय से संबद्ध महिला महाविद्यालयों में जीरो नामांकन शुल्क की व्यवस्था के कारण उत्पन्न गंभीर आर्थिक संकट को लेकर कॉलेज प्रशासन ने चिंता जताई है। इस संबंध में गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सीमा पटेल तथा किशोरी सिन्हा महिला महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्या डॉ. गायत्री सिंह ने मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के कार्यवाहक कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केसरी से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन में कहा गया है कि सह-शिक्षा महाविद्यालयों को छात्र नामांकन से कुछ शुल्क प्राप्त हो जाता है, जबकि महिला कॉलेजों में केवल छात्राओं का नामांकन होने के कारण जीरो फीस व्यवस्था के चलते आय का कोई स्रोत नहीं बचा है। इससे आंतरिक परीक्षा, एनएसएस-एनसीसी, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बिजली, पेयजल, इंटरनेट, सीसीटीवी, साफ-सफाई, स्टेशनरी और सुरक्षा जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं का संचालन कठिन हो गया है।वही प्राचार्या डॉ. सीमा पटेल ने बताया कि बिहार सरकार द्वारा क्षतिपूर्ति राशि का प्रावधान होने के बावजूद पिछले 10 वर्षों में केवल एक सत्र के लिए सीमित राशि उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि गौतम बुद्ध महिला कॉलेज का सरकार पर अभी भी लगभग 2.25 करोड़ रुपये बकाया है। वित्तीय संकट के कारण महाविद्यालयों में विकास कार्य ठप हैं तथा कैंटीन, क्रैश, कॉमन रूम, सैनिटरी वेंडिंग एवं डिस्पोजल मशीन, बीसीए लैब, पर्याप्त कक्ष और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास नहीं हो पा रहा है।उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2023 में लागू चार वर्षीय सीबीसीएस सेमेस्टर प्रणाली के तहत जारी अध्यादेश में महाविद्यालय संचालन के लिए विभिन्न मदों में शुल्क संरचना निर्धारित की गई है, लेकिन उसका पालन नहीं किया जा रहा है। नए पाठ्यक्रम के अनुरूप पुस्तकालयों में पुस्तकें तक नहीं खरीदी जा पा रही हैं। इसके चलते अधिकांश महाविद्यालय अब तक NAAC मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके हैं, जिससे भविष्य में UGC की मान्यता प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी ने बताया कि डॉ. सीमा पटेल, डॉ. गायत्री सिंह तथा राजेंद्र मेमोरियल वीमेंस कॉलेज, नवादा के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार ने कुलपति के माध्यम से बिहार के राज्यपाल एवं कुलाधिपति तथा शिक्षा मंत्री को भी अनुरोध पत्र भेजा है। इसमें महिला कॉलेजों की वित्तीय स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से शीघ्र क्षतिपूर्ति राशि उपलब्ध कराने तथा आवश्यक दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई है। उनका कहना है कि यदि समय रहते समाधान नहीं निकला तो महिला महाविद्यालयों के समक्ष अस्तित्व का संकट खड़ा हो सकता है।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मोहर्रम, भाईचारे और सौहार्द का दिया संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी। सुगौली प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मोहर्रम का पर्व शनिवार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सभी प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल की सतर्क मौजूदगी से पूरे क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रही।सुगाव ईदगाह में भी मोहर्रम का पर्व बड़ी श्रद्धा, अनुशासन और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार मुहर्रम की रस्में अदा कीं। आयोजन के दौरान सामाजिक सौहार्द और आपसी एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में दक्षिणी सुगाव के मुखिया प्रभाकर मिश्रा, मगनी मिश्रा, अशोक झा, राजनीति एक्सप्रेस न्यूज़ के पत्रकार सार्थक वत्स, अभिषेक झा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने क्षेत्र में अमन-चैन, शांति और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की।स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन का भरपूर सहयोग किया, जिससे मोहर्रम का आयोजन पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। पूरे आयोजन में गंगा-जमुनी तहजीब, भाईचारे और सामाजिक एकता की मिसाल देखने को मिली।

दहेज के लिए प्रताड़ना का आरोप, नवविवाहिता की संदिग्ध मौत में पति-ससुर गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

बेतिया। मझौलिया थाना क्षेत्र के हरपुर गढ़वा पंचायत अंतर्गत गढ़वा बाजार वार्ड संख्या-7 में एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति और ससुर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।थानाध्यक्ष अमर कुमार ने बताया कि धोकराहा वार्ड संख्या-1 निवासी लालू मियां के आवेदन के आधार पर मृतका के पति अफरोज आलम और ससुर खेदु देवान को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और संदिग्ध मौत से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।मृतका के पिता लालू मियां ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व उनकी पुत्री रेशमा की शादी मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार अफरोज आलम के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज में टीवीएस अपाची मोटरसाइकिल की मांग को लेकर उनकी बेटी को लगातार प्रताड़ित किया जाता था।उन्होंने बताया कि गुरुवार की अहले सुबह करीब तीन बजे जब उन्होंने अपनी बेटी को फोन किया तो उसका मोबाइल बंद मिला। अनहोनी की आशंका होने पर वे तत्काल गढ़वा स्थित उसकी ससुराल पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी बेटी का शव पड़ा देखा। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और बाद में परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

शांति पूर्ण वातावरण में मनाया जा रहा मोहर्रम

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली। प्रखंड के विभिन्न भागों में शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया मोहर्रम का पर्व। इस दिन इस्लाम के अनुयायियों ने ताजिया और शीपल के साथ पारंपरिक रूप से जुलूस निकाला। हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मोहर्रम का पर मनाया जाता है। इस दौरान राजापाकर प्रखंड क्षेत्र के राजापाकर तकिया टोला भुवनेश्वर चौक पुरानी बाजार, बैकुंठपुर बाकरपुर जाफरपट्टी, बखरी पोखरैरा आदि गांवों से ताजीया जुलूस निकाले गए वहीं पोखरैरा स्थित कर्बला के मैदान में आसपास के दर्जनों गांव से ताजिया जुलूस पहुंचा। स्थानीय ग्रामीण बाबर खान ने बताया कि इस मौके पर सद्भावना मिलान का भी आयोजन किया गया। मैदान में जुलूस में आए लोगों ने पारंपरिक तरीके से खेल तमाशा दिखाएं आगे होने कहा कि यह पर्व हजरत इमाम हुसैन तथा उनके पूरे परिवार एवं 72 साथियों के शहादत के याद में मनाई जाती है। इसी दिन पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 अनुवायु साथियों की सहायता की याद में पूरी दुनिया के मुसलमान मोहर्रम का पर्व मनाते हैं। इसी दिन 680 ईस्वी में कर्बला के मैदान में वहीं के क्रूर एवं स्थानीय जालिम शासक यजीद की सत्ता के खिलाफ और सत्य न्याय एवं मानवता के लिए हजरत इमाम हुसैन शहीद हुए थे। सच्चाई, त्याग, धैर्य एवं अन्याय के खिलाफ की इस लड़ाई में हजरत इमाम हुसैन ने अपने 72 साथियों के साथ पूरे परिवार शहादत दी थी। इस दिन शिया समुदाय के लोग मातम मनाते हैं और सुन्नी समुदाय के लोग रोजा रख कर इबादत करते हैं। इस अवसर पर मुखिया संघ अध्यक्ष मंजेलाल राय पंसस तपसी प्रसाद सिंह सहित बीडीओ सूर्य प्रताप सिंह सेंगर अंचलाधिकारी गौरव कुमार थानाध्यक्ष गौरी शंकर बैठा सशस्त्र बल मौजूद हुए।

सांसद सुरेन्द्र यादव की पहल पर रेल मंत्रालय से 184.2 करोड़ रुपये की योजनाओं को मिली मंजूरी

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। पटना-गया रेलखंड के लाखों रेल यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। सांसद डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद यादव के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप पूर्व मध्य रेल, दानापुर मंडल संसदीय समिति की बैठक में क्षेत्र के विकास एवं यात्री सुविधाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं को मंजूरी मिल गई है। स्वीकृत परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत लगभग 184.2 करोड़ रुपये बताई गई है। 23 जून को आयोजित संसदीय समिति की बैठक में सांसद डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद यादव ने जहानाबाद और आसपास के क्षेत्रों के रेल यात्रियों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं को प्रमुखता से उठाया। उनके द्वारा प्रस्तुत कई प्रस्तावों पर रेल प्रशासन ने सकारात्मक निर्णय लेते हुए स्वीकृति प्रदान की। बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुसार जहानाबाद जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा के लिए 12 मीटर चौड़ा आधुनिक फुट ओवरब्रिज बनाया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 5.86 करोड़ रुपये होगी। इससे यात्रियों को प्लेटफॉर्म बदलने में काफी सहूलियत मिलेगी और भीड़भाड़ की समस्या भी कम होगी। इसके अलावा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जहानाबाद रेलवे स्टेशन का 11.03 करोड़ रुपये की लागत से व्यापक आधुनिकीकरण एवं अपग्रेडेशन किया जाएगा। स्टेशन परिसर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा तथा यात्रियों के लिए बेहतर इंतजाम किए जाएंगे। स्टेशन और उसके आसपास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए हाईमास्ट लाइटें लगाई जाएंगी। साथ ही स्टेशन परिसर और मुख्य प्रवेश द्वारों पर अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे यात्रियों को रात्रि के समय बेहतर सुविधा मिल सके। पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए स्टेशन परिसर में 50 हजार गैलन क्षमता वाले जल टैंक का निर्माण कराया जाएगा। वहीं दिव्यांग यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्लेटफॉर्म तक सुगम पहुंच के लिए रैंप सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सांसद डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद यादव ने बैठक में वंदे भारत एक्सप्रेस के जहानाबाद जंक्शन पर ठहराव की मांग भी प्रमुखता से रखी। इसके साथ ही जहानाबाद से देश की राजधानी नई दिल्ली के लिए नई ट्रेन सेवा शुरू करने का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ है, जिससे क्षेत्र के लोगों को सीधे राजधानी तक बेहतर रेल संपर्क मिल सकेगा। यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए गया-पटना रेलखंड पर रात्रि 9:55 बजे के बाद एक अतिरिक्त पैसेंजर ट्रेन चलाने का भी निर्णय लिया गया है। इससे देर रात यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। रेल सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से 96.35 करोड़ रुपये की लागत से सुरक्षा बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाएगा। इससे रेल संपत्ति की सुरक्षा बढ़ेगी तथा दुर्घटनाओं की आशंका में भी कमी आएगी। सांसद डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जहानाबाद और आसपास के क्षेत्रों में रेल सुविधाओं का विस्तार होगा तथा यात्रियों को आधुनिक और सुरक्षित यात्रा का लाभ मिलेगा। उन्होंने इसके लिए रेल मंत्रालय एवं रेल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुहर्रम पर्व को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने नगर परिषद क्षेत्र का निरीक्षण किया

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। मुहर्रम पर्व के मद्देनजर जिलाधिकारी छिरिड़ वाई भूटिया एवं पुलिस अधीक्षक, श्री कोटा किरण कुमार ने नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर ताजिया जुलूस की तैयारियों एवं विधि-व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने शांति, सौहार्द और सुरक्षा बनाए रखने का संदेश दिया। मुहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए संवेदनशील स्थलों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। पूर्व में शांति समिति की बैठकें भी की जा चुकी हैं। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन जुलूस समितियों के साथ लगातार समन्वय में है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि डीजे का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। प्रमुख स्थलों पर वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी, सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी होगी। हथियारों के प्रदर्शन एवं उपयोग पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता राजस्व अनिल कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिन्हा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर मनीष कुमार चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षित डिजिटल भुगतान के लिए 10 जरूरी सावधानियां अपनाएं: SBI कार्ड

पटना। डिजिटल लेन-देन के बढ़ते उपयोग के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, कार्ड और इंटरनेट आधारित धोखाधड़ी देश में दर्ज कुल वित्तीय धोखाधड़ी मामलों का लगभग 74 प्रतिशत हिस्सा है। SBI कार्ड की एमडी एवं सीईओ सलिला पांडे ने कहा कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था का आधार ग्राहकों का विश्वास है। उन्होंने कहा कि जागरूकता, सतर्कता और सुरक्षित आदतें अपनाकर ग्राहक धोखाधड़ी के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं। SBI कार्ड ने ग्राहकों को सुरक्षित भुगतान के लिए 10 महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं, जिनमें केवल भरोसेमंद वेबसाइटों से खरीदारी, आधिकारिक ऐप स्टोर से ही ऐप डाउनलोड करना, OTP, PIN, CVV जैसी गोपनीय जानकारी साझा न करना, फिशिंग संदेशों और फर्जी कॉल से सावधान रहना, स्क्रीन शेयरिंग से बचना, संदिग्ध लेन-देन की तुरंत रिपोर्ट करना, ऑफर्स और रिवॉर्ड पॉइंट्स की पुष्टि करना, लेन-देन अलर्ट सक्रिय रखना तथा मजबूत पासवर्ड का उपयोग करना शामिल है। कंपनी ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता, सतर्कता और समझदारीपूर्ण वित्तीय व्यवहार है।

ऑपरेशन प्रहार के तहत आरएस थाना पुलिस ने 101 ग्राम स्मैक के साथ दो युवक को किया गिरफ्तार

अररिया। अररिया एसपी जितेन्द्र कुमार के निर्देश पर पूरे जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ ऑपरेशन प्रहार चलाया जा रहा है।इसी क्रम में आरएस थाना पुलिस की ओर से अररिया रानीगंज मुख्य मार्ग एनएच 327ई में वाहन चेकिंग के दौरान पल्सर बाइक पर सवार दो युवकों के पास से 101 ग्राम स्मैक बरामद किया गया।गिरफ्तार दोनों युवक रानीगंज थाना क्षेत्र के नड़की वार्ड संख्या चार का रहने वाला है,जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।स्मैक के साथ गिरफ्तार युवकों में 28 वर्षीय रवि कुमार पिता अशोक सिंह और 23 वर्षीय गुलशन कुमार पिता पृथ्वीचंद यादव है।शुक्रवार को सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। सदर एसडीपीओ ने बताया कि आरएस थाना पुलिस की ओर से अररिया-रानीगंज मुख्य मार्ग एनएच 327ई में स्टार ग्लोबल स्कूल के पास मुहर्रम में विधि व्यवस्था को लेकर नियमित तौर पर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी क्रम में अररिया की ओर से एक तेज पल्सर बाइक संख्या बीआर38एआर-1095 पुलिस की वाहन चेकिंग को देखकर भागने का प्रयास किया,जिसे पुलिस के अधिकारी और जवानों के द्वारा खदेड़ कर पकड़ा गया।पुलिस के द्वारा युवकों को तलाशी लेने के क्रम में रवि कुमार के पास से प्लास्टिक बॉक्स में छिपाकर रखे गए 101 ग्राम स्मैक की बरामदगी की गई।पुलिस ने बाइक समेत दोनों के पास से दो मोबाइल भी जब्त किया।मामले को लेकर आरएस थाना में कांड संख्या 144/26 धारा 8(सी),21(बी) और 25 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई में थाना अध्यक्ष अंकुर कुमार सब इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार, सौदागर कुमार,एसआई गणेश साह,होमगार्ड के जवान अंजार आलम, नेहा कुमारी और चौकीदार अशरफ शामिल थे।

भारत की संस्कृति ही विश्व की समस्याओं का समाधान, अपनी विरासत पर करें गर्व : रामाशीष सिंह

सीवान। दयानंद आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, सीवान में चेतना (प्रज्ञा प्रवाह) की जिला इकाई द्वारा "भारत बोध और सांस्कृतिक अवधारणा" विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, सभ्यता और उसके वैश्विक महत्व पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मुख्य वक्ता प्रज्ञा प्रवाह की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य एवं प्रचारक रामाशीष सिंह ने कहा कि दुनिया में वास्तविक अर्थों में धर्म की अवधारणा केवल भारत में है, जबकि अन्य देशों में मजहब या रिलिजन की अवधारणा प्रचलित है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की दृष्टि मानव, प्रकृति और संपूर्ण सृष्टि के बीच समन्वय स्थापित करने वाली रही है। विभिन्न ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि धरती को "मां" कहकर संबोधित करने की परंपरा भारत में सहस्त्रों वर्षों से चली आ रही है। विषय प्रस्तुति करते हुए डॉ. अशोक प्रियंबद ने कहा कि भारत विश्व के सबसे प्राचीन जीवंत राष्ट्रों में से एक है। इसकी सभ्यता और संस्कृति आज भी संपूर्ण विश्व का मार्गदर्शन करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया जिन पर्यावरणीय और सामाजिक संकटों से जूझ रही है, उनका स्थायी समाधान भारतीय संस्कृति में निहित है, क्योंकि भारतीय जीवन-दर्शन प्रकृति के साथ समन्वय पर आधारित है, संघर्ष पर नहीं।कार्यक्रम की अध्यक्षता दयानंद आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के संरक्षक एवं पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रजापति त्रिपाठी ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति है, जो मानवता, समरसता और विश्व बंधुत्व का संदेश देती है। आज पूरी दुनिया भारतीय संस्कृति, योग और जीवनशैली की ओर आकर्षित हो रही है, इसलिए प्रत्येक भारतीय को अपनी संस्कृति पर गर्व होना चाहिए।

एसएसबी और फारबिसगंज पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 31.70 ग्राम स्मैक

अररिया। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 56 वीं वाहिनी की डी समवाय कुशमाहा की बाह्य सीमा चौकी वेरियारी की टीम ने फारबिसगंज थाना पुलिस के साथ भागकोहलिया में छापेमारी कर 31.70 ग्राम स्मैक के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया। एसएसबी और पुलिस की ओर से हुए ज्वाइंट छापेमारी में स्मैक के अलावा दो वजन मापी इलेक्ट्रिक मशीन,दो मोबाइल,दो बियर,स्कैनर,एल्यूमिनियम फॉइल,छोटा चालू,एक हीरो शाइन 125 एसपी बाइक,11 हजार रूपये नगद और दो आधार कार्ड,एक वोटर कार्ड और एक पैन कार्ड जब्त किया गया। एसएसबी के वेरियारी कैंप के कमांडर विजय कुमार ने फारबिसगंज थाना में लिखित देते हुए कांड दर्ज कराया है।एसएसबी को मिली गुप्त सूचना पर फारबिसगंज थाना पुलिस के ज्वाइंट टीम के साथ छापेमारी की गई।गिरफ्तार किए गए कारोबारियों में 20 वर्षीय छोटू मंडल पिता गणेश मंडल,23 वर्षीय कुंदन कुमार पिता गणेश मंडल और 19 वर्षीय छोटू कुमार पिता पुलकित दास है।गिरफ्तार तीनों युवक ने स्मैक की खरीददारी रामपुर उत्तर पंचायत के 40 वर्षीय मो.जावेद से करने की बात एसएसबी और पुलिस के समक्ष स्वीकार करते हुए स्मैक खरीद बिक्री के धंधे में संलिप्तता की बात को स्वीकार किया। छापेमारी टीम में एसएसबी के सहायक कमांडेंट आशीष गुप्ता,कमांडर विजय कुमार समेत एसएसबी के जवान और फारबिसगंज थाना के एसआई अजय कुमार पासवान के साथ पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

होम क्रेडिट इंडिया ने लॉन्च किया नया ब्रांड कैंपेन 'लोन मिलेगा'

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।प्रमुख कंज्यूमर फाइनेंस कंपनी होम क्रेडिट इंडिया ने अपना नया एकीकृत ब्रांड कैंपेन '#लोन मिलेगा' लॉन्च किया है। "ज़रूरत चाहे जो भी हो, #लोन मिलेगा" टैगलाइन पर आधारित यह अभियान ग्राहकों को सुलभ, पारदर्शी और सुविधाजनक वित्तीय समाधान उपलब्ध कराने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी के अनुसार, यह अभियान भारतीय परिवारों में किसी बड़े वित्तीय निर्णय को लेकर होने वाली चर्चाओं, सलाहों और बहसों को रचनात्मक एवं मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत करता है। अभियान के तहत तैयार की गई चार लघु फिल्मों में बाइक खरीदने, घरेलू उपकरण बदलने, यात्रा की योजना बनाने और पारिवारिक व्यवसाय को फिर से शुरू करने जैसे विषयों को 'पारिवारिक अदालत' की शैली में दिखाया गया है। फिल्मों में दिखाया गया है कि परिवार की शंकाओं और बहसों के बीच जब पात्रों को होम क्रेडिट के माध्यम से आसानी से ऋण स्वीकृति मिलती है, तो उनकी योजनाएं साकार हो जाती हैं। अभियान का उद्देश्य यह संदेश देना है कि उचित वित्तीय सहायता लोगों को अपने सपनों और जरूरतों को पूरा करने का आत्मविश्वास देती है। होम क्रेडिट इंडिया के चीफ मार्केटिंग एंड पीपल ऑफिसर आशीष तिवारी ने कहा कि वित्तीय आकांक्षाओं के साथ अक्सर संकोच और अनिश्चितता भी जुड़ी होती है। '#लोन मिलेगा' अभियान इसी भारतीय पारिवारिक अनुभव को हल्के-फुल्के अंदाज में प्रस्तुत करता है और यह दिखाता है कि जिम्मेदारीपूर्ण ऋण सुविधा लोगों को अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने में कैसे मदद कर सकती है। कंपनी ने बताया कि यह अभियान यूट्यूब सहित विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया जा रहा है। इसके माध्यम से होम क्रेडिट इंडिया दोपहिया वाहन ऋण, पर्सनल लोन, कंज्यूमर ड्यूरेबल फाइनेंसिंग और लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी जैसी अपनी वित्तीय सेवाओं को प्रमुखता से प्रस्तुत कर रही है। कंपनी का कहना है कि नया अभियान उसे एक व्यापक वित्तीय समाधान प्रदाता के रूप में स्थापित करने के साथ-साथ ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुरूप ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

20 वर्षों से फरार कुख्यात अपराधी हथियारों के साथ गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।हत्या, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट समेत कई संगीन मामलों में करीब 20 वर्षों से फरार चल रहे एक कुख्यात अपराधी को अमनौर पुलिस ने एसटीएफ और डीआईयू की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे एवं निशानदेही पर रायफल, देसी कट्टा, जिंदा कारतूस सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अपराधी की पहचान अमनौर थाना क्षेत्र के हुसेपुर डबरा पार गांव निवासी गन्नी लाल राय के पुत्र डीएन राय उर्फ वासुदेव राय के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वह हथियारों के साथ किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहा है। इसके बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अमनौर पुलिस, एसटीएफ एवं डीआईयू की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर एक मुर्गा फार्म में छापेमारी की, जहां से एक रायफल, एक देसी कट्टा, 22 जिंदा कारतूस, एक कारतूस बेल्ट, दो मोबाइल फोन तथा अन्य सामान बरामद किया गया।

वी ने प्रीमियम म्युज़िक स्ट्रीमिंग का अनुभव प्रदान करने के लिए स्पॉटिफाय के साथ की साझेदारी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत की अग्रणी टेलीकॉम कंपनी ने आज दुनिया के जाने-माने ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म स्पॉटिफाय के साथ एक नई साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी का उद्देश्य वी की मज़बूत कनेक्टिविटी और स्पॉटिफाय के विश्वस्तरीय ऑडियो स्ट्रीमिंग अनुभव के संयोजन द्वारा वी के सब्सक्राइबर्स को बेहतर मूल्य प्रदान करना है। इस पार्टनरशिप पर बात करते हुए वी के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अवनीश खोसला ने कहा, म्यूज़िक हमारे उपभोक्ताओं की डिजिटल ज़िंदगी का अहम हिस्सा है। हम अपने यूज़र्स को प्रीमियम म्यूज़िक और ऑडियो अनुभव देने के लिए स्पॉटिफा के साथ साझेदारी करते हुए बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। यह साझेदारी हमारे एंटरटेनमेंट इकोसिस्टम को मज़बूत बनाएगी, जिसे हमने कई सालों में ग्लोबल लीडर्स के साथ साझेदारी के द्वारा बनाया है। स्पॉटिफाय के साथ मिलकर, हम ऐसा बेहतरीन कंटेंट मिक्स पेश कर रहे हैं जो वी को सब्सक्राइबरों के लिए पहली पसंद बनाता है। इस साझेदारी पर बात करते हुए, स्पॉटिफाय इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर अमरजीत बत्रा ने कहा, संगीत लाखों भारतीयों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी का अभिन्न हिस्सा है, चाहे वे कहीं आ-जा रहे हों, वर्कआउट कर रहे हों या आराम कर रहे हों। भारत में वी के साथ अपनी तरह की पहली टेलीकॉम साझेदारी के ज़रिए, हम देश भर में संगीत और पॉडकास्ट पसंद करने वालों के लिए स्पॉटिफाय प्रीमियम को सुलभ बना रहे हैं और वी के अधिक से अधिक यूज़र्स को प्रीमियम स्ट्रीमिंग का अनुभव पाने में मदद कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर जिले भर में चलाया गया जागरूकता अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले में जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न शैक्षणिक, खेल, स्वास्थ्य एवं सामाजिक संस्थानों में व्यापक जन जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा विशेष रूप से युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था। जिलाधिकारी छिरिड वाई भूटिया ने अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है जो व्यक्ति, परिवार और समाज को नैतिक एवं सामाजिक पतन की ओर ले जाती है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वस्थ जीवन शैली अपनाते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ। पूनम कुमारी, सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के नेतृत्व में जिले के विभिन्न संस्थानों में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। युवा खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों ने नशामुक्ति की शपथ ली। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भी युवाओं एवं आम नागरिकों ने अभियान के प्रति अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया। इसी क्रम में डॉ.भीमराव अंबेडकर बालिका आवासीय छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों छात्राओं ने स्वयं, अपने परिवार एवं समाज को नशे की लत से दूर रखने का संकल्प लिया तथा नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने का विश्वास व्यक्त किया। अधीक्षक सदर अस्पताल के नेतृत्व में नशा मुक्ति की शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया

शांति सौहार्द और राष्ट्रभक्ति का संदेश देता मुहर्रम जुलूस, प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद

नई सोच एक्सप्रेस

» एसडीएम डीएसपी सीओ बीडीओ थाना अध्यक्ष समेत पुलिस बल रहे मौजूद

मधुबनी/बिहार।जयनगर क्षेत्र में मुहर्रम पर्व को लेकर क्षेत्र में मुस्लिम समुदायों के लोगों के द्वारा तिरंगा के साथ जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या मे बच्चों युवाओ युवतियो महिलाओं ने भाग लिया। शहरी क्षेत्र में थाना टोला, भेलवा टोला, राजपुताना मुहल्ला, छपकी टोला और बलडिहा , इस्लामपुर समेत अन्य अखाड़ो में कमिटी शहरी और गांव के मुस्लिम समुदाय के लोगो ने जुलूस के माध्यम से हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई पर एकता का प्रतिक को देशभक्ति अंदाज में निखारने का काम किया तो सारे जहा से हिंदुस्तान हमारा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, विश्व शक्ति में उभड़ता भारत,भारत की शक्ति को उभारने का काम किया गया महिला सुरक्षा महिला सशक्तिकरण महंगाई समेत कई झांकिया जागरूकता का संदेश देते हुए आकर्षण का केंद्र बना रहा। जुलूस में मुस्लिम समुदाय के साथ हिन्दू समुदाय के लोगों ने भी भाग लेकर कौमी एकता का परिचय दिया।विभिन्न अखाड़े के कमिटियों के द्वारा कई झांकीया निकाली गई और नफरत को मिटा कर आपसी भाई चारे विश्व मे शांति का पैगाम देने को दर्शाया गया । कई अखाड़ा के झांकी में अनेकता में एकता तिरंगा को प्राथमिकता दी गयी। झांकी के माध्यम से सभी को शिक्षा मिले और शिक्षित समाज हो का सन्देश दिया। जबकि स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी चिकित्सको की भुमिका भी दिखाई गई है। नशा पान नहीं करने की भी अपील झांकी के माध्यम से दी गई। जुलूस के दौरान जगह जगह चपे चपे पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी जुलश के साथ पुलिस प्रशासन की टीम भी साथ चल रही थी। विभिन्न अखाड़ा से निकलने वाले जुलूस में एसडीएम दीपक कुमार कुमार, डीएसपी सदानंद कुमार, बीडीओ राजीव रंजन कुमार, सीओ अखिलेश चौधरी, थाना अध्यक्ष रमन कुमार समेत थाना के पुलिस पदाधिकारी के निगरानी में भारी संख्या में सुरक्षा को लेकर मजिस्ट्रेट पुलिस बल एवं एसएसबी बल तैनात किया गया था।

हयात का ब्रांड एक्सप्लोरर अवॉर्ड लॉन्च, पांच अलग-अलग ब्रांडों में ठहरने पर मिलेगा फ्री नाइट स्टे

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।लग्ज़री रिट्रीट्स से लेकर लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन और रोजमर्रा के प्रवास को बेहतर बनाने वाले होटलों तक, हयात ने एशिया प्रशांत क्षेत्र में अपने विविध ब्रांड पोर्टफोलियो को खोजने और इसके साथ आकर्षक पुरस्कार पाने के लिए यात्रियों को आमंत्रित किया है। हयात एशिया पैसिफिक में ब्रांड एवं मार्केटिंग की उपाध्यक्ष टैमी एनजी ने कहा, ब्रांड एक्सप्लोरर अवॉर्ड केवल वर्ल्ड ऑफ हयात कार्यक्रम का हिस्सा है और इसे मेहमानों को हमारे विभिन्न ब्रांडों के अनूठे अनुभवों से परिचित कराने के लिए तैयार किया गया है। चाहे यात्रा अवकाश के लिए हो, व्यवसाय के लिए या किसी विशेष अवसर के लिए, मेहमान वर्ल्ड ऑफ हयात के 36 विशिष्ट ब्रांडों में से अपनी पसंद के अनुसार चयन कर सकते हैं, जिनमें एशिया प्रशांत क्षेत्र के 17 ब्रांड शामिल हैं। वर्ल्ड ऑफ हयात ब्रांड एक्सप्लोरर अवॉर्ड के तहत सदस्य हयात के पांच अलग-अलग ब्रांडों में ठहरने पर कैटेगरी 1–4 होटल में एक फ्री नाइट अवॉर्ड अर्जित कर सकते हैं। सदस्य अपनी सदस्यता की पूरी अवधि में हर पांच नए हयात ब्रांडों का अनुभव लेकर अतिरिक्त फ्री नाइट अवॉर्ड भी प्राप्त कर सकते हैं।

एकमा में मुहर्रम का जुलूस शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।एकमा प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को मुहर्रम का जुलूस शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के वातावरण में निकाला गया। जुलूस में हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सांप्रदायिक एकता की मिसाल पेश की। ताजिया को कंधा देने से लेकर जुलूस और पारंपरिक खेलों में दोनों समुदायों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कई स्थानों पर तिरंगा लहराते हुए लोग देशभक्ति का संदेश भी देते नजर आए। इस अवसर पर सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि मुहर्रम इस्लामी हिजरी संवत का पहला महीना है। इसी महीने इमाम हुसैन ने सत्य, न्याय और मानवता की रक्षा के लिए कर्बला में सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनकी शहादत की स्मृति में ताजिया बनाया जाता है और जुलूस निकाला जाता है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के तहत लोग अपनी मन्नत पूरी होने पर ताजिया बनवाते हैं। वहीं विभिन्न समुदायों के लोग अपने बच्चों और युवाओं को हुसैनी सैनिक के प्रतीक स्वरूप सजाकर इमामबाड़ों का भ्रमण कराते हुए कर्बला तक ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि मुहर्रम का संदेश त्याग, सत्य, इंसानियत और भाईचारे का है, जिसे सभी समुदाय मिलकर आगे बढ़ा रहे हैं। पूरे जुलूस के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुए आयोजन ने एक बार फिर क्षेत्र की गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का संदेश दिया।

मोहर्रम पर शांति-सुरक्षा का संदेश, एसपी ने निकाला फ्लैग मार्च

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।मोहर्रम पर्व के अवसर पर जिले में शांति, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार, 26 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक, मधुबनी के नेतृत्व में मधेपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थलो एवं प्रमुख मार्गो पर फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च में पुलिस पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल रहे। मार्च के दौरान संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा आम नागरिको में सुरक्षा का विश्वास कायम करने का संदेश दिया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने लोगो से मोहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील करते हुए शांति समिति के दिशा-निर्देशो का पालन करने का आग्रह किया। उन्होने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दे तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अप्रिय घटना की सूचना तत्काल स्थानीय थाना या पुलिस को दें।जिला पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मोहर्रम पर्व को लेकर जिलेभर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ लगातार गश्ती एवं निगरानी की जा रही है, ताकि पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

आपातकाल : जब लोकतंत्र की आवाज़ पर लगा था ताला, और जनता ने फिर खोला दरवाज़ा

आरती कुमारी

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून 1975 की रात एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज है, जिसे केवल एक संवैधानिक या राजनीतिक घटना कहकर नहीं समझा जा सकता। यह वह समय था जब देश में संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल लागू किया गया और इसके साथ ही नागरिकों के अनेक मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए। लगभग 21 महीने तक चले इस दौर ने केवल शासन व्यवस्था को नहीं बदला, बल्कि भारतीय समाज की सोच, लोकतांत्रिक चेतना और नागरिक अधिकारों की समझ को भी गहराई से प्रभावित किया।

आज, जब देश अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों पर लगातार चर्चा करता है, तब आपातकाल को केवल इतिहास की घटना के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और लोकतंत्र की परीक्षा के रूप में समझना अधिक आवश्यक है।

आपातकाल का सबसे बड़ा प्रभाव आम नागरिक के मन पर पड़ा। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत होती है कि नागरिक बिना भय के अपनी बात कह सके, सरकार की आलोचना कर सके और अपने अधिकारों का प्रयोग कर सके। लेकिन उस समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर व्यापक प्रतिबंध लगाए गए। प्रेस सेंसरशिप लागू हुई और समाचार पत्रों की सामग्री सरकारी अनुमति के बाद ही प्रकाशित की जा सकती थी। कई अखबारों ने विरोध स्वरूप अपने संपादकीय कॉलम खाली छोड़ दिए, जो आज भी लोकतांत्रिक संघर्ष का प्रतीक माने जाते हैं।

उस दौर में राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और हजारों नागरिकों को विभिन्न कानूनों के तहत गिरफ्तार किया गया। समाज में ऐसा वातावरण बन गया, जहाँ लोग सार्वजनिक स्थानों पर खुलकर चर्चा करने से भी हिचकिचाने लगे। भय का यह माहौल लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती था, क्योंकि लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं, बल्कि विचारों के मुक्त आदान-प्रदान की व्यवस्था भी है।

आपातकाल के समर्थक अक्सर यह तर्क देते हैं कि उस समय प्रशासनिक व्यवस्था अधिक अनुशासित दिखाई देती थी।सरकारी कार्यालय समय पर खुलते थे, ट्रेनों की समयपालन व्यवस्था बेहतर बताई जाती थी और प्रशासनिक सख्ती देखने को मिलती थी। लेकिन यह प्रश्न आज भी प्रासंगिक है कि क्या भय के वातावरण में पैदा हुआ अनुशासन स्थायी और स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार बन सकता है?

इतिहास बताता है कि जब नागरिकों के अधिकार सीमित हो जाते हैं और शासन जवाबदेही से दूर हो जाता है, तब प्रशासनिक मनमानी की आशंका बढ़ जाती है। इसी दौर में जबरन नसबंदी अभियान और कई अन्य सरकारी कार्रवाइयों ने समाज के कमजोर वर्गों में गहरा असंतोष और भय पैदा किया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि विकास और अनुशासन तभी सार्थक हैं, जब वे नागरिकों की सहमति, सम्मान और संवैधानिक अधिकारों के साथ आगे बढ़ें।

आपातकाल का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसने भारतीय लोकतंत्र की मजबूती को भी सिद्ध किया। 1977 में जब आम चुनाव हुए, तब जनता ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए सत्ता परिवर्तन कर दिया। यह विश्व इतिहास की उन दुर्लभ घटनाओं में से एक है, जहाँ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से नागरिकों ने स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के पास ही होती है।

इस घटना ने यह भी साबित किया कि भारतीय मतदाता केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर भी निर्णय लेने की क्षमता रखते हैं। साधारण नागरिकों ने अपने वोट के माध्यम से यह दिखा दिया कि लोकतंत्र में कोई भी सत्ता जनता से बड़ी नहीं हो सकती।

आज का भारत डिजिटल युग में प्रवेश कर चुका है। सूचना के अनेक माध्यम उपलब्ध हैं और संवाद के स्वरूप बदल चुके हैं। ऐसे समय में आपातकाल का इतिहास हमें यह याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या संस्थाएँ ही नहीं करतीं, बल्कि जागरूक नागरिक भी करते हैं। असहमति का सम्मान, स्वतंत्र पत्रकारिता, निष्पक्ष न्यायपालिका, जवाबदेह शासन और सक्रिय नागरिक समाज—ये सभी लोकतंत्र के अनिवार्य स्तंभ हैं।

लोकतंत्र का अर्थ केवल सरकार चुनना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संवैधानिक मूल्यों की निरंतर रक्षा करना भी है। जब भी किसी समाज में विचारों की विविधता सीमित होने लगे या असहमति को संदेह की दृष्टि से देखा जाने लगे, तब इतिहास के ऐसे अध्याय हमें सजग रहने की प्रेरणा देते हैं।

आपातकाल का अध्याय भारतीय लोकतंत्र के लिए एक कठिन परीक्षा था। इसने यह सिखाया कि स्वतंत्रता का मूल्य तभी समझ में आता है, जब उसके अभाव का अनुभव हो। इसलिए यह इतिहास केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए एक लोकतांत्रिक चेतावनी भी है।

भारत का लोकतंत्र अनेक चुनौतियों से गुजरते हुए आज भी मजबूत बना हुआ है। इसकी सबसे बड़ी वजह संविधान पर विश्वास और नागरिकों की लोकतांत्रिक चेतना है। यही चेतना भविष्य में भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा रहेगी। लोकतंत्र की रक्षा किसी एक दल, नेता या संस्था का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। यही आपातकाल के इतिहास का सबसे बड़ा और स्थायी संदेश है।

वेनेजुएला की त्रासदी तथा आपातकाल की काली स्मृति

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

मनुष्य का स्वभाव बड़ा विचित्र है। जब जीवन में कोई छोटी-बड़ी परेशानी आती है तो वह अक्सर यह सोचकर दुखी हो जाता है कि संसार का सबसे बड़ा दुःख उसी के हिस्से में आया है। उसे लगता है कि ईश्वर ने उसके साथ ही अन्याय किया है। किंतु जब वह अपने आसपास की दुनिया को देखता है, जब वह उन लोगों के जीवन में झांकता है जो उससे कहीं अधिक कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, तब उसे एहसास होता है कि ईश्वर की कृपा उस पर अपेक्षाकृत अधिक रही है। जीवन का यही सत्य हमें विनम्र बनाता है। अपनी पीड़ा बड़ी लगती है, लेकिन दुनिया में ऐसी अनगिनत घटनाएं घटती हैं जो मानव हृदय को झकझोर देती हैं। कई बार ऐसे दृश्य सामने आते हैं जिन्हें देखकर मन प्रश्न करता है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या वास्तव में प्रकृति इतनी कठोर हो सकती है? क्या निर्दोष लोगों का इतना बड़ा दुःख किसी नियति का हिस्सा हो सकता है? आज ऐसा ही प्रश्न वेनेजुएला के लाखों लोग ईश्वर से पूछ रहे होंगे। दक्षिण अमेरिका का यह देश लंबे समय से आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों का सामना करता रहा है, लेकिन प्रकृति के प्रकोप के सामने कोई भी तैयारी पर्याप्त नहीं होती। राजधानी काराकस में जब लोग अपने दैनिक कार्यों से लौट रहे थे, परिवारों से मिलने की उम्मीद में घरों की ओर बढ़ रहे थे, तब शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि कुछ ही क्षणों में उनकी दुनिया बदल जाएगी। कहा जाता है कि आपदा आने से पहले प्रकृति कोई चेतावनी नहीं देती। एक मिनट के भीतर आए दो भीषण भूकंपों ने जिस प्रकार तबाही मचाई, उसने हजारों परिवारों को उजाड़ दिया। इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं, सड़कें फट गईं, संचार व्यवस्था ठप हो गई और देखते ही देखते पूरा क्षेत्र चीख-पुकार से भर गया। जो लोग कुछ क्षण पहले अपने भविष्य की योजनाएं बना रहे थे, वे अचानक जीवन और मृत्यु के संघर्ष में फंस गए। प्राकृतिक आपदाएं केवल भवनों को नहीं गिराती, वे सपनों को भी तोड़ देती है। किसी का पिता चला जाता है, किसी की मां, किसी का बेटा, किसी की बेटी। एक ही क्षण में वर्षों की मेहनत और उम्मीदें मलबे में बदल जाती है। ऐसे समय में आंकड़े केवल संख्या बनकर रह जाते हैं। समाचारों में हजारों मृतकों का उल्लेख किया जाता है, लेकिन प्रत्येक संख्या के पीछे एक पूरा जीवन, एक पूरा परिवार और अनगिनत यादें होती हैं। वेनेजुएला की इस त्रासदी ने पूरी दुनिया को यह याद दिलाया है कि विज्ञान और तकनीक की अभूतपूर्व प्रगति के बावजूद मनुष्य अभी भी प्रकृति के सामने सीमित है। हमने अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित कर ली, महासागरों की गहराइयों को माप लिया, लेकिन धरती के भीतर छिपी ऊर्जा का संपूर्ण अनुमान आज भी संभव नहीं है। यह घटना मानव सभ्यता के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश भी है। आधुनिक शहरों का विकास जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक है आपदा प्रबंधन की मजबूत व्यवस्था। भूकंपरोधी निर्माण, त्वरित राहत तंत्र, प्रभावी चेतावनी प्रणाली और नागरिकों में जागरूकता ऐसी आपदाओं के प्रभाव को कम कर सकती है। विकास केवल ऊंची इमारतों का नाम नहीं है; विकास वह क्षमता है जिससे समाज संकट की घड़ी में स्वयं को संभाल सके। दुनिया के अनेक देशों ने प्राकृतिक आपदाओं से सीखकर अपनी व्यवस्थाओं को मजबूत बनाया है। जापान इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। वहां भूकंप अक्सर आते हैं, लेकिन सुदृढ़ तकनीक और अनुशासित नागरिक व्यवस्था के कारण जनहानि अपेक्षाकृत कम होती है। यह दिखाता है कि प्रकृति को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उसके प्रभाव को सीमित अवश्य किया जा सकता है। वेनेजुएला की इस त्रासदी के बीच एक और ऐतिहासिक स्मृति आज भारतीयों के मन में ताजा हो जाती है। यह स्मृति प्रकृति द्वारा नहीं, बल्कि सत्ता द्वारा दिए गए घाव की है। आज का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक ऐसे अध्याय की याद दिलाता है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। लगभग पांच दशक पहले इसी दिन देश पर आपातकाल थोपा गया था। यह वह समय था जब लोकतंत्र की आत्मा को कैद करने का प्रयास किया गया। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी गई, विपक्षी नेताओं को जेलों में डाल दिया गया, समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लगा दी गई और नागरिक अधिकारों पर व्यापक प्रतिबंध लगाए गए। भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए लंबा संघर्ष किया था। लाखों लोगों ने बलिदान दिए थे ताकि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित हो सके। लेकिन आपातकाल के दौरान सत्ता के केंद्रीकरण ने यह दिखा दिया कि लोकतंत्र केवल संविधान की पुस्तकों में लिखे शब्दों से सुरक्षित नहीं रहता। उसकी रक्षा के लिए जागरूक नागरिक, स्वतंत्र न्यायपालिका, निष्पक्ष मीडिया और मजबूत संस्थाओं की आवश्यकता होती है। आपातकाल भारतीय राजनीति के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने देश को लोकतंत्र के मूल्य का वास्तविक अर्थ समझाया। जब स्वतंत्रता सीमित होती है, तभी उसकी महत्ता का सही अनुभव होता है। जब बोलने का अधिकार छिनता है, तभी अभिव्यक्ति की शक्ति का महत्व समझ में आता है। जब विरोध करने वालों को दबाया जाता है, तभी लोकतांत्रिक असहमति की आवश्यकता स्पष्ट होती है। भारत का सौभाग्य रहा कि लोकतांत्रिक चेतना अंततः विजयी हुई। जनता ने अपने मताधिकार के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता में निहित होती है। यही कारण है कि आपातकाल आज केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक चेतावनी के रूप में याद किया जाता है। यदि हम वेनेजुएला की प्राकृतिक त्रासदी और भारत के आपातकाल की ऐतिहासिक स्मृति को साथ रखकर देखें, तो एक गहरा संदेश सामने आता है। एक ओर प्रकृति का प्रहार है, जो मानव नियंत्रण से बाहर है। दूसरी ओर सत्ता का दुरुपयोग है, जिसे मनुष्य स्वयं रोक सकता है। दोनों ही परिस्थितियों में सबसे अधिक पीड़ा आम नागरिक को ही झेलनी पड़ती है। समाज की वास्तविक शक्ति संकटों के समय में दिखाई देती है। चाहे भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा हो या लोकतांत्रिक संस्थाओं पर संकट, अंततः लोगों की एकता, साहस और जागरूकता ही पुनर्निर्माण का आधार बनती है। इतिहास गवाह है कि मानव समाज ने अनेक बार विनाश का सामना किया है और हर बार नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ा है। आज जब हम वेनेजुएला के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं, तब हमें यह भी याद रखना चाहिए कि जीवन अनिश्चित है। सुख और दुःख दोनों अस्थायी हैं। जो हमारे पास है, उसके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए और जो पीड़ा में हैं, उनके प्रति संवेदनशील। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वेनेजुएला के लोगों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति मिले। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उन्हें संबल मिले। राहत और पुनर्वास कार्य शीघ्रता से सफल हों और देश पुनः सामान्य जीवन की ओर लौट सके। साथ ही, भारतीय लोकतंत्र के लिए भी यह दिन आत्ममंथन का अवसर है। हमें उन मूल्यों को मजबूत करना होगा जिन पर हमारा गणतंत्र खड़ा है- स्वतंत्रता, न्याय, समानता और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व। क्योंकि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सेना, उसकी अर्थव्यवस्था या उसकी तकनीक नहीं, बल्कि उसके नागरिकों का विश्वास और उसकी संस्थाओं की मजबूती होती है। प्रकृति का प्रहार हमें हमारी सीमाएं याद दिलाता है, जबकि इतिहास की गलतियां हमें हमारी जिम्मेदारियां समझाती हैं। इन दोनों से सीख लेकर ही हम एक अधिक सुरक्षित, संवेदनशील और लोकतांत्रिक भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

वायरल होने की सनक या व्यक्तित्व का पतन? : लाइक, कमेंट और फॉलोअर्स की अंधी दौड़ में भटकती युवा शक्ति

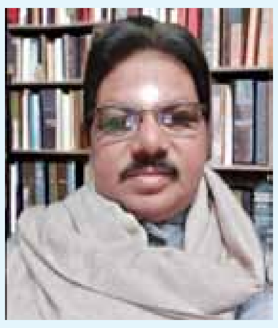
आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी

कटिहार, बिहार। मानव सभ्यता का इतिहास इस बात का साक्षी है कि प्रत्येक वैज्ञानिक आविष्कार ने मानव जीवन को नई दिशा और नई गति प्रदान की है। पहिए के आविष्कार से लेकर मुद्रण कला, रेडियो, टेलीविजन, कंप्यूटर और इंटरनेट तक प्रत्येक तकनीकी परिवर्तन ने समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इक्कीसवीं सदी में यदि किसी तकनीक ने मानव जीवन, सामाजिक व्यवहार, आर्थिक गतिविधियों, राजनीतिक विमर्श, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और व्यक्तिगत जीवन को सबसे अधिक प्रभावित किया है, तो वह निस्संदेह सोशल मीडिया है। आज संसार का कोई भी कोना दूसरे कोने से केवल कुछ सेकंड की दूरी पर है। ज्ञान का आदान-प्रदान, व्यापार का विस्तार, शिक्षा का प्रसार, सामाजिक जागरूकता, जनसंपर्क, रोजगार के अवसर, कला और प्रतिभा का प्रदर्शन—इन सभी क्षेत्रों में सोशल मीडिया ने अभूतपूर्व संभावनाएँ खोली हैं। किन्तु इतिहास यह भी बताता है कि कोई भी तकनीक स्वयं न तो वरदान होती है और न अभिशाप। उसका स्वरूप इस बात पर निर्भर करता है कि मनुष्य उसका उपयोग किस उद्देश्य से करता है। परमाणु ऊर्जा बिजली भी बना सकती है और विनाश भी कर सकती है। चाकू फल भी काट सकता है और किसी को घायल भी कर सकता है। ठीक उसी प्रकार सोशल मीडिया भी समाज निर्माण का सबसे शक्तिशाली माध्यम बन सकता है और समाज को भ्रम, तनाव तथा आत्मविनाश की दिशा में भी ले जा सकता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया के सामने सबसे बड़ी चिंता यही है कि सोशल मीडिया का उपयोग अब धीरे-धीरे ज्ञान और संवाद के बजाय लोकप्रियता की अंधी दौड़ का माध्यम बनता जा रहा है। आज एक नया सामाजिक रोग जन्म ले चुका है, जिसे मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्री अलग-अलग नाम देते हैं, पर सामान्य भाषा में इसे "लाइक, कमेंट और फॉलोअर्स का सिंड्रोम" कहा जा सकता है। यह वह मानसिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति अपने वास्तविक व्यक्तित्व, उपलब्धियों और सामाजिक योगदान से अधिक डिजिटल प्रतिक्रिया को महत्व देने लगता है। उसे यह लगने लगता है कि उसके जीवन का मूल्य इस बात से तय होगा कि उसकी पोस्ट पर कितने लाइक आए, उसकी रील को कितने व्यूज़ मिले और उसके कितने फॉलोअर्स हैं। धीरे-धीरे यह मानसिकता व्यक्ति की सोच, उसके आत्मविश्वास, उसके व्यवहार और उसके जीवन के उद्देश्य तक को प्रभावित करने लगती है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आज की युवा पीढ़ी का एक हिस्सा वास्तविक उपलब्धियों की अपेक्षा आभासी लोकप्रियता को सफलता का पर्याय मानने लगा है। कभी समाज में सम्मान वर्षों के परिश्रम, ईमानदारी, ज्ञान, चरित्र और समाज सेवा से अर्जित होता था। आज कुछ लोग कुछ सेकंड की वायरल रील से वही सम्मान प्राप्त कर लेने का भ्रम पाल बैठे हैं। यह भ्रम जितना आकर्षक दिखाई देता है, उतना ही खतरनाक भी है। क्योंकि वायरल होने की अवधि बहुत छोटी होती है, जबकि चरित्र और प्रतिष्ठा जीवन भर साथ रहते हैं। यही मानसिकता आज अनेक युवाओं को ऐसे जोखिम उठाने के लिए प्रेरित कर रही है, जिनकी कल्पना भी कुछ वर्ष पहले नहीं की जा सकती थी। रेलवे ट्रैक पर नृत्य करते हुए वीडियो बनाना, तेज़ गति से मोटरसाइकिल चलाते हुए स्टंट करना, चलती ट्रेन के सामने खड़े होकर सेल्फी लेना, ऊँची इमारतों की छतों पर बिना सुरक्षा के वीडियो शूट करना, पहाड़ों, नदियों और खतरनाक घाटियों में जान जोखिम में डालकर रील बनाना—यह सब केवल कुछ सेकंड की डिजिटल प्रसिद्धि के लिए किया जा रहा है। इन घटनाओं में अनेक युवाओं ने अपनी जान गंवाई है। हर वायरल वीडियो के पीछे एक ऐसा परिवार भी होता है, जिसकी दुनिया हमेशा के लिए उजड़ जाती है। कोई माता-पिता अपना इकलौता बेटा खो देते हैं, कोई बहन अपने भाई को, कोई पत्नी अपने पति को और कोई बच्चा अपने पिता को। लेकिन सोशल मीडिया पर कुछ दिन चर्चा होने के बाद दुनिया आगे बढ़ जाती है, जबकि उस परिवार का जीवन वहीं ठहर जाता है। प्रश्न यह नहीं है कि सोशल मीडिया गलत है। प्रश्न यह है कि क्या हम सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं, या सोशल मीडिया हमारे विचारों, हमारी भावनाओं और हमारे निर्णयों को नियंत्रित करने लगा है? यदि किसी व्यक्ति का आत्मविश्वास इस बात पर निर्भर करने लगे कि उसकी पोस्ट पर कितने लाइक आए हैं, तो यह केवल तकनीकी नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक समस्या है। यदि किसी युवक को अपने परिवार से अधिक चिंता अपने फॉलोअर्स की होने लगे, तो यह सामाजिक संकट है। और यदि कोई अपनी जान जोखिम में डालकर कुछ सेकंड की प्रसिद्धि चाहता है, तो यह राष्ट्रीय चिंता का विषय है। सोशल मीडिया की सफलता का सबसे बड़ा आधार मानव मनोविज्ञान है। आधुनिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म इस प्रकार बनाए गए हैं कि वे उपयोगकर्ता को अधिक से अधिक समय तक अपने साथ जोड़े रखें। हर नोटिफिकेशन, हर नया लाइक, हर कमेंट और हर शेयर व्यक्ति के भीतर उत्सुकता उत्पन्न करता है। मनोविज्ञान के विशेषज्ञ बताते हैं कि जब किसी पोस्ट पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती है, तो मस्तिष्क में डोपामिन नामक रसायन का स्राव होता है, जिससे क्षणिक आनंद की अनुभूति होती है। यही अनुभव बार-बार पाने की इच्छा व्यक्ति को बार-बार मोबाइल खोलने के लिए प्रेरित करती है। धीरे-धीरे यह आदत एक प्रकार की डिजिटल निर्भरता का रूप ले लेती है। आज अनेक युवाओं का दिन मोबाइल स्क्रीन से शुरू होता है और उसी पर समाप्त होता है। जागते ही सबसे पहले यह देखना कि कितने नए संदेश आए, कितने नए फॉलोअर्स जुड़े और किस पोस्ट पर कितनी प्रतिक्रिया मिली—यह एक सामान्य दिनचर्या बनती जा रही है। यदि अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो निराशा होती है; यदि किसी दूसरे की लोकप्रियता अधिक दिखाई देती है, तो तुलना शुरू हो जाती है। यही तुलना धीरे-धीरे हीनभावना, मानसिक तनाव, अवसाद और आत्मसम्मान में कमी का कारण बनती है। यही वह बिंदु है जहाँ सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का साधन नहीं रहता, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य का विषय बन जाता है। समाज को इस परिवर्तन को गंभीरता से समझना होगा, क्योंकि आज का युवा केवल डिजिटल दुनिया में नहीं जी रहा, बल्कि उसी के आधार पर स्वयं का मूल्यांकन भी करने लगा है। और जब आत्ममूल्यांकन का आधार वास्तविक उपलब्धियों के बजाय आभासी प्रतिक्रियाएँ बन जाएँ, तब व्यक्ति का संतुलन डगमगाना स्वाभाविक है। ...समाजशास्त्रियों का मानना है कि किसी भी राष्ट्र की दिशा का अनुमान उसकी युवा पीढ़ी की प्राथमिकताओं से लगाया जा सकता है। यदि युवा ज्ञान, अनुसंधान, कौशल, नवाचार और राष्ट्र निर्माण को अपना लक्ष्य बनाते हैं, तो वह राष्ट्र विश्व में नेतृत्व करता है। लेकिन यदि वही युवा क्षणिक लोकप्रियता, दिखावे और आभासी प्रशंसा की दौड़ में उलझ जाएँ, तो उसकी ऊर्जा का बड़ा भाग निष्फल प्रतिस्पर्धा में व्यर्थ हो जाता है। यही कारण है कि आज सोशल मीडिया का प्रश्न केवल व्यक्तिगत आदत का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय उत्पादकता और भविष्य का प्रश्न भी बन गया है। सोशल मीडिया का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव शिक्षा के क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। आज विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत बड़ी संख्या में विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ मोबाइल स्क्रीन पर इतना समय व्यतीत कर रहे हैं कि उनकी एकाग्रता, स्मरण शक्ति और विश्लेषण क्षमता प्रभावित होने लगी है। पहले पुस्तकें ज्ञान का प्रमुख स्रोत थीं, अब छोटे-छोटे वीडियो अनेक युवाओं के लिए सूचना का मुख्य माध्यम बनते जा रहे हैं। परिणाम यह हुआ है कि गहन अध्ययन की संस्कृति कमजोर पड़ रही है। पाँच सौ पृष्ठों की पुस्तक पढ़ने का धैर्य कम होता जा रहा है, जबकि पंद्रह सेकंड की रील देखने की आदत बढ़ती जा रही है। यह परिवर्तन केवल पढ़ाई की शैली नहीं बदल रहा, बल्कि सोचने की क्षमता को भी प्रभावित कर रहा है। आज अनेक शिक्षक यह अनुभव करते हैं कि विद्यार्थी लंबे समय तक किसी विषय पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। पढ़ाई के बीच लगातार मोबाइल देखना, नोटिफिकेशन की प्रतीक्षा करना और बार-बार सोशल मीडिया पर लौटना एक सामान्य व्यवहार बन चुका है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो आने वाले वर्षों में ज्ञान आधारित प्रतिस्पर्धा में हमारी युवा पीढ़ी को कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। परिवार भी इस परिवर्तन से अछूता नहीं है। कभी परिवार के सदस्य एक साथ बैठकर दिनभर की बातें करते थे, अनुभव साझा करते थे और पीढ़ियों के बीच संवाद होता था। आज अनेक घरों में सभी सदस्य एक ही कमरे में बैठे होते हैं, लेकिन प्रत्येक व्यक्ति अपनी-अपनी मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहता है। संवाद की जगह डिजिटल संदेशों ने ले ली है। यह स्थिति केवल पारिवारिक निकटता को ही नहीं, बल्कि भावनात्मक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। जिस बच्चे को परिवार में पर्याप्त संवाद, स्नेह और मार्गदर्शन नहीं मिलता, वह अक्सर आभासी दुनिया में स्वीकृति और पहचान खोजने लगता है। सोशल मीडिया ने तुलना की प्रवृत्ति को भी अभूतपूर्व रूप से बढ़ाया है। पहले व्यक्ति अपने पड़ोस या परिचित लोगों से तुलना करता था, लेकिन अब वह दुनिया के लाखों लोगों से अपनी तुलना करता है। किसी की महँगी कार, किसी का विदेशी पर्यटन, किसी का आलीशान घर, किसी की विलासितापूर्ण जीवनशैली और किसी की वायरल प्रसिद्धि देखकर अनेक युवाओं को यह भ्रम होने लगता है कि वे पीछे रह गए हैं। वे यह नहीं समझ पाते कि सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली अधिकांश सामग्री वास्तविक जीवन का संपूर्ण चित्र नहीं होती, बल्कि उसका चयनित और आकर्षक हिस्सा होती है। इस कारण हीनभावना, असंतोष और मानसिक तनाव बढ़ने लगता है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि निरंतर तुलना व्यक्ति के आत्मविश्वास को कमजोर करती है। जब किसी युवा को अपेक्षित लाइक नहीं मिलते, उसकी पोस्ट पर कम प्रतिक्रिया आती है या उसकी रील वायरल नहीं होती, तो वह स्वयं को कमतर समझने लगता है। कई मामलों में यह स्थिति चिंता, अवसाद, अकेलेपन और सामाजिक अलगाव तक पहुँच जाती है। इसलिए आज मानसिक स्वास्थ्य और सोशल मीडिया के संबंध पर गंभीर चर्चा की आवश्यकता है। डिजिटल युग की एक और बड़ी चुनौती साइबर अपराधों का बढ़ता स्वरूप है। इंटरनेट ने सुविधाएँ बढ़ाई हैं, लेकिन उसके साथ अपराध के नए रूप भी सामने आए हैं। फर्जी प्रोफ़ाइल बनाकर धोखाधड़ी करना, बैंक खातों से ऑनलाइन ठगी, साइबर बुलिंग, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, ब्लैकमेलिंग, पहचान की चोरी, फर्जी निवेश योजनाएँ और डिजिटल ठगी जैसी घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आगमन के बाद डीपफेक जैसी तकनीकों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। अब किसी व्यक्ति की आवाज़ और चेहरे का दुरुपयोग कर झूठे वीडियो तैयार किए जा सकते हैं, जिससे व्यक्तिगत प्रतिष्ठा, सामाजिक विश्वास और लोकतांत्रिक संवाद—तीनों प्रभावित हो सकते हैं। इसी कारण डिजिटल साक्षरता अब केवल मोबाइल या कंप्यूटर चलाना सीखने का विषय नहीं रह गई है। आज प्रत्येक नागरिक को यह भी सीखना होगा कि कौन-सी सूचना विश्वसनीय है, कौन-सी भ्रामक है, किस लिंक पर क्लिक करना सुरक्षित है, अपनी निजी जानकारी की रक्षा कैसे करनी है और साइबर अपराध से स्वयं को कैसे बचाना है। डिजिटल दुनिया में सावधानी भी उतनी ही आवश्यक है जितनी वास्तविक जीवन में सड़क पार करते समय होती है। यही कारण है कि आज आवश्यकता केवल तकनीकी विकास की नहीं, बल्कि डिजिटल संस्कृति के निर्माण की है। यदि तकनीक आगे बढ़े और नैतिकता पीछे रह जाए, तो विकास अधूरा रह जाता है। इसलिए विद्यालयों में डिजिटल नैतिकता, साइबर सुरक्षा और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को यह सिखाया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया प्रसिद्धि का मंच भर नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का भी मंच है। सरकार, समाज, परिवार, शिक्षण संस्थान और स्वयं सोशल मीडिया कंपनियाँ—सभी की साझा जिम्मेदारी है कि युवाओं को सकारात्मक डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराया जाए। कानून आवश्यक हैं, लेकिन केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं। जागरूकता, संवाद, शिक्षा और आत्मानुशासन ही इस चुनौती का स्थायी समाधान बन सकते हैं। ...आज आवश्यकता केवल इस बात की नहीं है कि हम सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त करें, बल्कि यह भी है कि हम उसके सकारात्मक उपयोग की एक नई सामाजिक संस्कृति विकसित करें। किसी भी समस्या का समाधान निषेध में नहीं, बल्कि सही दिशा में होता है। जिस प्रकार सड़क दुर्घटनाओं का समाधान सड़कें बंद कर देना नहीं, बल्कि यातायात नियमों का पालन करना है, उसी प्रकार सोशल मीडिया की चुनौतियों का समाधान उसे छोड़ देना नहीं, बल्कि उसका विवेकपूर्ण और उत्तरदायी उपयोग करना है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि सोशल मीडिया आने वाले समय का सबसे प्रभावशाली माध्यम बना रहेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आभासी वास्तविकता (Virtual Reality), डिजिटल अर्थव्यवस्था और ऑनलाइन शिक्षा के विस्तार के साथ इसका प्रभाव और बढ़ेगा। ऐसे में युवाओं को इससे दूर रखना न तो संभव है और न ही व्यावहारिक। आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें यह सिखाया जाए कि सोशल मीडिया का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल, रोजगार, उद्यमिता और सामाजिक नेतृत्व के लिए भी किया जा सकता है। आज अनेक ऐसे युवा हैं जिन्होंने सोशल मीडिया को शिक्षा का माध्यम बनाया है। कोई गणित पढ़ा रहा है, कोई विज्ञान को सरल बना रहा है, कोई भारतीय इतिहास और संस्कृति का प्रचार कर रहा है, कोई कृषि की नई तकनीकों की जानकारी दे रहा है, तो कोई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लाखों विद्यार्थियों की सहायता कर रहा है। अनेक डॉक्टर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैला रहे हैं, वैज्ञानिक नई खोजों को सरल भाषा में समझा रहे हैं, किसान आधुनिक खेती की तकनीक साझा कर रहे हैं और छोटे उद्यमी अपने उत्पादों को वैश्विक बाज़ार तक पहुँचा रहे हैं। यह सोशल मीडिया का वही उजला पक्ष है, जिसे अधिक प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। प्रश्न यह है कि समाज किसे अपना आदर्श बनाए? उस युवक को जो रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर अपनी जान जोखिम में डालता है, या उस छात्र को जो प्रतिदिन लाखों विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराता है? उस व्यक्ति को जो अश्लीलता और विवाद के माध्यम से लोकप्रिय होता है, या उस युवा को जो अपने नवाचार से समाज की समस्या का समाधान खोजता है? यह निर्णय केवल सरकार नहीं कर सकती; यह निर्णय समाज को करना होगा। समाज जिन लोगों को सम्मान देता है, अगली पीढ़ी उन्हीं का अनुसरण करती है। युवाओं को यह समझना होगा कि प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा में बहुत बड़ा अंतर होता है। प्रसिद्धि कभी-कभी संयोग से भी मिल जाती है, लेकिन प्रतिष्ठा केवल चरित्र, ज्ञान, परिश्रम और समाज के प्रति उत्तरदायित्व से अर्जित होती है। प्रसिद्धि क्षणिक होती है, प्रतिष्ठा पीढ़ियों तक जीवित रहती है। आज भी लोग इसलिए नहीं याद किए जाते कि उनके कितने अनुयायी थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने मानव समाज को क्या दिया। इतिहास उन लोगों को स्मरण करता है जिन्होंने विचार दिए, ज्ञान दिया, विज्ञान दिया, साहित्य दिया और राष्ट्र को नई दिशा दी। इतिहास ने कभी केवल लोकप्रियता को अमर नहीं बनाया। यह भी विचारणीय है कि आज की डिजिटल दुनिया ने समय के महत्व को भी बदल दिया है।

पहले समय का उपयोग अध्ययन, परिवार, खेल, पुस्तकालय, सामाजिक गतिविधियों और आत्मविकास में होता था। आज औसत युवा प्रतिदिन कई घंटे मोबाइल स्क्रीन पर व्यतीत कर देता है। यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन केवल तीन घंटे निरर्थक सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग में लगाता है, तो एक वर्ष में वह एक हजार घंटे से अधिक समय खो देता है। यही समय यदि किसी नई भाषा, किसी तकनीकी कौशल, किसी प्रतियोगी परीक्षा, किसी व्यवसाय, किसी पुस्तक या किसी शोध कार्य में लगाया जाए, तो उसका जीवन पूरी तरह बदल सकता है। समय ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूँजी है और वही सबसे अधिक अनदेखा भी किया जा रहा है। आज अभिभावकों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। केवल बच्चों को महँगा मोबाइल देना, तेज़ इंटरनेट उपलब्ध करा देना या नवीनतम गैजेट खरीद देना पर्याप्त नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा झूठ और दुष्प्रचार की राजनीति बंद करे : कांग्रेस

रांची। रिम्स के निदेशक डॉ. राजकुमार के इस्तीफे को लेकर भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों को कांग्रेस ने निराधार, मनगढ़ंत और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भाजपा के पास यदि भ्रष्टाचार या अवैध वसूली से संबंधित कोई प्रमाण है तो उसे सार्वजनिक करे अथवा जांच एजेंसी को सौंपे। कांग्रेस ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पार्टी ने भाजपा पर बिना तथ्यों के सनसनी फैलाने का आरोप लगाया। राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा अपने शासनकाल में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली पर जवाब देने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए निराधार आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक और किसानों के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के बयान दे रही है। कांग्रेस ने भाजपा से तथ्य आधारित विपक्ष की भूमिका निभाने तथा झूठ और दुष्प्रचार की राजनीति छोड़ने का आग्रह किया।

रिम्स निदेशक के इस्तीफे पर भाजपा ने स्वास्थ्य मंत्री पर लगाए गंभीर आरोप

रांची। रिम्स के निदेशक डॉ. राजकुमार के कार्यकाल समाप्त होने से पूर्व इस्तीफा देने के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा ने इस मामले में मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की मांग की है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने शुक्रवार को जारी बयान में आरोप लगाया कि डॉ. राजकुमार स्वास्थ्य विभाग में कथित अवैध वसूली की व्यवस्था में बाधा बन रहे थे, जिसके कारण उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और अंततः इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि डॉ. राजकुमार को पद से हटाने का प्रयास भी किया गया था, लेकिन माननीय उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद वे अपने पद पर बने रहे। रमाकांत महतो ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग में ईमानदार एवं दलित अधिकारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ. राजकुमार ने रिम्स की व्यवस्था में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए, लेकिन उनके कार्यों में लगातार हस्तक्षेप किया गया। भाजपा प्रवक्ता ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि अस्पतालों में संसाधनों की कमी और प्रशासनिक अव्यवस्था बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों के लिए स्वास्थ्य मंत्री नैतिक रूप से जिम्मेदार हैं और उन्हें तत्काल पद से इस्तीफा देना चाहिए। हालांकि, इन आरोपों पर स्वास्थ्य मंत्री या स्वास्थ्य विभाग की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

राज्य के सभी 595 मंडलों में मनाया जाएगा हूल दिवस : आदित्य साहू

रांची। भारतीय जनता पार्टी 30 जून को हूल दिवस राज्य के सभी 595 मंडलों में मनाएगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस अवसर पर राज्यभर के मंडलों में हूल क्रांति के अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हो, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। उन्होंने बताया कि हूल दिवस के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन अमर शहीद स्थल भोगनाडीह में किया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य और व्यापक रूप से आयोजित करने के लिए नौ सदस्यीय आयोजन समिति का गठन भी किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड के जनजातीय समुदाय के महानायकों ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 30 जून 1855 को जनजातीय समाज ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ हूल क्रांति का बिगुल फूंका था, जो उनके संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा जनजातीय समाज के महानायकों के योगदान को स्मरण करने और उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से हूल दिवस को व्यापक स्तर पर मना रही है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने आदिवासी समाज की संस्कृति, विरासत और अधिकारों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने का कार्य किया है।

बालू कारोबारियों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, तीन वाहन जब्त

सिमरिया। सिमरिया अनुमंडल एनजीटी (NGT) के प्रतिबंध के बावजूद अवैध बालू कारोबार करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। अभियान के दौरान प्रशासन ने अवैध रूप से बालू परिवहन में लगी तीन गाड़ियों को जब्त कर थाना परिसर में लाया है। जब्त वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही अन्य संदिग्ध वाहनों और कारोबारियों पर भी प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है। थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई से अवैध बालू कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। उन्होंने कहा कि सरकार एवं न्यायालय के निर्देशों का पालन कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी व्यक्ति को कानून और सरकारी आदेशों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक सरकार के आदेशों एवं एनजीटी के नियमों का पालन करें। अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि अवैध खनन और बालू तस्करी पर रोक लगाने के लिए ऐसे अभियान लगातार चलाए जाने चाहिए। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून का भय बना है और अवैध कारोबार करने वालों को कड़ा संदेश मिला है कि नियमों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हूल दिवस पर भोगनाडीह में भव्य कार्यक्रम आयोजित करेगी भाजपा

रांची। भारतीय जनता पार्टी 30 जून को अमर शहीद स्थल भोगनाडीह में हूल दिवस को भव्य तरीके से मनाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू ने नौ सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया है। गठित समिति में पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम, पूर्व सांसद सुनील सोरेन, अमर शहीद के वंशज मंडल मुर्मू, पूर्व प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी, वरिष्ठ नेता गणेश तिवारी, साहेबगंज जिला अध्यक्ष गौतम यादव, पाकुड़ जिला अध्यक्ष सरिता मुर्मू, महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनिता सोरेन तथा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनिता मुर्मू को शामिल किया गया है। प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि 30 जून का दिन झारखंड और विशेष रूप से संताल परगना के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1855 में इसी दिन महानायक सिदो-कान्हो के नेतृत्व में अंग्रेजी शासन के खिलाफ हूल क्रांति का बिगुल फूंका गया था, जिसमें चांद-भैरव तथा फूलो-झानो ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा महान स्वतंत्रता सेनानियों और जनजातीय नायकों के योगदान का सम्मान करती रही है तथा हूल दिवस को व्यापक रूप से मनाने का निर्णय इसी परंपरा का हिस्सा है।

मोहर्रम पर याद की गई हसन हुसैन या अली या हुसैन के नाम से गूंज कर्बला

नई सोच एक्सप्रेस

पदमा। पदमा प्रखण्ड में मोहर्रम त्योहार शांति पूर्ण मनाय गया प्रखंड के सभी अखाड़ा का मिलन हुआ इसके बाद अखाड़े के लोगों ने पारंपरिक शास्त्र से हैरतअंगेज प्रदर्शन किया पिंडार्कोंन मैदान में या अली या हुसैन के नाम से गुंजता रहा मेला में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन मुस्तैद पदमा प्रखंड पुलिस बल के साथ मेले का जायजा लेते रहे ,जुलूस में ताजिया व निशान के साथ-साथ डंका पार्टी बैंड बाजा ताशा पार्टी व डीजे भी थी, मेला बुधवार से शुरू हुआ था जो की शुक्रवार को नमाज के बाद मोहर्रम की दसवीं तारीख का आयोजन हुआ कर्बलास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की और एक दूसरे को गाले मिलकर पर्व की मुबारकबाद दी पूरे आयोजन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रशासन मुस्तैद रहा चौराहों व संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात किए गए मोहर्रम इस्लामिक कैलेंडर का पहला और पवित्र महीना है , दसवीं तारीख एवं अशुरा को पैगंबर मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन ने अन्याय के विरुद्ध शहादत दी थी यह दिन न केवल शहादत बल्कि इंसानियत और हक के रक्षा के लिए जीवन बलिदान देने का प्रतीक बन चुका है, एडिसन के अनुसार नवमी और दसवीं को रोजा रखने से पिछले साल के गुनाह माफ हो जाते हैं हुसैन की कुर्बानी एक प्रेरणा है कि सत्य के लिए चाहे जो भी कीमत चुकानी पड़े अन्याय के सामने झुकना नहीं चाहिए मोहर्रम में इस तिन दिवसीय ऐतिहासिक मेला शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में सभी अखाड़ा की कमेटियों द्वारा विशेष व्यवस्था की गई थी पिंडार्कोंन कमेटी इस पर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया,मुखिया श्रीमती सुनीता देवी अजीत कुमार दास शमशेर अंसारी मुख्तार अंसारी आफताब अंसारी मुखिया प्रतिनिधि प्रभु कुमार मेहता अजय कुमार दास बुधन सुबोध कुमार दास .वार्ड सदास्य दिना राम हामिद अंसारी मुमताज अंसारी जमाल उद्दीन अंसारी प्रभु राम काफी लोग उपस्थित थे

प्रतापपुर के गारा में अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार"

नई सोच एक्सप्रेस

प्रतापपुर (चतरा)। उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश पर आगामी त्योहारों के मद्देनजर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उत्पाद विभाग और प्रतापपुर थाना की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने गारा गांव के पास जंगल में चल रही एक अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब और इसे बनाने की सामग्री बरामद हुई है। जब्त सामानों में 526 बोतल (लगभग 259.500 लीटर) नकली शराब, 40 लीटर स्पिरिट, पंचिंग मशीन, एक मोटरसाइकिल और भारी संख्या में खाली बोतलें शामिल हैं। इसके अलावा रॉयल स्टैग, ब्लेंडर्स प्राइड, इंपीरियल ब्लू और रॉयल चैलेंज जैसे नामी ब्रांड्स के नकली ढक्कन व होलोग्राम भी बरामद किए गए हैं। जांच में पता चला कि यहाँ स्पिरिट में कैरेमल और एसेंस मिलाकर नकली शराब तैयार की जा रही थी, जिसे ब्रांडेड बोतलों में पैक कर बिहार के बाजारों में खपाने की तैयारी थी। उत्पाद अधीक्षक प्रेम प्रकाश उरांव ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ झारखंड उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस सफल छापेमारी दल में अवर निरीक्षक आशीष कुमार पांडेय, अभिषेक आनंद सहित उत्पाद आरक्षी व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

टाटीझरिया में शांति सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मुहर्रम, प्रशासन और जनप्रतिनिधि रहे मुस्तैद

नई सोच एक्सप्रेस

टाटीझरिया (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुहर्रम का पर्व पूरी अकीदत, शांति और आपसी सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। प्रखंड के झरपो, घुघुलिया, केसरा, धर्मपुर, डूमर, आमनारी और बौधा सहित टाटीझरिया से सटे दारू प्रखंड के जरगा गांव में भी त्योहार को लेकर अकीदतमंदों में भारी उत्साह देखा गया। कर्बला में मांगी गई अमन-चैन की दुआ, गूंजे या हुसैन के नारे मुहर्रम के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने स्थानीय कर्बला में एकत्रित होकर विशेष नमाज अदा की और देश में अमन, चैन व भाईचारे की दुआ मांगी। इस दौरान विभिन्न कमेटियों द्वारा बेहद सुंदर और आकर्षक ताजिया का निर्माण किया गया था। ताजिया जुलूस के दौरान अकीदतमंदों ने 'या हसन, या हुसैन' और 'सरवरिया हुसैन' के गगनभेदी नारे लगाए। सभी रस्मों के पूरा होने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर मुहर्रम की मुबारकबाद दी। धार्मिक कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और सफल बनाने के लिए स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों और ग्रामीणों की टोली लगातार सक्रिय रही। **इनमें मुख्य रूप से:** इब्राहिम अंसारी, मुख्तार अंसारी, तैय्यब मिया, शहादत अंसारी (एडवोकेट) मुमताज अंसारी, सफीक अंसारी, सुलेमान अंसारी, आबिद हुसैन, मकसूद अंसारी, डब्लू अंसारी, उस्मान अंसारी, नियामत अंसारी मो. क्यूम, गुलाब अंसारी, मोहम्मद मीया, कलीम अंसारी, अकूब अली और मनीर मिया समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुटे रहे। क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए टाटीझरिया पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट दिखा। टाटीझरिया थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार अपने दलबल के साथ लगातार क्षेत्र में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। वहीं, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में झारखंड ग्रामीण पुलिस (चौकीदार) रॉबिन पासवान और विशाल कुमार के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। मौके पर स्थानीय मुखिया सह 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष शिबू प्रसाद सोनी और टाटीझरिया उप प्रमुख रवि वर्णवाल क्षेत्र में मुस्तैदी के साथ डटे रहे, जिसके सुखद परिणाम स्वरूप पूरा त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।

शिवपुर साइडिंग में टायर फटने से हाइवा चालक की मौत, 12 घंटे ठप रही कोयला ढुलाई

नई सोच एक्सप्रेस

टंडवा। आम्रपाली कोल परियोजना से शिवपुर साइडिंग में कोयला ढुलाई में लगे एक हाइवा चालक की टायर फटने से दर्दनाक मौत हो गई।मृतक की पहचान कटकमसांडी प्रखंड के खैरका गांव निवासी संतोष यादव के रूप में हुई है। मृतक आम्रपाली कोल परियोजना से शिवपुर साइडिंग तक कोयला ढुलाई का कार्य करते थे। जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर हाइवा का एक टायर पंक्चर हो गया था।चालक संतोष यादव ने होन्हे के समीप स्थित एक टायर दुकान में उसकी मरम्मत कराई।मरम्मत के बाद जब टायर को वाहन में लगाया जा रहा था, तभी अचानक तेज धमाके के साथ टायर फट गया।विस्फोट की चपेट में आकर टायर का हिस्सा उनके सिर और चेहरे से टकराया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण आम्रपाली कोल परियोजना पहुंचे तथा मृतक के आश्रित को नौकरी और उचित मुआवजे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए कोयला ढुलाई ठप करा दिया। जिसके बाद स्थानीय प्रशासन की ओर से तत्काल एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता तथा बच्चों की पढ़ाई के लिए आठ वर्षों तक कंपनी की ओर से सहयोग का प्रस्ताव दिया गया, लेकिन परिजन इससे संतुष्ट नहीं हुए।जहां परिजनों ने 20 लाख रुपये एकमुश्त मुआवजे की मांग रखी।मांग पूरी नहीं होने पर गुरुवार रात करीब 10:30 बजे परिजनों और ग्रामीणों ने कोयला परिवहन ठप करा दिया। इसके कारण शिवपुर साइडिंग में करीब 12 घंटे तक कोयला ढुलाई पूरी तरह बाधित रही।शुक्रवार सुबह थाना प्रभारी पप्पू शर्मा की पहल पर हुई वार्ता में एवीएस कंपनी ने मृतक के परिजनों को चार लाख रुपये एकमुश्त मुआवजा देने पर सहमति जताई। इसके बाद सुबह करीब 11 बजे सड़क जाम समाप्त कराया गया और कोयला परिवहन पुनः शुरू हो सका। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

गिद्धौर के विभिन्न गांवों में अकीदत और जोश के साथ निकला मुहर्रम का जुलूस, 'या अली-या हुसैन' के नारों से गूंजा इलाका

नई सोच एक्सप्रेस

» गांगपुर, लुब्धिया, महुआडांड़, द्वारी, मांझगवां व बारिसाखी सहित कई गांवों में अखाड़ों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब, प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में शुक्रवार को मुहर्रम का पर्व पूरे धार्मिक उत्साह, अकीदत और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांगपुर, लुब्धिया, महुआडांड़, द्वारी, मांझगवां तथा बारिसाखी पंचायत सहित कई गांवों में आकर्षक ढंग से मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों, युवाओं और ग्रामीणों ने भाग लेकर हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। जुलूस अपने-अपने इमामबाड़ों से निर्धारित मार्गों से होते हुए गांव के प्रमुख चौक-चौराहों तक पहुंचा। पूरे रास्ते "या अली" और "या हुसैन" के नारों से वातावरण गूंजता रहा। जुलूस में शामिल अखाड़ों के युवाओं ने लाठी, तलवार, भाला एवं अन्य पारंपरिक युद्धक कलाओं के हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत किए। युवाओं के अनुशासित प्रदर्शन ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। करतब देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने भी पूरे उत्साह के साथ जुलूस का स्वागत किया। मुहर्रम के अवसर पर पूरे क्षेत्र में आपसी भाईचारे और सौहार्द का माहौल देखने को मिला। विभिन्न समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे का सहयोग करते हुए पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में अपनी सहभागिता निभाई। पूरे आयोजन के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। अंचल अधिकारी अनंत सयनम विश्वकर्मा तथा थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री लगातार विभिन्न गांवों का भ्रमण कर जुलूस एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी गई और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अंचल अधिकारी अनंत सयनम विश्वकर्मा एवं थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री ने बताया कि मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। प्रशासन की सतर्कता और आम लोगों के सहयोग से पूरे प्रखंड में मुहर्रम का पर्व शांति, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अजय गंझू हत्याकांड में पुलिस को मिली सफलता, एक नामजद अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई सोच एक्सप्रेस

लावालौंग। थाना क्षेत्र के बहुचर्चित अजय गंझू हत्याकांड में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस कार्रवाई को मामले की जांच में महत्वपूर्ण प्रगति माना जा रहा है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कांड संख्या 41/26 में दर्ज हत्या के मामले के नामजद अभियुक्त रूपलाल गंझू, पिता स्वर्गीय जीतन गंझू, ग्राम बेलाटांड़, थाना लावालौंग, जिला चतरा को गिरफ्तार किया गया। आवश्यक पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व लावालौंग थाना क्षेत्र के बघमारी गांव निवासी अजय गंझू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी।परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए कई लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल था और पुलिस पर शीघ्र कार्रवाई का दबाव भी था।पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि कांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी लगातार छापेमारी की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद मामले में विधिसम्मत आगे की कार्रवाई की जाएगी।पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मामले से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर पुलिस को सहयोग करें, ताकि सभी आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य के आधार पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

डायन-बिसाही का आरोप लगाकर महिला से मारपीट,दोनों पक्षों ने हंटरगंज थाना में दिया आवेदन

नई सोच एक्सप्रेस

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज प्रखंड के मीरपुर गांव में डायन-बिसाही का आरोप लगाकर एक महिला के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता बिंदिया देवी ने इस संबंध में हंटरगंज थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। बिंदिया देवी मीरपुर गांव निवासी नरेश यादव की पत्नी हैं।थाना में दिए गए आवेदन में बिंदिया देवी ने बताया कि उनके जेठ हरिवंश यादव लंबे समय से बीमार चल रहे हैं। आरोप है कि इसी बीमारी को लेकर उनके परिवार के कुछ सदस्य उन्हें डायन-बिसाही से जोड़कर प्रताड़ित करते हैं। पीड़िता के अनुसार, उनकी जेठानी मुनिया देवी तथा उनके पुत्र अखिलेश यादव, रामबली कुमार और सागर कुमार अक्सर इस बात को लेकर गाली-गलौज करते रहते हैं।बिंदिया देवी ने बताया कि बुधवार की देर शाम वह खेत की ओर गोबर फेंकने गई थीं। इसी दौरान वहां पहुंचे अखिलेश यादव ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि उसने अपने पिता की बीमारी के लिए बिंदिया देवी को जिम्मेदार ठहराते हुए उन पर डायन-बिसाही करने का आरोप लगाया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और अन्य आरोपी भी मौके पर पहुंच गए। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और उन्हें उठाकर जमीन पर पटक दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और कुछ समय के लिए बेहोश हो गईं। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उन्हें आरोपियों से बचाया।घटना के बाद परिजनों ने घायल बिंदिया देवी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका इलाज कराया गया।उपचार के बाद पीड़िता ने हंटरगंज थाना पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दी और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।पीड़िता का कहना है कि डायन-बिसाही जैसे अंधविश्वास के नाम पर उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा देने और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।मामले में पुलिस आवेदन के आधार पर जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुआ छानबीन की जा रही है, छानबीन के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इटखोरी में मुहर्रम पर ताजिया जुलूस के दौरान युवाओं ने दिखाया लाठी-कला का प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी (चतरा)। मुहर्रम के अवसर पर इटखोरी प्रखंड में विभिन्न अखाड़ों द्वारा निकाले गए ताजिया जुलूस के दौरान पारंपरिक लाठी-कला का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। जुलूस में शामिल युवाओं ने जोश और अनुशासन के साथ लाठी भांजकर अपनी पारंपरिक युद्धक कला का प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क किनारे मौजूद रहे। ताजिया जुलूस निर्धारित मार्गों से होकर गुजरा, जहां युवाओं ने करतब दिखाए। ढोल-ताशों की धुन और पारंपरिक नारों के बीच पूरे क्षेत्र में मुहर्रम की धार्मिक और सांस्कृतिक छटा देखने को मिली। प्रदर्शन के दौरान अखाड़ों के सदस्यों ने अनुशासन बनाए रखा और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। मुहर्रम को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल और दंडाधिकारी तैनात रहे। जुलूस के मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र परसौनी,खडौनी, धन खेरी,पीतीज,टोनाटांड,कल्याणपुर में भी मुहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से कड़ी प्रशासनिक सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकला गया। स्थानीय लोगों ने भी जुलूस का स्वागत किया और पारंपरिक लाठी-कला के प्रदर्शन की सराहना की। पूरे आयोजन के दौरान शांति, सौहार्द और सामाजिक एकता का माहौल देखने को मिला।कर्बला में ताजिया को दफन कर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता काली यादव को भेजा गया जेल

» चुनाव के दौरान पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में हुई कार्रवाई

चतरा। जिले के भाजपा नेता काली यादव को न्यायालय के आदेश के बाद चतरा मंडल कारा भेज दिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीते विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव प्रचार में अभद्र भाषा का प्रयोग करने के आरोप में उनके विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। उक्त मामले में सुनवाई करते हुए माननीय न्यायालय ने काली यादव को न्यायिक हिरासत चतरा जेल भेजने का आदेश दिया। पुलिस द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें जेल भेज दिया गया।

वज्रपात से एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल

इटखोरी। वज्रपात से एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया । घायल की पहचान बारा पथरिया गांव निवासी 65 वर्षीय बालेश्वर भुईया पिता मंगरा भुईया के रूप में किया गया है । सूत्रों के अनुसार घायल बालेश्वर भुईया गुरुवार बाजार से पथरिया अपने घर पैदल आ रहा था तभी थवई गांव के पास वारिस से बचने के दौरान एक पेड़ के नीचे खड़ा था तभी वज्रपात हुई जिससे घायल कुछ दूरी पर एक खेत में जा कर अचेत अवस्था में पड़ गया । सूचना पाकर समाजसेवी उमेश महतो ने अपने निजी वाहन से इटखोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां घायल का ईलाज डॉ अजीत ने किया ।

सांप्रदायिक सौहार्द की मिसालः लावालौंग के हेडुम गांव में 35 वर्षों से मोहर्रम मना रहा है एक हिंदू परिवार

लावालौंग। प्रखंड अंतर्गत हेडुम गांव सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की एक अनूठी मिसाल पेश कर रहा है। यहां एक हिंदू परिवार पिछले लगभग 35 वर्षों से पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ मोहर्रम का पर्व मनाता आ रहा है। यह परंपरा क्षेत्र में सामाजिक एकता और धार्मिक सद्भाव का प्रतीक मानी जाती है।ग्रामीणों के अनुसार इस परंपरा की शुरुआत करीब 35 वर्ष पूर्व गांव के जुगती गंझू ने की थी। उनके द्वारा शुरू की गई यह धार्मिक परंपरा आज भी उसी श्रद्धा और विश्वास के साथ निभाई जा रही है। वर्तमान में इस परंपरा का निर्वहन कामख्या सिंह भोक्ता द्वारा किया जा रहा है, जो हर वर्ष पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ मोहर्रम का आयोजन करते हैं।मोहर्रम के अवसर पर परिवार के सदस्य पूरी निष्ठा के साथ सभी आवश्यक धार्मिक रस्मों का पालन करते हैं। आयोजन में गांव के विभिन्न समुदायों के लोग भी शामिल होते हैं और आपसी प्रेम, भाईचारे तथा सामाजिक सद्भाव का संदेश देते हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के लोग एक-दूसरे को सहयोग करते हैं, जिससे गांव में सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहता है।ग्रामीणों का कहना है कि हेडुम गांव की यह परंपरा नई पीढ़ी के लिए भी प्रेरणास्रोत है। यह बताती है कि धर्म और आस्था से ऊपर उठकर इंसानियत, सम्मान और आपसी विश्वास सबसे बड़ा संदेश है। वर्षों से चली आ रही यह परंपरा आज भी बिना किसी भेदभाव के निभाई जा रही है और गांव की पहचान बन चुकी है।हेडुम गांव की यह अनूठी परंपरा इस बात का उदाहरण है कि भारत की सांस्कृतिक विरासत में "अनेकता में एकता" केवल एक नारा नहीं, बल्कि लोगों के जीवन का हिस्सा है।मोहर्रम के इस आयोजन के माध्यम से गांव में धार्मिक सद्भाव, सामाजिक एकजुटता और भाईचारे की भावना लगातार मजबूत होती रही

सांसद सेवा कार्यालय में मनीष जायसवाल ने सुनीं हजारों लोगों की समस्याएं, मौके पर किया निष्पादन

हजारीबाग। जनसरोकारों को प्राथमिकता देते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल शुक्रवार को पूरे दिन शहर स्थित अपने सांसद सेवा कार्यालय में जनता के बीच मौजूद रहे। सुबह से लेकर देर शाम तक उन्होंने लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों व पंचायतों से पहुंचे सैकड़ों लोगों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित पहल की। समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र के ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेंशन और राजस्व जैसे विभिन्न विभागों से जुड़ी अपनी समस्याएं सांसद के समक्ष रखीं। सांसद ने कई संवेदनशील मामलों का समाधान तत्काल कराया। शेष अन्य जटिल मामलों को लेकर सांसद मनीष जायसवाल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से फोन पर बात कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ मुझे अपना प्रतिनिधि चुना है, उस पर खरा उतरना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लोकसभा क्षेत्र का कोई भी नागरिक अपनी समस्या को लेकर निराश न लौटे, यही मेरा प्रयास रहता है। जनसेवा केवल दायित्व नहीं बल्कि मेरा संकल्प है। कार्यालय में बिना किसी औपचारिकता के सीधे सांसद से मिलकर बात रखने और त्वरित कार्रवाई होने पर दूर-दराज से आए फरियादियों ने गहरा संतोष व्यक्त किया। देर शाम तक कार्यालय में जनसुनवाई का दौर लगातार जारी रहा।

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त, प्राथमिकी दर्ज

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण थाना क्षेत्र के मालिकाना पुल के समीप पुलिस ने अवैध बालू ट्रैक्टर परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने ट्रैक्टर को धर दबोचा जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर को जप्त कर लिया ।इस मामले में चौपारण थाना में कांड संख्या 161/26 दिनांक 25 जून 2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा अवैध बालू परिवहन में संलिप्त लोगों की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।थाना प्रभारी पंकज कुमार ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन एवं बालू के अवैध परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इटखोरी चट्टी में 150 वर्षों से हिंदू परिवार बनाता आ रहा है ताज़िया

नई सोच एक्सप्रेस

» हिंदू-मुस्लिम एकता और गंगा-जमुनी तहजीब की एक अनूठी मिसाल

इटखोरी। इटखोरी चट्टी में हिंदू-मुस्लिम एकता और गंगा-जमुनी तहजीब की एक अनूठी मिसाल देखने को मिलती है। इटखोरी प्रखंड में इटखोरी पंचायत के चट्टी गांव में एक हिंदू परिवार पिछले लगभग 150 वर्षों से मुहर्रम पर्व पर ताजिया बनाकर जुलूस में शामिल करता आ रहा है। चट्टी गांव निवासी प्रभु प्रजापति अपने परिवार की चौथी पीढ़ी का सदस्य हैं, जो इस परंपरा का निर्वहन पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ कर रहा है। प्रभु प्रजापति ने बताया कि इस परंपरा की शुरुआत उनके पूर्वज विशुन कुम्हार ने की थी। उसके बाद बाद गुडन कुम्हार महरू कुम्हार, विजय कुम्हार ने इस परंपरा को बनाए रखा। उनके बाद यह जिम्मेदारी अब खुद प्रभु कुम्हार समेत उसका पूरा परिवार पूरी शिद्दत के साथ निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूर्वजों की मन्नत पूरी होने के बाद शुरू हुई यह परंपरा आज परिवार की अमानत बन चुकी है। हर ताजिया निर्माण का कार्य होता है।लोग खुद से ताजिया का निर्माण करते हैं। इस वर्ष भी परिवार के सदस्य पिछले 20 दिनों से अधिक समय से ताजीया के निर्माण और सजावट में जुटे हैं। बांस, कागज और अन्य पारंपरिक सामग्री से तैयार किए जा रहे ताजीया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 26 जून को कई ताजियों को निकाला जायेगा। उन्होंने कहा कि यह परंपरा केवल आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, आपसी विश्वास और हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का जीवंत प्रतीक है। इस हिंदू परिवार के ताजिया को कंधा देने के लिए सैकड़ों लोग जुटते हैं। मोहर्रम के एक दिन पहले से पूरे रीति-रिवाज के साथ ताजिया चट्टी गांव से निकलता है। जिसमें गंगा जमुनी तहजीब का संगम होता है। उनका ताजिया हजूरी ताजीया सबसे आगे चलता है ,जो इतवार बाजार में आकर जब अन्य गावों के ताजिया से मिलता है तो बाजार में गंगा-जमुनी तहजीब देखने को मिलती है।इस संबंध में ताजिया प्रभु कुम्हार बताते हैं कि उनके दादा परदादा के जमाने से ताजिया उठाने की परंपरा को अनवरत चालू रखा जाएगा। जो मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

कटकमसांडी में शांतिपूर्ण सौहार्दपूर्ण तरीके से मोहर्रम त्यौहार हुआ संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

» ऐतिहासिक मोहर्रम मेला का आयोजन

कटकमसांडी(हजारीबाग) ।प्रखंड क्षेत्र में मोहर्रम की दसवीं तारीख (अशूरा) का ऐतिहासिक तीन दिवसीय मेला शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। इस अवसर पर लगभग 20 गांवों के जुलूस छड़वा मोहर्रम मैदान पहुंचे, जहां पारंपरिक अखाड़ों का भव्य मिलन हुआ। पूरा मैदान 'या अली या हुसैन' के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। अखाड़े के खिलाड़ियों ने लाठी, डंडे और पारंपरिक शस्त्रों से एक से बढ़कर एक हैरत अंगेज करतब दिखाए। धार्मिक गरिमा और अकीदत इस्लामिक कैलेंडर के इस पहले और पवित्र महीने की दसवीं तारीख पर कर्बला स्थल पर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने नमाज अदा की। इसके बाद एक-दूसरे से गले मिलकर पर्व की मुबारकबाद दी। जुलूस में खूबसूरत ताजिया और निशान के साथ डंका, बैंड-बाजा, ताशा पार्टी और डीजे शामिल थे। पैगंबर मोहम्मद के नवाइस हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनकी कुर्बानी इंसानियत और हक की रक्षा के लिए हमेशा प्रेरणा देती रहेगी। कटकमसांडी प्रखंड विकास पदाधिकारी पूजा कुमारी, अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता और पेलावल ओपी प्रभारी बिट्टू रजक ने पुलिस बल के साथ पूरे मेला क्षेत्र का जायजा लिया। सभी प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। कमेटी की सराहनीय भूमिका इस तीन दिवसीय ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में कटकमसांडी की अखाड़ा कमेटियों ने विशेष व्यवस्था की थी। इस दौरान साबिर खान, सराज खान, शहादत मियां, अकबर मियां, सोनू खान, सरवर खान, अनवर मियां, नौशाद आलम सहित बड़ी संख्या में स्थानीय प्रबुद्ध लोग और ग्रामीण उपस्थित थे।

भरत भूषण तिवारी 'पुलिसिया हत्या' के विरोध में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

लातेहार। बिहार के भोजपुर जिला अंतर्गत बिलौटी गांव के निवासी भरत भूषण तिवारी की कथित पुलिसिया हत्या (फर्जी एनकाउंटर) के विरोध में लातेहार जिला मुख्यालय में आक्रोश और शोक का माहौल देखा गया। इस घटना के खिलाफ में लातेहार समाहारणालय गेट के समीप युवा नेता पंकज तिवारी के नेतृत्व में प्रबुद्ध नागरिकों एवं समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों के द्वारा एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने कैंडल जलाकर दिवंगत भरत भूषण तिवारी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी आत्मा की शांति के लिये मौन रखा। कैंडल मार्च और श्रद्धांजलि सभा के दौरान लोगों ने इस घटना को "फर्जी एनकाउंटर" करार देते हुये बिहार पुलिस प्रशासन के खिलाफ में कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बिलौटी गांव (भोजपुर) के सीधे-साधे नागरिक भरत भूषण तिवारी को पुलिस द्वारा साजिश के तहत मौत के घाट उतारा गया है, जो पूरी तरह से मानवाधिकारों का उल्लंघन है। यह कोई मुठभेड़ नहीं, बल्कि एक सुनियोजित फर्जी एनकाउंटर है, जिसकी उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। दोषी पुलिसकर्मियों को अविलंब बर्खास्त कर उन पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए। युवा नेता पंकज तिवारी ने कहा कि भोजपुर के बिलौटी गांव के भरत भूषण तिवारी की हत्या ने पूरे देश व समाज को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस का काम सुरक्षा करना है, न कि फर्जी एनकाउंटर के नाम पर बेगुनाह नागरिकों की जान लेना। जब तक पीड़ित परिवार को इंसाफ नहीं मिलता और दोषियों को सजा नहीं होती, हमारा आंदोलन जारी रहेगा। तिवारी ने कहा कि इस घटना में संलिप्त चाहे वह बिहार का मुख्यमंत्री हो या वरीय पुलिस के अधिकारियों को सजा दिलाने तक आंदोलन जारी रहेगा। एक करोड़ रुपये मुआवजा व शहीद का दर्जा देने की मांग की है। वहीं प्रेमचंद्र पाण्डे ने कहा कि भरत भूषण तिवारी को शहीद का दर्जा देते हुए दोषियों को अविलंब गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाई जाए। बिहार सरकार को जल्द मामले से पर्दा उठाकर कड़ी से कड़ी करवाई कर भरत भूषण तिवारी के परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग है। वहीं नरेश पाठक ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि एक क्रांतिकारी युवा की हत्या बिलकुल गलत है। राजन तिवारी ने कहा कि फर्जी मुठभेड़ पर कड़ी से कड़ी करवाई की जाए। अमित पाण्डे ने कहा कि इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम होगी। साजन कुमार ने घटना के लिए बिहार सरकार को दोषी करार दिया है। कहा कि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो इसके लिए बिहार सरकार कड़ी करवाई करे। इस मौके पर मुकेश पाण्डेय, गुड्डू दुबे, अंकित पाणडेय, रिंकू कच्छप, विजय पाठक, रब्बानी हुसैन, सुनील प्रसाद, कमलापति पाण्डेय, बबलू पाण्डेय, रंजीत यादव, ज्योतिष पाणडेय, रविकांत पासवान, आर्सेन तिर्की, राहुल पाण्डेय, दीपक मिश्रा, कामिल अंसारी, शहादत हुसैन टिंकु, प्रदीप यादव, ज्योति प्रकाश दुबे, ललित पाण्डेय, केके दुबे, दिलेश्वर यादव, अहद खान, मिथलेश पाण्डेय, पंकज मिश्रा, प्रेम पाण्डेय, योगेंद्र शुक्ला, हशमद अंसारी, बिट्टू दास, पीपी पाण्डेय, नीरज कुमार सहित समाज के अन्य प्रबुद्ध लोग मौजूद थे। इस श्रद्धांजलि सभा में लातेहार के विभिन्न संगठनों, बुद्धिजीवियों और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने एक स्वर में बिहार सरकार और पुलिस महानिदेशक से इस पूरे मामले की सीबीआई या हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से न्यायिक जांच कराने की मांग की है। सभा के अंत में दो मिनट का मौन रखकर पीड़ित परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की गई।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर थाना प्रभारी राकेश कुमार सम्मानित, डीआईजी ने प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर किया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। पुलिस विभाग में उत्कृष्ट कार्य एवं बेहतर प्रदर्शन के लिए पत्थलगड़ा थाना प्रभारी राकेश कुमार को सम्मानित किया गया। गुरुवार को पुलिस केंद्र चतरा में आयोजित समारोह में डीआईजी द्वारा उन्हें पुलिस ड्यूटी मीट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। जानकारी के अनुसार, पुलिस ड्यूटी मीट में पांच जिलों के पुलिस पदाधिकारियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए थाना प्रभारी राकेश कुमार ने अपनी कार्यकुशलता, दक्षता एवं पेशेवर प्रतिबद्धता का परिचय दिया, जिसके लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने उन्हें बधाई दी। वहीं पत्थलगड़ा क्षेत्र के पत्रकारों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा गणमान्य ग्रामीणों ने भी थाना प्रभारी को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्थानीय लोगों ने कहा कि यह सम्मान न केवल राकेश कुमार की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उनके नेतृत्व में थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं जनसरोकारों से जुड़े मामलों के त्वरित निष्पादन की सराहना लगातार होती रही है। राकेश कुमार को मिले इस सम्मान से पुलिस विभाग के अन्य अधिकारियों एवं जवानों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

सिमरिया अनुमंडल में खराब पड़े जलमीनार और चापाकल अब तक नहीं हुए दुरुस्त, ग्रामीणों में बढ़ रहा आक्रोश

नई सोच एक्सप्रेस

सिमरिया। अनुमंडल के विभिन्न गांवों में लंबे समय से खराब पड़े जलमीनार और चापाकल आज तक मरम्मत की बाट जोह रहे हैं। भीषण गर्मी के दौरान लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ा, लेकिन संबंधित विभाग और प्रशासन की ओर से समस्या के समाधान के लिए अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। अब जबकि बारिश का मौसम शुरू होने वाला है, तब भी कई जलस्रोत बदहाल स्थिति में पड़े हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी स्तर पर पेयजल व्यवस्था को लेकर समय-समय पर निर्देश और योजनाएं तो जारी की जाती हैं, लेकिन उनका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या सरकारी आदेश केवल कागजों तक ही सीमित रह जाते हैं या उन्हें धरातल पर भी लागू किया जाता है। कई स्थानों पर जलमीनार बंद पड़े हैं, जबकि चापाकलों की खराबी के कारण ग्रामीणों को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। इससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रखंड प्रशासन एवं संबंधित विभाग से शीघ्र पहल करते हुए खराब जलमीनारों और चापाकलों की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। लोगों की मांग है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर लेकर जल्द समाधान सुनिश्चित करे, ताकि ग्रामीणों को मूलभूत सुविधा से वंचित न रहना पड़े।

छड़वा मोहर्रम मेले में उमड़ा जनसैलाब,17 गांवों के ज़ुलूस ने किया अखाड़ा मिलान

नई सोच एक्सप्रेस

कटकमसांडी (हजारीबाग)। मोहर्रम की नवमी तिथि पर ऐतिहासिक छड़वा मैदान में अकीदत और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। क्षेत्र के 17 गांवों का भव्य जुलूस अपने पारंपरिक गगनचुंबी निशानों (झंडों) के साथ छड़वा मैदान पहुंचा, जिससे पूरा इलाका 'या अली, या हुसैन' के नारों से गुंजायमान हो उठा। अस्त्र-शस्त्र के खेल का हुआ हैरतअंगेज प्रदर्शन शुक्रवार दोपहर 2 बजे से ही खुटरा, सुलमी, हेदलाग, बलियंद, गदोखर, पबरा, लुपूंग, पिचरी, रोमी, डाड़, सारूगाड़ु, नवादा, डुकरा, हरना, कवातु और गोविंदपुर गांवों के जुलूस अखाड़ों के साथ मैदान में जुटने लगे। इस दौरान अकीदतमंदों ने लाठी, डंडे और पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों से एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज खेल का प्रदर्शन कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेले में सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एएसपी अमित कुमार, अंचल इंस्पेक्टर सपन कुमार महथा, बीडीओ पूजा कुमारी, सीओ अनिल कुमार गुप्ता और पेलावल ओपी प्रभारी बिट्टू रजक दलबल के साथ मुस्तैद रहे। रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने भी सुरक्षा में अहम भूमिका निभाई मेले को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में मोहर्रम कमिटी के अध्यक्ष नौशाद खान उर्फ डिस्को, उपाध्यक्ष बाबर अंसारी, सचिव कमालउद्दीन इराकी, अकमल अंसारी, कोषाध्यक्ष शेख इत्तेफाक हुसैन और प्रवक्ता निसार खान सक्रिय रहे। मौके पर संरक्षक अनवारूल हक, मोख्तार अहमद, अंतू साव, मिस्बाहुल हक समेत विभिन्न अखाड़ाधारी, समाजसेवी और सैकड़ों की संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दहेज मुक्त झारखंड सेवा संघ की अनूठी पहल, बोकारो और हजारीबाग के परिवारों ने पेश की मिसाल, संस्था करेगी सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। दहेज रूपी सामाजिक कुप्रथा को जड़ से खत्म करने के संकल्प के साथ 'दहेज मुक्त झारखंड सेवा संघ' ने संपूर्ण झारखंड प्रदेश में एक अनोखी पहल की शुरुआत की है। संस्था ने पूरे प्रदेश के वर और वधु पक्ष से "दहेज हटाओ, बेटी बचाओ, सम्मान समाज बचाओ" के नारे के तहत इस अभियान से जुड़ने की भावुक अपील की है। इसी कड़ी में संस्था के प्रयासों से एक आदर्श और दहेज मुक्त विवाह की मिसाल सामने आई है। बोकारो और हजारीबाग जिले के दो परिवारों ने बिना किसी लेन-देन के इस विवाह को तय कर समाज के सामने एक नई राह दिखाई है। मिली जानकारी के अनुसार, वर पक्ष से ग्राम कतवारी ,पोस्ट + थाना चतरो चट्टी, जिला बोकारो के निवासी श्री बुधन महतो एवं माता इतवारिया देवी के सुपुत्र श्यामलाल महतो का विवाह तय वधु पक्ष से ग्राम व पोस्ट सारू कुदर थाना विष्णुगढ़, जिला हजारीबाग झारखण्ड निवासी श्री प्रेम महतो एवं माता नेमिया देवी की सुपुत्री बेबी कुमारी का विवाह आगामी 06 जुलाई 2026 को संपन्न होने जा रहा है। यह शादी पूरी तरह से दहेज मुक्त होगी। दहेज मुक्त झारखंड सेवा संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने इस फैसले की जमकर सराहना की है। "इस नेक और ऐतिहासिक पहल के लिए वर-वधु और उनके माता-पिता बधाई के पात्र हैं। संस्था के पदाधिकारी शादी के इस शुभ अवसर पर वर-वधु और उनके माता-पिता को विशेष उपहार भेंट कर उनका मनोबल बढ़ाएंगे।" संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज को यह संदेश देना है कि यदि लोग इसी तरह जागरूक होकर आगे आएं, तो समाज 'दहेज रूपी राक्षस' से कोसों दूर हो जाएगा और बेटियों को उनका वास्तविक सम्मान मिल सकेगा। इस अनूठी पहल की पूरे क्षेत्र में काफी चर्चा हो रही है और लोग दोनों परिवारों की तारीफ कर रहे हैं।

डीसी कार्यालय के समीप पेट्रोल पंप पर कालाबाजारी के आरोप, वायरल तस्वीरों से मचा हड़कंप

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। शहर में पिछले दो दिनों से पेट्रोल और डीजल की कमी के बीच डीसी कार्यालय के समीप स्थित एक पेट्रोल पंप चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही कुछ तस्वीरों के आधार पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि पेट्रोल पंप परिसर में जर्किनों में पेट्रोल भरकर अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ईंधन संकट का लाभ उठाकर कथित रूप से निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर पेट्रोल की बिक्री की जा रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है। बताया जा रहा है कि मामला जगदेव लिट्टी दुकान के समीप स्थित पेट्रोल पंप से जुड़ा है। वायरल तस्वीरों में बड़ी संख्या में जर्किन और ईंधन भरने से संबंधित सामग्री दिखाई दे रही है, जिसके बाद लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। अब लोगों की नजर जिला प्रशासन पर टिकी है कि वायरल तस्वीरों और लगाए गए आरोपों की जांच कर सत्यता सामने लाई जाती है या नहीं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कुरुक्षेत्र के विकास नगर में नहीं हुआ विकास, पार्क बनी जोहड़, लोगों की मकान में आई दरारें, मूलभूत सुविधाओं के लिए काटने पड़ रहे अधिकारियों के चक्कर

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र के विकास नगर की कॉलोनी में लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए अधिकारियों के ऑफिस चक्कर काटने पड़ रहे हैं कॉलोनी वासियों को सीवरेज के पानी की व्यवस्था न होने से काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है कॉलोनी वासियों का कहना है कि यह कॉलोनी 1984 से अप्रूव्ड है लेकिन यहां पर किसी प्रकार का कोई विकास कार्य नहीं हुआ कॉलोनी वासियों का कहना है कि यहां पर काफी समय से सीवरेज के पानी की व्यवस्था न होने से लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है लोगों को घरों में बदबू आती है और बीमारी होने का भी डर रहता है वहीं लोगों ने कहा कि कॉलोनी में जो पार्क है वहां पर लोगों के घरों का पानी जाता है जिस वजह से पार्क पूरी तरह से जोहड़ में तब्दील हो चुकी है इसको देखकर लगता ही नहीं कि यह एक पार्क है वहीं पार्क के आसपास बने घरों में पानी इकट्ठा होने की वजह से दरारें आ चुकी है कॉलोनी वासियों का कहना है कि वह अपनी समस्याओं को लेकर कई बार अधिकारियों, डीसी, mc को मिल चुके हैं और मंत्रियों से भी मिले लेकिन समस्या का किसी ने भी कोई समाधान नहीं किया है लोगों का कहना है कि वह म्युनिसिपल कमेटी का हर टैक्स देते हैं लेकिन सुविधाएं उनको कुछ भी नहीं मिलती है जिस वजह से वह काफी परेशान है कॉलोनी वासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द ही उनकी समस्या का समाधान किया जाए और कॉलोनी में सीवरेज के पानी की व्यवस्था की जाए।

टीवीएस मोटर कंपनी ने लॉन्च की नई TVS NTORQ रेंज

पटना। टीवीएस वेनु के एक भाग और दुनिया भर में दो-पहिया और तीन-पहिया वाहनों की जानी-मानी निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने आज TVS NTORQ 125 डिस्क और रेस एडिशन वेरिएंट्स के लिए शानदार नए रंगों और ग्राफिक्स को पेश करने की घोषणा की। TVS NTORQ 150 के सफल लॉन्च और पिछले साल TVS NTORQ Race XP में किए गए फीचर अपग्रेड के बाद, यह नया अपडेट त्योहारों के सीजन से पहले स्टै छज्जेक्ट पोर्टफोलियो को नया रूप देता है। स्कूटर सेगमेंट में बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए मशहूर, नई TVS NTORQ रेंज के स्टाइल में भी शानदार बदलाव किए गए हैं, जो इसके स्पोर्टी और युथफुल लुक को और भी आकर्षक बनाते हैं। TVS NTORQ 125 रेस एडिशन तीन नए बोल्ड कलर कॉम्बिनेशन - ड्रिफ्ट ब्लू, इग्नाइट रेड और रश ग्रीन - में आएगा। इनके साथ कलर्ड एलॉय व्हील्स इसके स्पोर्टी स्टाइल को और भी शानदार बनाते हैं। रेसिंग और ट्रैक की एनर्जी से प्रेरित, ये नए कलर टीवीएस रेसिंग के जोश और फुर्ती को दर्शाते हैं। परफॉर्मेंस और युथफुल एनर्जी को पसंद करने वाले राइडरों के लिए बने ये आकर्षक नए शेड्स और ग्राफिक्स स्टै TVS NTORQ की जबरदस्त स्टाइल और स्पोर्टी अंदाज को और बेहतर बना देते हैं, साथ ही रेस एडीशन की खास अपील को और भी आकर्षक बनाते हैं। TVS NTORQ 125 डिस्क वैरिएंट का स्टाइल दो नए कलर ऑप्शन - मिडनाइट ब्लैक और स्पीति व्हाइट - के आने से और भी बेहतर हो गया है। इसके अलावा, मौजूदा नार्डो ग्रे कलर में अब पहले से अधिक शार्प ग्राफिक्स दिए गए हैं, जिससे इस वैरिएंट का लुक और भी आधुनिक और डायनामिक हो गया है। परफॉर्मेंस और कनेक्टिविटी पैकेज को बरकरार रखते हुए, इसमें TVS SmartXonnectTM ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और फुली डिजिटल आरएलसीडी इंस्ट्रूमेंट कंसोल भी शामिल है, जो स्टै छज्जेक्ट के सभी वेरिएंट्स में मिलता है। नए रंग और ग्राफ़िक एलिमेंट्स स्कूटर के शानदार स्ट्रीट लुक को और भी बेहतर बनाते हैं। लॉन्च के बाद से ही, भारत का नंबर 1 स्पोर्टी स्कूटर TVS NTORQ, अपने स्पोर्टी स्टाइल और परफॉर्मेंस के संयोजन के साथ ग्राहकों को खूब लुभा रहा है। टीवीएस रेसिंग की पहचान से प्रेरित, यह स्कूटर 125सीसी स्पोर्टी स्कूटर सेगमेंट में सबसे लोकप्रिय पेशकशों में से एक है। TVS NTORQ ने वर्तमान में चल रहे वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के साथ साझेदारी भी की है। नए कलर और स्टाइल में TVS NTORQ 125 डिस्क और रेस एडिशन वेरिएंट टीवीएस मोटर की सभी डीलरशिप पर क्रमशः रु 82,500 और रु87,950 (एक्स-शोरूम दिल्ली) की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होंगी।

रंगदारी के लिए बदमाशों ने किया पूर्व वार्ड पार्षद के घर हमला, पत्थरबाजी व तोड़फोड़

दानापुर। नगर परिषद के वार्ड 12 के पूर्व वार्ड पार्षद रेणु देवी के घर असमाजिक तत्वों द्वारा विगत देर रात पत्थरबाजी व तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित रेणु देवी ने स्थानीय थाने में पांच लोगों के खिलाफ रंगदारी न जान से मारने का आरोप लगा लिखित शिकायत दर्ज कराया है। जानकारी देते हुए पूर्व वार्ड पार्षद के पति जयन्त कुमार ने बताया कि विगत देर रात पास के रहने वाले उपेन्द्र कुमार, पंचम यादव के अलावा अन्य आधा दर्जन लोग गुट बनाकर घर पर आकर पत्थरबाजी व तोड़फोड़ करने लगे। आसपास के लोग भी डरकर घर में छुपे रहे। वे सभी रंगदारी की मांग करते हुए हवाई फायरिंग कर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि ये सभी दबंग व अपराधी किस्म के है। वे कभी भी उनकी हत्या कर सकते है। उन्होंने स्थानीय पुलिस थाने में आवेदन देकर सुरक्षा व बदमाशों के ऊपर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। वहीं मामला संज्ञान आने के बाद स्थानीय पुलिस घटनास्थल स्तर का मुआयना कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

सीए फैक्ट्री बन चुका जेनिथ कॉमर्स की ऐतिहासिक घोषणा — अब मात्र 101 में सीए कोर्स में नामांकन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना/रांची। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) दिवस के पावन अवसर पर बिहार एवं झारखंड के सबसे पुराने एवं प्रतिष्ठित कॉमर्स कोचिंग संस्थानों में से एक जेनिथ कॉमर्स एकेडमी ने विद्यार्थियों के हित में एक ऐतिहासिक घोषणा की है। संस्थान ने निर्णय लिया है कि सीए दिवस के अवसर पर CA फाउंडेशन कोर्स में मात्र 101 के नामांकन शुल्क पर प्रवेश दिया जाएगा। संस्थान के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि इस विशेष पहल का उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आर्थिक बाधाओं से मुक्त कर उन्हें चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने की दिशा में प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि "प्रतिभा किसी की आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होती। हमारा प्रयास है कि हर योग्य विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सही मार्गदर्शन मिले।" डॉ. सुनील कुमार सिंह देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान IIM से प्रबंधन की शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं तथा उन्हें 25 वर्षों से अधिक का शिक्षण अनुभव है। इस दौरान वे 50,000 से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा एवं करियर मार्गदर्शन प्रदान कर चुके हैं। उनके निर्देशन में अनेक विद्यार्थियों ने CA, CS, CMA सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। शिक्षाविद सुनील कुमार सिंह को कॉमर्स और क्रिकेट के क्षेत्र में बेहतरीन योगदान के लिए कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि "चार्टर्ड अकाउंटेंट केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था की मजबूत नींव है। जेनिथ कॉमर्स एकेडमी का लक्ष्य बिहार एवं झारखंड के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के सफल चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में तैयार करना है।" उन्होंने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से इस विशेष अवसर का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि 101 में नामांकन की यह सुविधा केवल सीमित समय और सीमित सीटों के लिए उपलब्ध रहेगी।

प्रवेश केंद्र

पटनाः मॉं भगवती कॉम्प्लेक्स, बोरिंग रोड चौराहा, पटना **रांचीः** तीसरी मंजिल, हरिओम टॉवर, लालपुर, रांची

संपर्क करें

मोबाइलः 9334102794

जेनिथ कॉमर्स एकेडमी "सीए फैक्ट्री – जहाँ तैयार होते हैं भविष्य के सफल चार्टर्ड अकाउंटेंट।"

पत्रकारों द्वारा मनाया गया ऑल इंडिया पत्रकार एकता संघ हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता गुलशन कुमार ग्रोवर का जन्मदिन

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र। ऑल इंडिया पत्रकार एकता संघ हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता गुलशन कुमार ग्रोवर का जन्मदिन पत्रकार साथियों द्वारा हर्षोल्लास एवं आत्मीय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने केक काटकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि गुलशन कुमार ग्रोवर लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। उन्होंने सदैव पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा तथा संगठन को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। उनके कार्यों से अनेक युवा पत्रकारों को भी प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर गुलशन कुमार ग्रोवर ने सभी पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साथियों द्वारा दिया गया सम्मान उनके लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी निष्पक्ष, सकारात्मक एवं जनहित की पत्रकारिता के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे तथा पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा एक-दूसरे को शुभकामनाएं देने तथा संगठन की एकता, मजबूती और पत्रकार हितों के लिए मिलकर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।इस अवसर पर प्रदेश मुख्य सलाहकार राजकुमार वालिया, मुख्य प्रदेश संरक्षक दलबीर मलिक, जिला प्रधान गुरदीप सिंह गुजराल, जिला महासचिव सुधीर कुमार, हरी दास, धर्म सिंह जोगनाखेड़ा, कुलवंत बग्गा, सुरेश कुमार शर्मा, इत्यादि उपस्थित रहे।

भगवान सुपार्श्वनाथ स्वामी का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव नौबतपुर जैन अतिशय तीर्थ सहित पटना के सभी जैन मंदिरों में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न

नई सोच एक्सप्रेस

भगवान सुपार्श्वनाथ स्वामी के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव के अवसर पर शुक्रवार को पटना सहित विभिन्न जैन मंदिरों में श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास का वातावरण रहा। इस अवसर पर श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों एवं पूजन कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। मौके पर जैन समाज के एम पी जैन ने बताया कि लगभग 700 वर्ष प्राचीन इस अतिशय तीर्थ में पटना नगर के अलावा आरा एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। प्रातःकाल भगवान सुपार्श्वनाथ स्वामी का 108 कलशों से भव्य महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा, जन्माभिषेक तथा विधिवत पूजन-अर्चन संपन्न हुआ। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से मंत्रोच्चार करते हुए जन्म एवं तप कल्याणक का उत्सव मनाया। इस अवसर पर मंदिर में चल रहे जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य की भी जानकारी दी गई। वर्तमान में मकराना के उत्कृष्ट संगमरमर से मंदिर की बाहरी दीवारों एवं वेदी का कलात्मक नक्काशीदार निर्माण कराया जा रहा है, जिससे मंदिर की प्राचीन गरिमा और भव्यता में और अधिक निखार आ रहा है। जैन परंपरा में यह मान्यता है कि किसी प्राचीन जिनालय का जीर्णोद्धार कराने से सौ नए मंदिरों के निर्माण के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। मौके पर बिहार स्टेट दिगम्बर जैन कमिटी के मानद सचिव पराग जैन ने कहा कि नौबतपुर स्थित यह मंदिर अत्यंत प्राचीन एवं अतिशयकारी है, जिसके प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। उन्होंने बताया कि मंदिर में अभी कई महत्वपूर्ण विकास एवं जीर्णोद्धार कार्य शेष हैं। प्रथम चरण में बाहरी संरचना तथा वेदी के सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है। शशांक जैन ने समाज के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से तन, मन एवं धन से मंदिर के विकास एवं जीर्णोद्धार कार्य में सहयोग देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह कार्य हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का महत्वपूर्ण अभियान है तथा इसकी सुरक्षा एवं विकास हम सभी का प्रथम कर्तव्य है। महोत्सव में पटना नगर के स्थानीय जैन समाज के साथ-साथ आरा एवं अन्य क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर भगवान सुपार्श्वनाथ स्वामी के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर।

प्रोफेशनल एनरिचमेंट कॉन्क्लेव का शुभारंभ, आधुनिक शिक्षण पर हुआ मंथन

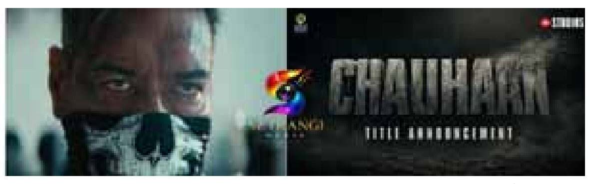

नई सोच एक्सप्रेस

बस्ती। कर्मा देवी शैक्षणिक समूह के दो दिवसीय प्रोफेशनल एनरिचमेंट कॉन्क्लेव-2026 का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में कर्मा देवी समूह तथा जीडी गोयनका स्कूल, बरेली के शिक्षकों ने भाग लेकर आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, तकनीकी नवाचार और नेतृत्व क्षमता पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीआईजी संजीव त्यागी, जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना, समूह के चेयरमैन (सेवानिवृत्त आईएएस) ओ.एन. सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशु सिंह गौतम एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सीईओ अंशु सिंह गौतम ने कहा कि शिक्षा में केवल बदलाव नहीं, बल्कि सोच में परिवर्तन जरूरी है। जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना ने शिक्षकों से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का आह्वान किया। डीआईजी संजीव त्यागी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर लेकर आई है और शिक्षकों को तकनीक के साथ स्वयं को लगातार अपडेट रखना होगा। अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. रक्षित टंडन ने ऑनलाइन माध्यम से साइबर सुरक्षा और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग पर जानकारी दी। चेयरमैन ओ.एन. सिंह ने सफल नेतृत्व के लिए स्पष्ट दृष्टि, अनुशासन और प्रभावी क्रियान्वयन को आवश्यक बताया। कॉन्क्लेव के पहले दिन आइस ब्रेकिंग सत्र, पैनल चर्चा, शोध-पत्र प्रस्तुतीकरण और खेल गतिविधियों का आयोजन हुआ। आयोजकों के अनुसार दूसरे दिन शिक्षा, अनुसंधान, तकनीक और नवाचार से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों के सत्र आयोजित किए जाएंगे।

कर्मा देवी समूह के प्रोफेशनल एनरिचमेंट कॉन्क्लेव का शुभारंभ, डीएम-डीआईजी ने किया शिक्षकों का मार्गदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

बस्ती। कर्मा देवी शैक्षणिक समूह के दो दिवसीय प्रोफेशनल एनरिचमेंट कॉन्क्लेव-2026 का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में कर्मा देवी समूह और जीडी गोयनका स्कूल, बरेली के शिक्षकों ने भाग लिया। उद्घाटन डीआईजी संजीव त्यागी, जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना, समूह के चेयरमैन (सेवानिवृत्त आईएएस) ओ.एन. सिंह, सीईओ अंशु सिंह गौतम व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सीईओ अंशु सिंह गौतम ने शिक्षकों से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और जीवन कौशल विकसित करने का आह्वान किया। डीएम कृतिका ज्योत्स्ना ने कहा कि शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की आधारशिला है, जबकि डीआईजी संजीव त्यागी ने एआई और तकनीक के साथ शिक्षकों को स्वयं को लगातार अपडेट रखने की जरूरत बताई। अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. रक्षित टंडन ने ऑनलाइन माध्यम से साइबर सुरक्षा और डिजिटल जागरूकता पर जानकारी दी। कॉन्क्लेव में आइस ब्रेकिंग सत्र, पैनल चर्चा, शोध पत्र प्रस्तुतीकरण तथा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की गईं। दिन का समापन इनडोर और आउटडोर खेल प्रतियोगिताओं के साथ हुआ। आयोजकों के अनुसार दूसरे दिन शिक्षा, अनुसंधान, तकनीक और नवाचार से जुड़े कई महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए जाएंगे।

गांधीनगर में सदस्य-बुनकरों के लिए तीन दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण का सफल समापन

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी /गांधीनगर। वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत विकास आयुक्त (हथकरघा) द्वारा उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई),अहमदाबाद में आयोजित तीन दिवसीय प्रोड्यूसर कंपनी के सदस्य बुनकरों हेतु क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम" का द्वितीय बैच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ | प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 राज्यों से आए बुनकर प्रोड्यूसर कंपनियों के सदस्य-बुनकरों एवं निदेशकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया | इस दौरान प्रतिभागियों को उद्यमिता,व्यवसाय प्रबंधन,विपणन,वित्तीय सशक्तिकरण तथा आधुनिक कार्यप्रणालियों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया गया | कार्यक्रम में बुनकर अध्यक्ष मोहम्मद स्वालेह अंसारी,बजरडीहा प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक हामिद सलमान, वलीदपुर प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक सरफराज,कोटवा प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक अनवर सहित विभिन्न प्रोड्यूसर कंपनियों के निदेशक भी शामिल रहे | प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों को बुनकरों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया | यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ईडीआईआई के जीआई प्रमुख इन्द्र वदन के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया ||

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 सरकार का बड़ा फैसला,अब पहले की ही तरह आसानी से मिलेंगे सिलेंडर,हटी पाबंदी,LPG सप्लाई में सुधार के बाद फैसला

2 राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि किसी भी देश की सैन्य तैयारी और रणनीतिक ताकत के लिए स्वदेशी रक्षा क्षमताएं,आधुनिक तकनीक और मजबूत घरेलू उद्योग बेहद जरूरी हैं। उन्होंने MES के प्रशिक्षु अधिकारियों से आत्मनिर्भरता,सतत विकास और नवाचार को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

3 आपातकाल इतिहास का काला अध्याय,अमित शाह का कांग्रेस पर प्रहार,कहाःकुचली गई संविधान की आत्मा

4 1 जुलाई से पासपोर्ट बनवाना होगा महंगा,नॉर्मल कैटेगरी पासपोर्ट 2,500 और तत्काल 5,000 में बनेगा,खोने या डैमेज होने पर 8,500 तक फीस

5 पत्रकारों से सवालों पर भड़के सांसद संजय पाटिल,कहाःदोबारा आए तो मार डालूंगा, डिप्टी सीएम शिंदे बोले-मीडिया से माफी मांगे

6 सांसद एकजुट, बगावत का दावा पूरी तरह झूठा,शरद पवार बोलेःNCP में नहीं होगी टूट;सुप्रिया सुले ने भी कसा तंज

7 राम मंदिर दान चोरी मामलाःदर्ज हुई पहली FIR,दो लोग किए गए गिरफ्तार,6 हिरासत में;चंपत राय और अनिल मिश्र दे सकते हैं ट्रस्ट से इस्तीफा

8 राम मंदिर चढ़ावा चोरी के प्रकरण में जिन पर केस दर्ज हुआ है,वे सभी छोटी मछलियां हैं। आशंका थी कि एफआईआर की आंच किसी बड़े तक नहीं पहुंचेगी,वैसा ही हुआ। ट्रस्ट के बड़े नाम चंपत राय और अनिल मिश्रा व निर्माण समिति के सहायक गोपाल राव का केस में कहीं कोई जिक्र नहीं है। साफ है कि फिलहाल उन्हें बचा लिया गया है।

9 अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवसःविकसित भारत के लिए नशामुक्त भारत का संकल्प लेना जरूरी,बचेंगी करोड़ों जिंदगियां

10 केतन मर्डर केसः 'अगर मेरी बेटी ने केतन को मारा है तो उसी किले से फेंक दो',सिया गोयल के पिता का बड़ा बयान

11 अमेजन भारत में 1.23 लाख करोड़ का निवेश करेगी,PM मोदी से मिले CEO एंडी जेसी;AI-क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार होगा,38 लाख नौकरियां मिलेंगी

12 चलते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल दुनिया भर में पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित रहने से आसपास की गतिविधियों पर नजर कम हो जाती है,जिससे सड़क दुर्घटनाओं,टकराव और गिरने जैसी घटनाओं का जोखिम बढ़ता है। जापान समेत कई देशों में ऐसे मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है और जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं

13 भारत ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया, विमेंस वर्ल्डकप में सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम;शेफाली का अर्धशतक,राधा ने 3 विकेट लिए

14 कोलकाता- जयपुर में तेज बारिश,सड़कें डूबीं,अस्पताल-दुकानों में पानी घुसा;MP के इंदौर के 15 पर्यटन स्थल बंद,यूपी और बिहार में हीटवेव

15 Earthquake: वेनेजुएला में 164 लोगों की मौत,971 घायल,सैकड़ों अब भी लापता

16 कमर्शियल सिलिंडर पर केंद्र सरकार का बड़ा फैसला,गैर-घरेलू पैक्ड LPG पर लगाए गए सभी प्रतिबंध हटाए

17 तेरहवीं के बाद घर लौटा 'मृत' युवक,नहर में मिला शव आखिर किसका था? पुलिस भी उलझी रहस्यमयी मामले में

18 राम मंदिर चंदा चोरी मामलाःट्रस्ट ने 6 कैशियर सहित 8 लोगों पर दर्ज कराई FIR

19 बेंगलुरु ट्रिपल मर्डर केस में बेटी निकली कातिल, लिव-इन-रिलेशनशिप का विरोध करने पर मां-पिता और बहन को चाकू से काटा

20 1 करोड़ 10 लाख लोगों की जबरिया कराई नसबंदी,जेपी नड्डा ने बिहार में कांग्रेस पर बोला हमला

21 NCERT के सिलेबस में 1975-1977 इमरजेंसी सेक्शन शामिल,कक्षा 9वीं को पढ़ाया जाएगा; इलेक्शंस चैप्टर में चुनाव आयोग की भी तारीफ

22 हाईटेंशन लाइन से टकराया ताजिया,3 लोगों की मौत,रतलाम में 10 से ज्यादा झुलसे,5 गंभीर;मुहर्रम जुलूस में 200 लोग थे शामिल

23 कोलकाता में बारिश से सड़कें डूबीं, जगह-जगह ट्रैफिक जाम,दिल्ली-NCR में आंधी-बारिश से पेड़ गिरने,टेंट-शेड उड़ने का खतरा;गोवा में टूरिस्ट समुद्र में बहा

24 हरदीप सिंह पुरी ने ईरान के तेल मंत्री से की तेहरान और नई दिल्ली के बीच ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा

25 PoK:लोगों को भूखा रख-नौकरियां छीन विद्रोह को दबाने में जुटी शहबाज सरकार,17 दिन से पीओके में प्रदर्शन जारी

26 बैरियर तोड़ उत्तराखंड की सीमा में घुसे निहंगःतलवारें लहराईं,कहां गए किसी को पता नहीं;सड़कों पर उतरी फोर्स

27 West Asia: दक्षिण लेबनान में IDF की गोलीबारी तीन की मौत;UN की एजेंसी ने रोकी होर्मुज में जहाजों की निकासी

28 मोदी ने वेनेजुएला में आये विनाशकारी भूकंप पर जतायी चिंता,हरसंभव मदद देने की जतायी इच्छा

29 तारातला गोदाम हादसाःमृतकों की संख्या 9 पहुंची,बचाव अभियान जारी, मुख्यमंत्री ने किया मुआवजे का ऐलान

30 खत्म हुआ इंतजारः31 मार्च 2004 से पहले बने मकान अब होंगे आपके नाम,सरकार ने बदला 62 साल पुराना नियम!

31 PM मोदी का बड़ा ऐलान-तारातला गोदाम शेड हादसे के मृतकों को 2 लाख और घायलों के लिए 50,000 रुपये दिए जाएंगे

32 भारत की तीसरी जीत,बांग्लादेश को हराया,सेमीफाइनल में उम्मीदें कायम

33 अमित शाह ने लॉन्च किया एंटी-ड्रग विजन,3 साल में नेटवर्क खत्म करने का लक्ष्य

34 बिहारःप्रशांत किशोर ने बांकीपुर विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ने का ऐलान किया

35 वोटर लिस्ट SIR का एक साल,अब तक लगभग 6 करोड़ वोटरों के नाम हटाए गए

36 बिहारःराबड़ी देवी के 10 सर्कुलर रोड आवास के अंदर और बाहर लगे CCTV कैमरे हटाए गए

37 UP: राम भक्तों की अग्निपरीक्षा मत लो,देवरिया में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

38 तमिलनाडु CM ने PM मोदी से NLC इंडिया में हिस्सेदारी बेचने का फैसला रोकने की अपील की

39 आरा के बहुचर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में मृतक के भाई चंदन तिवारी ने देर रात पुलिस द्वारा धमकाने और संदिग्ध गाड़ियों के मंडराने की पूरी शिकायत जांच करने आए पूर्व न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा से की। इस पर जज साहब ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि बिना किसी पूर्व सूचना के रात में इस तरह आना बिल्कुल गलत है और वे इस मामले में वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर उचित कार्रवाई करेंगे

40 अयोध्या चंदा चोरी मामलाःसभी आरोपियों को तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

किस दिशा में मुख करके करें गायत्री मंत्र का जाप?

गायत्री मंत्र एक महत्वपूर्ण मंत्र है। इसे वेदों का नेत्र भी कहा जाता है। यह मंत्र सृष्टि के रचयिता, सविता देवता की स्तुति करता है। गायत्री मंत्र का उच्चारण करने से व्यक्ति में ज्ञान, बुद्धि और तेज बढ़ता है। यह मंत्र मन को शांत करता है और आत्मिक उन्नति में सहायक होता है।

गायत्री मंत्र का शाब्दिक अर्थ है गायत्री छंद में रचा गया मंत्र। इस मंत्र का अर्थ बहुत गहरा और रहस्यमय है। इसे पूरी तरह से समझने के लिए गहन अध्ययन की आवश्यकता होती है। सनातन धर्म में इस मंत्र को सर्वोपरि माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है। साथ ही अक्षय फल की भी प्राप्ति होती है। गायत्री मंत्र सौभाग्यशाली मंत्र माना जाता है। इस मंत्र का उच्चारण मात्र ही जातक को सभी परेशानियों सा छुटकारा मिल जाता है। साथ ही जीवन में चल रही परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में अगर आप गायत्री मंत्र का जाप कर रहे हैं, तो किस दिशा में मुख करके पढ़ने से लाभ हो सकता है।

किस दिशा में मुख करके करें गायत्री मंत्र का जाप?

गायत्री मंत्र का जाप पूर्व दिशा की ओर मुख करके करना चाहिए। पूर्व दिशा को सूर्योदय की दिशा माना जाता है और सूर्य को देवताओं का देवता माना जाता है। इसलिए, पूर्व दिशा में मुख करके जाप करने से सूर्यदेव की कृपा प्राप्त होती है। उत्तर दिशा को भी गायत्री मंत्र जाप के लिए शुभ मानते हैं। उत्तर दिशा को ज्ञान और शांति की दिशा माना जाता है। इसके अलावा पश्चिम या दक्षिण दिशा में भी मुख करके गायत्री मंत्र का जाप करना उत्तम फलदायी माना जाता है।

गलत दिशा में बैठकर न करें गायत्री मंत्र का जाप

शास्त्रों के अनुसार गायत्री मंत्र का जाप करते समय आपको दिशा का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। यदि आप सुबह इस मंत्र का जाप कर रहे हैं तो इसे पूर्व दिशा की तरफ मुंह करके पढ़ें। ऐसा इसलिए अच्छा माना जाता है क्योंकि सूर्य इसी दिशा से निकलता है और इस दिशा की तरफ बैठकर जाप करने से गायत्री मंत्र के साथ सूर्य की पूर्ण ऊर्जा भी घर में प्रवेश करती है।

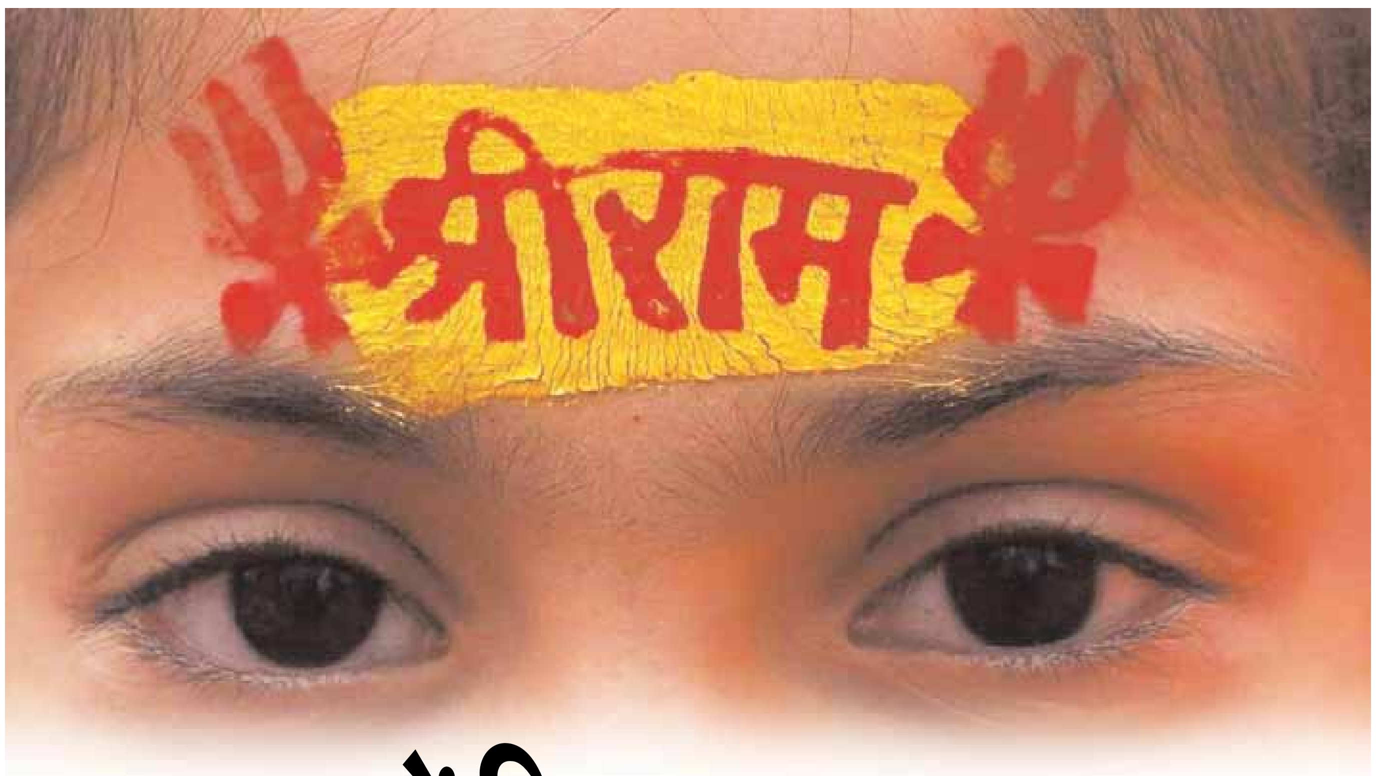

राम नाम में छिपा हुआ है आलौकिक रहस्य

राम नाम है तो भले ही दो अक्षर का, लेकिन इसका अर्थ बहुत गहरा है। राम सिर्फ एक नाम नहीं है बल्कि इस दो अक्षर वाले नाम के पीछे आलौकिक रहस्य छिपा हुआ है। ऐसे में आइये जानते हैं राम नाम का अर्थ क्या है।

भगवान श्री राम का यह नाम तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आपको पता हा कि इस नाम का अर्थ है। राम नाम है तो भले ही दो अक्षर का, लेकिन इसका अर्थ बहुत गहरा है। राम सिर्फ एक नाम नहीं है बल्कि इस दो अक्षर वाले नाम के पीछे आलौकिक रहस्य छिपा हुआ है। ऐसे में आइये जानते हैं राम नाम का अर्थ क्या है।

श्री राम नाम का क्या मतलब होता है?

राम शब्द भारतीय संस्कृति और धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र नाम है। यह न केवल भगवान विष्णु के सातवें अवतार, मर्यादा पुरुषोत्तम राम का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि इसका गहरा आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ भी है। सरल शब्दों में कहें तो राम नाम एक ऐसा बीज मंत्र है जिसमें ब्रह्मांड की सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति समाहित है। व्याकरण की दृष्टि से देखें तो राम शब्द दो अक्षरों से मिलकर बना है - रा और म। प्रत्येक अक्षर का अपना विशेष महत्व है। रा अक्षर अग्नि तत्व का प्रतीक है और यह हमारी नकारात्मक ऊर्जा, पापों और अज्ञान को जलाने की शक्ति रखता है। यह प्रकाश, ज्ञान और चेतना का भी प्रतिनिधित्व करता है। सरी ओर, म अक्षर जल तत्व का प्रतीक है और यह शीतलता, शांति और अमृतत्व का प्रतिनिधित्व करता है। यह स्थिरता, पोषण और रचनात्मकता का भी प्रतीक है।

इस प्रकार, राम नाम इन दो शक्तिशाली तत्वों का एक संयोजन है, जो विनाश और सृजन, गर्मी और शीतलता, ज्ञान और शांति के बीच संतुलन स्थापित करता है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, राम नाम को ब्रह्मांड की आत्मा माना जाता है। यह वह ध्वनि है जो हर जीव और निर्जीव में व्याप्त है। कुछ आध्यात्मिक परंपराओं में राम नाम को अनाहत नाद या दिव्य ध्वनि के रूप में भी देखा जाता है, जो सृष्टि की शुरुआत से ही गूंज रही है। इस नाम का जाप करने से व्यक्ति अपने अंतरतम सत्य और ब्रह्मांडीय चेतना से जुड़ सकता है।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम के संदर्भ में, राम नाम उनके गुणों और आदर्शों का प्रतीक बन गया है। वे सत्य, धर्म, न्याय, करुणा और त्याग के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी मर्यादा और नैतिक मूल्यों का पालन कैसे किया जाए। इसलिए, राम नाम का स्मरण न केवल भगवान के प्रति भक्ति व्यक्त करता है, बल्कि उनके गुणों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा भी देता है।

संक्षेप में, राम नाम मात्र एक शब्द नहीं है, बल्कि यह एक शक्तिशाली मंत्र है जिसमें आध्यात्मिक गहराई, दार्शनिक अर्थ और नैतिक प्रेरणा समाहित है। यह नकारात्मकता को दूर करने, सकारात्मकता को आकर्षित करने, मानसिक शांति प्राप्त करने और आध्यात्मिक विकास की ओर बढ़ने में सहायक है। यह भगवान राम के दिव्य स्वरूप और उनके उदात्त गुणों का स्मरण कराता है और हमें एक धार्मिक और नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

नारद घाट जहां स्नान करने से टूट जाते हैं पारिवारिक रिश्ते

हिन्दू धर्म शास्त्रों में ऐसा बताया गया है कि किसी भी पवित्र नदी के घाट पर स्नान करने से जीवन के दुखों का नाश होता है और सुखों की प्राप्ति होती है। विशेष तौर पर गंगा स्नान करने से पाप मिट जाते हैं और पुण्यों में वृद्धि होती है, लेकिन ज्योतिषाचार्य ने हमें एक ऐसे घाट के बारे में बताया जहां अगर एक परिवार के लोग साथ में स्नान कर लें तो पारिवारिक क्लेश जन्म ले लेता है और रिश्तों में दरार आ जाती है। आइये जानते हैं कौन सा है ये घाट और क्या है इससे जुड़ी इस मान्यता के पीछे का सत्य।

किस घाट पर स्नान करने से परिवार में क्लेश पैदा होता है?

शास्त्रों में गंगा घाट का बहुत महत्व माना गया है। बनारस में गंगा किनारे 84 घाट मौजूद हैं। हर घाट का अपना महत्व और रहस्य है। इन्हीं में से एक है नारद घाट। नारद घाट को लेकर ऐसा कहा जाता है कि यहां स्नान करने से पारिवारिक रिश्ते टूट जाते हैं। यानी कि पति-पत्नी, सास-बहु, नंद-भाभी, भाई-बहन आदि साथ में स्नान करें तो रिश्तों में दरार आ जाती है। नारद घाट को लेकर प्रचलित धारणा कहती है कि चूंकि नारद जी का स्वभाव इधर की बात उधर करने का था जिससे दैत्यों और देवताओं में युद्ध छिड़ जाता था, इसी कारण इस घाट पर स्नान करने से वही प्रभाव लोगों के जीवन में भी नजर आता है। हालांकि, नारद घाट सिर्फ एक घाट नहीं है बल्कि यहां प्राचीन शिवलिंग स्थापित है जिसे स्वयं नारद जी ने विराजित किया था।

नारद घाट पर मौजूद शिवलिंग को नारदेश्वर शिव के नाम से जाना जाता है। दरअसल, शास्त्रों में बताया गया है कि नारद जी ब्रह्मचारी थे। इसी स्थान पर उन्होंने पहली बार भगवान विष्णु के बजाय भगवान शिव की तपस्या की थी और शिवलिंग की स्थापना की थी। तब भगवान शिव ने उन्हें यह आशीर्वाद दिया था कि नारद घट पर स्नान करने वाले को आध्यात्मिक बल प्राप्त होगा। तभी से यह परंपरा शुरू हुई कि बनारस में मौजूद नारद घाट साधु-संतों के लिए उत्तम स्थान है गंगा स्नान और तप हेतु एवं चूंकि यहां संत स्नान के लिए आएंगे ऐसे में गृहस्थियों का इस घाट पर स्नान करना उचित नहीं है। हालांकि बाद में इस तथ्य को एक लोक धारणा बना दिया गया और उसे पारिवारिक क्लेश के साथ जोड़ दिया गया जो कि पूर्णत: गलत है और शास्त्र विरुद्ध है।

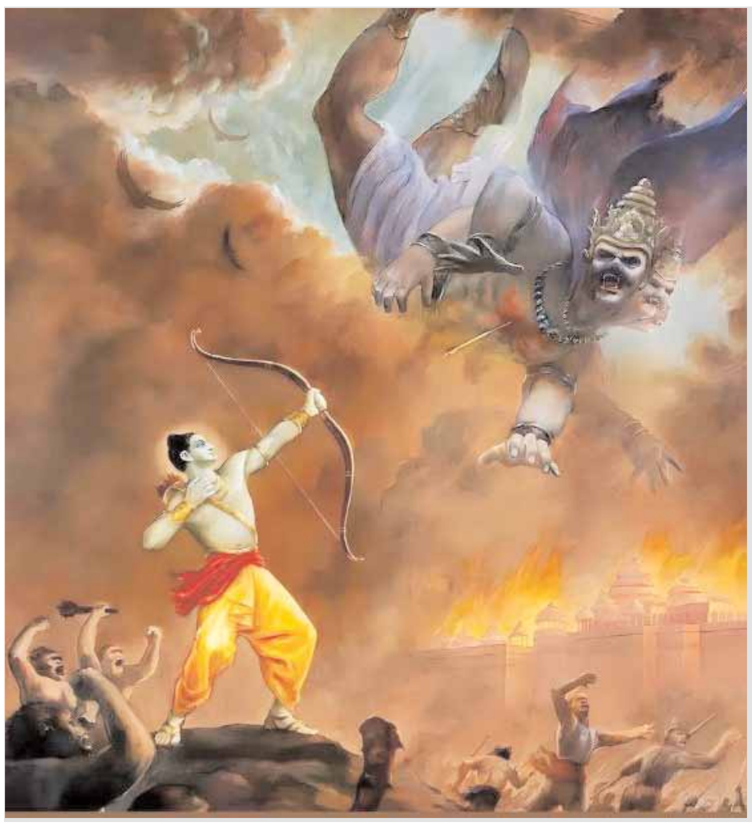

श्री राम ने रावण को 32 बाण ही क्यों मारे थे

रामायण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि मृत्यु बाण के प्रयोग से पहले श्री राम ने रावण को 32 बाण मारे थे। आखिर क्या है इन 32 बाणों का रहस्य और क्यों श्री राम ने न कम न ज्यादा, ठीक 32 बाणों से ही रावण पर प्रहार किया।

रामायण से जुड़े ऐसे कई रहस्य हैं जो बेहद रोचक और गुप्त हैं। इन्हीं में से एक है 32 बाणों का रहस्य। यमराज ने रावण के नाम का एक बाण बनाया जिसे आघात से रावण की मृत्यु होनी तय थी। इसलिए उस बाण का नाम मृत्यु बाण पड़ा। हालांकि रावण ने इसे चुरा लिया था ताकि वह अपनी मृत्यु को टाल सके, लेकिन हनुमान जी ने इस बाण को रावण की लंका से लेजाकर श्री राम को सौंप दिया था। इसके बाद युद्ध के दौरान श्री राम ने रावण पर इसी मृत्यु बाण का प्रयोग कर उसका वध किया था। मगर, रामायण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि मृत्यु बाण के प्रयोग से पहले श्री राम ने रावण को 32 बाण मारे थे। आखिर क्या है इन 32 बाणों का रहस्य और क्यों श्री राम ने न कम न ज्यादा, ठीक 32 बाणों से ही रावण पर प्रहार किया।

श्री राम ने रावण को क्यों मारे थे 32 बाण?

लंकापति रावण सभी वेदों, पुराणों, ग्रंथों, महाकाव्यों आदि का ज्ञाता था। रावण को हर प्रकार की पूजा पद्धति के बारे में गहराई तक जानकारी थी। सामान्य पूजा-पाठ से लेकर यज्ञ-अनुष्ठान तक रावण को सभी विधियों के बारे में ज्ञात था। इसी कारण से रावण को परम ज्ञानी कहा जाता है। रावण जितना ज्ञानी था उतना ही बड़ा भक्त भी। रावण ने भगवान शिव के लिए शिव स्तुति स्तोत्र की रचना की थी। रावण भगवान शिव शंकर महादेव का अनन्य भक्त था, लेकीन अपनी परम भक्ति और असीमित ज्ञान के कारण लंकेश रावण में अहंकार भी भयंकर रूप से विद्यमान था। रामायण में उल्लेख मिलता है कि भक्ति और ज्ञान के कारण रावण के भीतर 32 गुण संचालित थे लेकिन मात्र 4 अवगुणों के प्रभाव के कारण रावण ने न सिर्फ जीवन भर अधर्म किया बल्कि स्त्री का मान भंग करने जैसा जघन्य अपराध भी किया था। रावण के अवगुण उसके गुण पर हावी थे। इन्हीं गुणों को उसकी मृत्यु से पहले नष्ट करने के लिए श्री राम ने 32 बाण चलाये थे। शास्त्रों में यह बताया गया है कि किसी भी पापी की मृत्यु का जब समय आता है तो उसके गुणों का नाश होने लग जाता है। श्री राम ने रावण के इन्हीं 32 गुणों का नाश कर उसे अंत में मृत्यु प्राप्त कराई थी।

पूजा घर में पानी रखना क्यों है जरूरी

पूजा कक्ष में पानी क्यों रखते हैं? सभी घरों में पूजाघर होता है, जहां पर पूजन सामग्री के अलावा शंख, गरुढ़ घंटी, कौड़ी, चंदन बट्टी, तांबे का सिक्का, आचमन पात्री, गंगाजल और पानी का लोटा भी रखा जाता है। लोटा नहीं तो जल कलश रखते हैं। आखिर पूजा घर में यह पानी क्यों रखा जाता है। क्या है इसका कारण?

पवित्रता

प्रतिदिन पूजा के पूर्व हम जल से भगवान के विग्रह को स्नान कराने के बाद स्थान पर जल छिड़ककर उसे पवित्र करते हैं। इसीलिए जल की आवश्यकता हेतु एक लोटे में पानी रखा जाता है।

वरुण देव

जिस तरह गुरुड़देव की स्थापना गरुड़ घंटी के रूप में कि जाती है उसी प्रकार वरुण देव की स्थापना जल के रूप में की जाती है। ऐसा करने का कारण यह है कि जल की पूजा वरुण देव के रूप में होती है और वही दुनिया की रक्षा करते हैं।

तुलसी जल

पूजा घर में रखे जल में तुलसी के कुछ पत्ते डाल कर रखे जाते हैं जिसके चलते वह जल शुद्ध एवं पवित्र होने के साथ ही आचमन योग बन जाता है और इसी से जब हम पूजा स्थल को शुद्ध करते हैं तो देवी एवं देवता प्रसन्न होते हैं।

नैवद्य

नैवेद्य हम प्रतिदिन पूजा के बाद भगवान को प्रसाद अर्पण करते हैं जिसे नैवद्य कहते हैं। नैवद्य में मिठास या मधुरता होती है। आपके जीवन में मिठास और मधुरता होना जरूरी है। देवी और देवता को नैवद्य लगाते रहने से आपके जीवन में मधुरता, सौम्यता और सरलता बनी रहेगी। फल, मिठाई, मेवे और पंचामृत के साथ नैवेद्य चढ़ाया जाता है। नैवेद्य अर्पित करने के बाद भगवान को जल अर्पण करने के लिए ही पूजा घर में पानी रखा जाता है।

जल की स्थापना

पूजा घर या उत्तर एवं ईशान कोण में जल की स्थापना करने से घर में सुख एवं समृद्धि बनी रहती है। इसलिए पूजा घर में जल की स्थापना की जाती है। पूजा के स्थान पर तांबे के बर्तन में जल रखते हैं तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार जल रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

आरती

जब हम आरती करते है उसके बाद आरती की थाली पर थोड़ा सा जल लागकर आरती को ठंडा किया जाता है। इसके बाद चारों दिशाओं में और सभी व्यक्तियों पर जल का छिड़काव किया जाता है। इसके बाद सभी को चरणामृत प्रदान करके प्रसाद देते हैं। इसलिए भी जल को पूजाघर में रखा जाता है।

फिल्म

एडवांस बुकिंग में वेलकम टू द जंगल का तगड़ा धमाका, अक्षय कुमार की फिल्म ने रिलीज से पहले ही कमाए 1 करोड़

बॉ बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल ने एडवांस बुकिंग में बंपर कमाई कर ली है. फिल्म ने रिलीज से पहले ही एक करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. वेलकम टू द जंगल का पेड प्रीव्यू 25 जून की शाम में हो रहा है. पेड प्रीव्यू और ओपनिंग डे दोनों की बुकिंग को मिलाकर फिल्म ने एक करोड़ कमा लिए हैं. ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने बताया है, 24 जून की सुबह तक फिल्म ने एक करोड़ कमा लिए हैं. ये बुकिंग पेड प्रीव्यू और इसके ओपनिंग डे दोनों के ही हैं. रमेश बाला ने ये दावा किया है. आपको बता दें कि इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ रवीना टंडन, सुनील शेट्टी, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पाटनी, अरशद वारसी, तुषार कपूर, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर सहित करीब 30 बॉलीवुड स्टार्स नजर आने वाले हैं. ट्रेलर रिलीज के बाद से ही फिल्म को लेकर पॉजिटिव माहौल है. फिल्म के गाने भी पंसद किए जा रहे हैं. अहमद खान ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है. 26 जून को इस फिल्म को सोलो रिलीज मिली है. ऐसा प्रीडिक्शन है कि इस फिल्म को रिकॉर्ड ओपनिंग मिलने वाली है. थियेटर में फिलहाल शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका की फिलम कॉकटेल 2 चल रही है. ये फिल्म बंपर कमाई भी कर रही है.

इसने पांच दिनों में 106 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. ऐसे में वेलकम टू द जंगल के रिलीज से इस फिल्म को नुकसान हो सकता है. इसके अलावा दिलजीत दोसांझ की मैं वापस आउंगा फिल्म भी ठीकठाक कलेक्शन कर कर रही है. अगर वेलकम टू द जंगल फिल्म अच्छी चली तो इन फिल्मों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है. सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म में करीब 18 कट्स लगाए हैं. फिल्म से दिशा पाटनी और जैकलीन के कुछ सेंसुअल सीन्स को भी हटा दिया गया है. कुछ विवादित शब्द भी हटाए गए हैं. सेंसर बोर्ड से फिल्म को यूए16+ सर्टिफिकेट मिला है और सारे बदलाव के बाद फिल्म का रनटाइम 164.50 मिनट (यानी 2 घंटे, 44 मिनट और 50 सेकंड) का है.

बेहद हसीन दिखती हैं ईठा एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर, इंडियन हो या वेस्टर्न हर लुक में लगती हैं कमाल

बॉ बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ईठा को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. इस बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म में श्रद्धा तमाशा कलाकार, लावणी डांसर और लोक गायिका विठाबाई नारायणगांवकर की भूमिका निभा रही हैं. श्रद्धा अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश अंदाज को लेकर भी लगातार चर्चा में रहती हैं.फिल्म ईठा का धमाकेदार टीजर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. श्रद्धा कपूर ने एक बार फिर अपनी शानदार एक्टिंग से सबको हैरान कर दिया है.

फिल्मों में शानदार एक्टिंग के साथ-साथ श्रद्धा कपूर अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश अंदाज से भी फैंस का दिल जीतती रहती हैं. उनका हर लुक सोशल मीडिया पर छा जाता है. फैंस उनकी खूबसूरती पर दिल हार बैठते हैं. श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं. वेस्टर्न आउटफिट हो या ट्रेडिशनल, श्रद्धा हर स्टाइल को बेहद ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती हैं. श्रद्धा की सादगी और चार्म ही उन्हें बॉलीवुड की बाकी एक्ट्रेसेस से अलग बनाता है. उनका फैशन सेंस भी काफी यूनिक है. वो ट्रेंड्स को फॉलो करने के साथ-साथ अपना अलग स्टाइल स्टेटमेंट भी बनाती हैं. श्रद्धा अपनी नेचुरल ब्यूटी को लेकर भी फैंस के बीच चर्चा में रहती हैं. उनकी खूबसूरत स्माइल और पॉजिटिव पर्सनैलिटी हर आउटफिट में झलकती है. चाहे श्रद्धा कपूर सिंपल कैजुअल लुक में हों या फिर किसी ग्लैमरस अवतार में, श्रद्धा अपनी सादगी और एलिगेंस से सबका ध्यान खींच लेती हैं. श्रद्धा का मेकअप स्टाइल बेहद सॉफ्ट और नैचुरल रहता है, जो उनकी फीचर्स को और ज्यादा निखार देता है. वो अक्सर स्मोकी आईज, सॉफ्ट लिप्स और हल्के ग्लोइंग मेकअप के साथ नजर आती हैं. श्रद्धा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 93.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जो उनके हर नए लुक का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं. श्रद्धा भी अपने चाहने वालों को निराश नहीं करतीं और अक्सर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और स्टाइलिश लुक्स शेयर करती रहती हैं. ईठा की बात करें तो इस फिल्म के डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर हैं. वहीं, फिल्म को दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है. ये फिल्म 28 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. ईठा में श्रद्धा कपूर के अलावा रणदीप हुड्डा भी लीड रोल में हैं. इसके अलावा मोहम्मद जीशान अय्यूब भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

मैं वापस आऊंगा ने बॉक्स ऑफिस पर की धमाकेदार वापसी

50 करोड़ क्लब में एंट्री को तैयार, मां इंति बंगारम ने भी दिखाया दम

इ इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा 50 करोड़ रुपये के आंकड़े से बस थोड़ी दूर है। विभाजन पर बनी यह रोमांटिक फिल्म दिलजीत दोसांझ, शरवरी, वेदांग रैना और नसीरुद्दीन शाह जैसे बड़े कलाकारों के साथ बनी है। 12 जून को रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों से खूब प्यार मिला है और इसी वजह से इसने सिर्फ 12 दिनों में दुनियाभर से कुल 48.14 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। भारत में फिल्म ने 12वें दिन 3.10 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। यह कारोबार करीब 2,800 शोज से आया, जो पिछले कामकाजी दिन के मुकाबले 24 फीसदी ज्यादा है। इससे भारत में फिल्म की कुल नेट कमाई 29.85 करोड़ रुपये और ग्रॉस कमाई 35.54 करोड़ रुपये हो गई है। विदेशी दर्शकों ने भी फिल्म को खूब सराहा है, वहां से अब तक कुल 12.60 करोड़ रुपये की कमाई हुई है, लेकिन मैं वापस आऊंगा अकेली नहीं है जो दर्शकों का दिल जीत रही है। शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना की कॉकटेल 2 भी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है, जिससे अभी दर्शकों के लिए

बॉक्स ऑफिस की यह रेस काफी रोमांचक हो गई है। सामंथा रूथ प्रभु की फ़िल्म मा इंति बंगारम 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी. इस फिल्म ने वीकेंड पर अच्छा परफॉर्म किया, हालांकि सोमवार को इसकी कमाई में काफी गिरावट आई. चौथे दिन यानी मंडे को इसने 4.10 करोड़ रुपये कमाए, जबकि रविवार को यह कमाई 10.10 करोड़ रुपये थी. वहीं 'मा इंति बंगारम ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 3.50 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 5 दिनों की कुल कमाई अब 30.70 करोड़ हो गई है.राम चरण की फिल्म पेद्दी ने बॉक्स ऑफ़िस पर शानदार शुरुआत की थी. फिर वीकेंड पर इसकी कमाई में उछाल आया, लेकिन अब कमाई घटकर लाख के दायरे में आ गई है. तीसरे सोमवार को फ़िल्म ने सिफ़र् 83 लाख रुपये कमाए, जबकि रविवार को यह कमाई 2.82 करोड़ रुपये थी. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक पेद्दी ने रिलीज के चौथे मंगलवार यानी 20वें दिन 80 लाख कमाए थे. इसी के साथ इसकी 20 दिनों की कुल कमाई अब 235.90 करोड़ रुपये हो गई है.

तमन्ना भाटिया सिनेमा में महिलाओं की स्थिति पर बोलीं- बॉलीवुड में आजादी और साउथ में पितृसत्ता

म मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बीच के बड़े अंतर को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने साउथ सिनेमा में महिलाओं की स्थिति और वहां हावी पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाते हुए कहा कि हिंदी सिनेमा अभिनेत्रियों को किरदारों के चुनाव में कहीं ज्यादा आजादी और विविधता देता है। तमन्ना का मानना है कि कमर्शियल स्तर पर साउथ सिनेमा महिलाओं के लिए ज्यादा सीमित है।

तमन्ना ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री और दक्षिण भारतीय सिनेमा के बीच के अंतरों पर बेहद बेबाक तरीके से बात की। तमन्ना ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री कलाकारों को अपने किरदारों के चयन में अधिक लचीलापन और स्वतंत्रता देती है। उनके मुताबिक, बॉलीवुड में कलाकारों के सामने ये सख्त शर्त नहीं होती कि उन्हें हर व्यावसायिक मापदंड पर खरा उतरना ही है। तमन्ना के अनुसार, बॉलीवुड में 2 तरह के कलाकार होते हैं। कलात्मक नजरिए वाले अभिनेता कुछ खास किरदारों तक सीमित रहते हैं और उनके लिए ग्लैमरस डांस जरूरी नहीं होता। बॉलीवुड कलाकारों को कलात्मक या व्यावसायिक में से कोई एक रास्ता चुनने का विकल्प देता है, वहीं, साउथ सिनेमा पर उन्होंने कहा कि वहां व्यावसायिक फिल्मों में महिलाओं को अक्सर एक खास नजरिए से दिखाया जाता है, जो कभी-कभार पितृसत्तात्मक लग सकता है। तमन्ना के मुताबिक, बॉलीवुड के उलट साउथ में अभिनेत्रियों से ये उम्मीद की जाती है कि वे अभिनय और व्यावसायिकता दोनों में एक साथ महारत हासिल करें। अगर किसी अभिनेत्री को वहां लंबे समय तक टिके रहना है तो वो केवल किसी एक रास्ते को नहीं चुन सकती। उसे गंभीर अभिनय के साथ-साथ फिल्मों के कमर्शियल पहलुओं जैसे ग्लैमर और डांस को भी बखूबी संभालना होता है। इस वजह से ये इंडस्ट्री कुछ मायनों में अधिक प्रतिबंधात्मक हो जाती है। तमन्ना ने डांस नंबर्स पर भी बात की और आइटम सॉन्ग्स के साथ अक्सर जुड़े रहने वाले कलंक का बचाव किया। वो उनके मनोरंजन मूल्य को रेखांकित करते हुए उन्हें पार्टी गाने कहना पसंद करती हैं। करीना कपूर और कैटरीना कैफ जैसी अभिनेत्रियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे गाने अक्सर फिल्मों से भी ज्यादा लंबे समय तक टिके रहते हैं और अपने आप में सांस्कृतिक पल बन जाते हैं।

असली खुशी हमेशा ऊपर चढ़ने में है : अनुपम खेर

अ अपनी होने वाली आलोचनाओं को लेकर बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर का कहना है कि अब वे नकारात्मक टिप्पणियों या आलोचनाओं का खुद पर बिल्कुल भी असर नहीं पड़ने देते, जो उनके वर्षों के अनुभव और आत्म-ज्ञान को दर्शाता है। हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सफलता, दृढ़ता और आलोचना का सामना करने के बारे में अनुपम खेर ने एक बेहद प्रेरक और दार्शनिक संदेश साझा किया है। इस पोस्ट के जरिए, अनुपम खेर ने अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स को जीवन की चुनौतियों से निपटने और नकारात्मकता से अप्रभावित रहने का महत्वपूर्ण मंत्र दिया। चुनौतियों के प्रति अपने जीवनभर के लगाव के बारे में बात करते हुए खेर ने कहा कि उनके लिए असली खुशी सिर्फ शिखर पर पहुंचने में नहीं है, बल्कि उस मुश्किलों भरे सफर में मिलती है जिसे पार करके व्यक्ति उस मुकाम तक पहुँचता है। अपनी कई तस्वीरें साझा करते हुए, जिसमें वह एक सीढ़ी पर बैठे दिखाई दे रहे हैं, तन्वी द ग्रेट के एक्टर ने लिखा, मुझे हमेशा से चढ़ाई करना पसंद रहा है। इसलिए नहीं कि मैं शिखर पर पहुंचना चाहता हूं, बल्कि इसलिए क्योंकि मुझे चढ़ाई की चुनौती पसंद है। रास्ता जितना मुश्किल होता है, ऐसी जगह पहुंचने पर उतनी ही अधिक खुशी मिलती है, जहां पहुंचने की आपने कभी उम्मीद नहीं की थी। यह दर्शन उनके जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण को दर्शाता है, जहाँ प्रयास और प्रक्रिया परिणाम से अधिक महत्वपूर्ण है। अभिनेता ने आलोचना को लेकर भी अपनी राय स्पष्ट की। उन्होंने कहा, हां, जब आप किसी खास मुकाम पर पहुंच जाते हैं, तो हमेशा ऐसे लोग होते हैं जो आपको नीचे खींचना चाहते हैं। शायद ऐसा करने से उन्हें खुद बेहतर महसूस होता है। खेर ने ऐसे आलोचकों के सामने दो रास्तों का जिक्र किया: अगर वे वहां नहीं पहुंच पाते जहां आप पहुंचे हैं, तो उनके पास दो रास्ते होते हैं, या तो वे इसके लिए मेहनत करें या आपकी आलोचना करें। उन्होंने कटु सत्य उजागर करते हुए कहा कि आलोचना करना आमतौर पर आसान होता है। हालांकि, अनुपम खेर ने यह भी बताया कि उन्होंने अब ऐसी आलोचनाओं से निपटने का अपना तरीका खोज लिया है। उन्होंने कहा, अब मैं इसे दिल पर नहीं लेता।

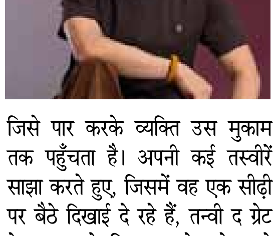

स्वादिष्ट शाकाहारी सैंडविच के लिए आजमाएं ये 5 रेसिपी, आसान है बनाना

सैं सैंडविच एक ऐसा व्यंजन है, जो हर उम्र के लोगों को पसंद आता है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसे बनाना भी आसान है। आज हम आपको कुछ ऐसे शाकाहारी सैंडविच की रेसिपी बताएंगे, जो आपके खाने के स्वाद को बढ़ा देंगे और आपको नई-नई चीजें खाने का मजा देंगे। इन सैंडविच को आप नाश्ते, दोपहर के खाने या शाम की चाय के साथ खा सकते हैं।

पनीर टिक्का सैंडविच एक बेहतरीन विकल्प है जब आप कुछ मसालेदार और सेहतमंद खाना चाहते हैं। इसके लिए आपको पनीर के टुकड़े, दही, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, धनिया पाउडर और गरम मसाला की जरूरत होगी। इन सभी मसालों को मिलाकर पनीर के टुकड़ों पर लगाएं और उन्हें कुछ देर के लिए रख दें। इसके बाद ब्रेड के टुकड़ों पर यह मिश्रण फैलाएं और दूसरी ब्रेड से ढक दें। फिर तवे पर सेंककर गर्मागर्म परोसें।

सब्जियों का सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड के टुकड़े लें और उन पर मलाई फैलाएं। अब इनमें कटे हुए खीरे, टमाटर, प्याज, गाजर और सलाद पत्ता डालें। आप इसमें अपनी पसंदीदा सब्जियां भी शामिल कर सकते हैं जैसे शिमला मिर्च, मकई आदि। इसके बाद ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें और इसे हल्का सा सेंकें ताकि यह कुरकुरा हो जाए। आपका स्वादिष्ट सब्जियों का सैंडविच तैयार है। आलू का चाट मसाला सैंडविच बनाने के लिए उबले हुए आलू को मैश करके उसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और थोड़ा सा अमचूर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ब्रेड के टुकड़ों पर फैलाएं और ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें। इसके बाद सैंडविच को तवे पर सेंकें जब तक कि यह सुनहरा भूरा न हो जाए। आपका स्वादिष्ट आलू का चाट मसाला सैंडविच तैयार है।

हरी चटनी वाला सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले हरी धनिया, पुदीना, हरी मिर्च, लहसुन और नमक मिलाकर चटनी तैयार करें। अब ब्रेड के टुकड़े लें और उनमें यह चटनी फैलाएं। आप इसमें बारीक कटी हुई सब्जियां जैसे खीरा, टमाटर, प्याज आदि भी शामिल कर सकते हैं। इसके बाद ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें और इसे हल्का सा सेंकें ताकि यह कुरकुरा हो जाए। आपका स्वादिष्ट हरी चटनी वाला सैंडविच तैयार है।

मसालेदार टोस्ट सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड के टुकड़ों पर मक्खन लगाएं। अब इसमें बारीक कटी हुई प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च और थोड़ा सा नमक डालें।

आप इसमें अपनी पसंदीदा मसालेदार चीजें भी शामिल कर सकते हैं जैसे चटनी या टमाटर की चटनी आदि। इसके बाद ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें और इसे हल्का सा सेंकें ताकि यह कुरकुरा हो जाए। आपका स्वादिष्ट मसालेदार टोस्ट सैंडविच तैयार है।

महिला टी20 विश्व कपः ब्रिट्स के पहले टी20 शतक से दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को 88 रन से हराया

एजेंसी, ब्रिस्टल

ताज़मिन ब्रिट्स के शानदार पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में भारतीय समयानुसार शुक्रवार को नीदरलैंड को 88 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल की उम्मीदें मजबूत करते हुए चार मैचों में छह अंक हासिल कर लिए और अंक तालिका में भारत के बराबर पहुंच गया।

हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण भारत अभी भी दूसरे स्थान पर बना हुआ है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवर में एक विकेट पर 208 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज ताज़मिन ब्रिट्स ने नाबाद 114 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 45 और एनेरी डर्कसन ने मात्र 16 गेंदों में 37 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ब्रिट्स और वोल्वार्ड्ट ने पहले विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की। 209 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड ने तेज शुरुआत की और पावरप्ले में बिना विकेट खोए 50 रन बना लिए। फीबे मोल्केनबोअर ने 41 और सान्या खुराना ने 36 रन बनाए, लेकिन इसके बाद पूरी टीम लड़खड़ा गई। दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी के सामने नीदरलैंड की पारी 20 ओवर में आठ विकेट पर 120 रन तक ही सिमट गई। अयाबोंगा खाका ने तीन विकेट लिए, जबकि क्लोई ट्रायन ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। इस जीत के बाद ग्रुप ए से दूसरे सेमीफाइनलिस्ट की लड़ाई और भी रोमांचक हो गई है। इंग्लैंड पहले ही अंतिम चार में जगह बना चुका है। दक्षिण अफ्रीका अपने अंतिम लीग मुकाबले में 28 जून को बांग्लादेश से भिड़ेगा, जबकि उसी दिन भारत का मुकाबला मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम से होगा, जो सेमीफाइनल की तस्वीर तय करेगा।

एफआईएच प्रो लीगः शूटआउट में इंग्लैंड ने भारत को हराया

एजेंसी, लंदन

एफआईएच प्रो लीग 2026 के यूरोपीय दौरे में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को गुरुवार को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा, लेकिन शूटआउट में इंग्लैंड ने बोनस अंक अपने नाम कर लिया। भारत के लिए दिलप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं इंग्लैंड की ओर से डेविड गुडफील्ड ने 29वें मिनट और निकोलस बंडुराक ने 56वें मिनट में गोल किए।

मुकाबले की शुरुआत भारत ने आक्रामक अंदाज में की। 10वें मिनट में मनदीप सिंह के शानदार पास पर दिलप्रीत सिंह ने डाइव लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंचा, लेकिन इंग्लैंड के रक्षक थॉमस सोर्सबी ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया। इसके बाद 29वें मिनट में डेविड गुडफील्ड ने फील्ड गोल कर इंग्लैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन मजबूत रक्षण के चलते कोई भी गोल नहीं हो सका। चौथे और अंतिम क्वार्टर में इंग्लैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा और 56वें मिनट में निकोलस बंडुराक ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया। हालांकि भारत ने हार नहीं मानी और दो मिनट बाद सुमित के शानदार मूव पर दिलप्रीत सिंह ने जोरदार शॉट लगाकर मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया।

शूटआउट में इंग्लैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। थॉमस सोर्सबी, जेम्स अल्बरी और कप्तान जैकरी वालेस ने अपने प्रयास सफल किए। एक पेनाल्टी स्ट्रोक भी इंग्लैंड को मिला, जिसे वालेस ने गोल में बदल दिया। भारत की ओर से केवल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ही शूटआउट में गोल करने में सफल रहे। इस हार के साथ भारत को एक अंक मिला, जबकि इंग्लैंड ने शूटआउट जीतकर बोनस अंक हासिल किया। भारतीय टीम अब अपने अगले मुकाबले में 26 जून को भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे पाकिस्तान से भिड़ेगी।

रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में वापसी करना चाहते हैं आवेश

एजेंसी, मुम्बई

पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज आवेश खान का लक्ष्य अब रणजी ट्रॉफी मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर टीम में जगह हासिल करना है। आवेश ने भारतीय टीम की ओर से अपना अंतिम मैच दो साल पहले खेला था। उसके बाद से ही वह टीम में वापसी करने में असफल रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने अपने करियर की शुरुआत में लगातार 140 किमी/घंटा से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा था पर लगातार चोटिल होने से वह टीम में अंदर-बाहर होते रहे। वहीं अब वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं और इस सत्र में रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं का ध्यान खींचना चाहते हैं। आवेश इस सत्र में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीए) में भी प्रभावित नहीं कर पाये जिसका नुकसान उनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स को भी हुआ। वह आजकल मध्य प्रदेश टी20 लीग में चंबल घड़ियाल टीम से खेल रहे हैं। 29 वर्षीय आवेश पिछले साल आईपीएल के बाद घुटने की सर्जरी के कारण घरेलू सत्र नहीं खेल पाए थे। अब पूरी तरह फिट होने के बाद वे पूरा घरेलू सीजन खेलना चाहते हैं और अपनी टीम मध्य प्रदेश को रणजी ट्रॉफी जिताना चाहते हैं। आवेश ने एक कहा, पिछले साल में फिट नहीं होने के कारण घरेलू सत्र से बाहर रहा था पर इस साल मैं पूरा घरेलू सीजन खेलने की कोशिश कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं लाल गेंद क्रिकेट खेलना चाहता हूं।

अब मुम्बई की प्रतिभाओं को निखारेंगे संदीप पाटिल

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेट ओर चयन समिति के अध्यक्ष रहे संदीप पाटिल अब उभरती हुई क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारेंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने पाटिल को आगामी 2026-27 घरेलू सीजन के लिए सीनियर और आयु वर्ग की पुरुष टीमों का मेंटर बनाया है। एमसीए को उम्मीद है कि पाटिल के लंबे अनुभवों का लाभ उभरती हुई प्रतिभाओं को मिलेगा। जिससे एक बार फिर मुंबई की टीम अपना पुराना गौरव हासिल करेगी। मुम्बई ने भारतीय क्रिकेट को सुनील गावस्कर से लेकर सचिन तेंदुलकर तक कई सितारे दिये हैं पर पिछले कुछ साल से यहां से कोई भी असाधारण प्रतिभा सामने नहीं आयी है। जिससे देखते हुए एमसीए ने पाटित का अब मेंटर की जिम्मेदारी दी है। एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने

पाटिल अब मुंबई क्रिकेट के विभिन्न स्तरों पर खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करेंगे और घरेलू सत्र की तैयारियों में एक निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

आज चमचमाती ट्रॉफी के लिए चंबल घड़ियाल्स और रॉयल निमाड़ ईगल्स में होगी भिड़ंत

एजेंसी, इंदौर

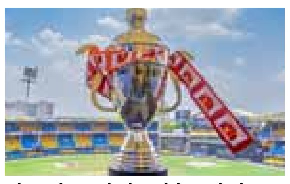

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों के रोमांचक अंत के बाद अब खिताबी जंग की तस्वीर पूरी तरह साफ हो चुकी है। इंदौर के ऐतिहासिक होलकर स्टेडियम में आज यानी शुक्रवार, 26 जून को शाम 7:30 बजे चमचमाती ट्रॉफी के लिए रॉयल निमाड़ ईगल्स और चंबल घड़ियाल्स के बीच महामुकाबला खेला जाएगा। जहां पहले सेमीफाइनल में इंद्रदेव की कृपा से निमाड़ को फाइनल का टिकट मिला, वहीं दूसरे सेमीफाइनल में चंबल घड़ियाल्स ने आखिरी ओवर के सांसें रोक देने वाले रोमांच में जीत दर्ज की।

पहला सेमीफाइनल : रीवा के अरमानों पर इंद्रदेव का वार, रॉयल निमाड़ ईगल्स फाइनल में : पहले सेमीफाइनल में बारिश ने रीवा जगुआर्स की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। नॉकआउट मुकाबला लगातार तेज बारिश के कारण रद्द घोषित कर दिया गया, जिसके बाद टूर्नामेंट के नियमों के तहत लीग चरण की बेहतर अंक तालिका के आधार पर रॉयल निमाड़ ईगल्स ने फाइनल में प्रवेश कर लिया।

मुकाबले में रॉयल निमाड़ ईगल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। बल्लेबाजी करने उतरी रीवा जगुआर्स की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम 7.2 ओवर में 4 विकेट खोकर सिर्फ 41 रन ही बना सकी थी कि तेज बारिश आ गई। रीवा के कप्तान पृथ्वीराज सिंह तोमर ने एक छोर संभालते हुए 22 गेंदों में 25 रन (5 चौके) बनाए, जबकि मोहम्मद अरहम आकिल ने 9 रन जोड़े।

बिजनेस

भारत ने आइसलैंड में लगाई आम की प्रदर्शनी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने आइसलैंड में अपने प्रीमियम आमों के निर्यात को बढ़ाने के लिए पहली बार भारतीय आमों की विभिन्न किस्मों की प्रदर्शनी आयोजित है जिसमें दोनों देशों के बीच कृषि व्यापार को मजबूत करने के मौकों पर जोर दिया गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि ये कार्यक्रम आइसलैंड की राजधानी रेक्याविक स्थित भारतीय दूतावास ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से 24 जून को रेक्याविक तथा 25 जून को उत्तरी आइसलैंड के अक्यूरेरी में पहली बार भारतीय आम के प्रोत्साहन का कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें दशहरी, चौसा, लंगड़ा और केसर किस्म के भारतीय आमों की समृद्ध विविधता और उनके निर्यात की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया। मंत्रालय के मुताबिक इस अवसर पर भारतीय राजदूत आर. रवीन्द्र ने भारत की विश्व-प्रसिद्ध आम की विभिन्न किस्मों की विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला, और आइसलैंड में भारतीय आमों के निर्यात के विस्तार की व्यापक संभावनाओं पर जोर दिया। इसके साथ ही भारतीय दूतावास की द्वितीय सचिव सुश्री अनिशा तोमर ने भारत में आम उत्पादन पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश है। वहीं, आइसलैंड के विदेश मंत्रालय में व्यापार समझौता निदेशक स्वेन के. एइनार्सन ने भारत–ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) से मिलने वाले अवसरों और उसके माध्यम से आइसलैंड में भारतीय आमों के आयात को बढ़ावा मिलने की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारतीय मिशन द्वारा स्थानीय उपभोक्ताओं के साथ बातचीत के दौरान यह जानकारी सामने आई कि आइसलैंड के लोग आम काफी पसंद करते हैं और विशेष रूप से स्मूदी, डेज़र्ट (मिष्ठान) तथा फ्रूट सलाद में उनका सेवन करना पसंद करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि आइसलैंड के बाजार में भारतीय आमों के लिए पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में आइसलैंड मुख्य रूप से थाईलैंड, ब्राजील, कंबोडिया, घाना और पेरू से आमों का आयात करता है। वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की सीमित उपलब्धता के कारण इन देशों के आमों ने आइसलैंड के बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाई है। वर्ष 2025 में आइसलैंड ने लगभग 33 लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य के आमों का आयात किया, जिसमें से लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य के आम केवल थाईलैंड से आयात किए गए थे।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के 'बहुत करीब', लेकिन टैरिफ में बढ़त मिले बिना इस पर साइन नहीं करेगा भारतः गोयल

- कहा-अमेरिका के साथ ट्रेड डील तब तक लागू नहीं होगी, जब तक भारत को प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले टैरिफ लाभ नहीं मिलता

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को लंदन में में कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील तब तक लागू नहीं होगी, जब तक भारत को प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले टैरिफ लाभ नहीं मिलता। हालांकि, गोयल ने यह कहा कि भारत और अमेरिका ट्रेड डील 'बहुत करीब' है, लेकिन भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले टैरिफ में बढ़त मिले बिना इस पर साइन नहीं करेगा। गोयल ने लंदन में आयोजित इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) यूके-इंडिया वीक को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर आगे बढ़ने से पहले भारत इस पर स्पष्टता चाहता है कि मैन्युफैक्चरिंग के मामले में वह प्रतिस्पर्धा करने वाली दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले अपनी बढ़त को कैसे बनाए रखेगा। उन्होंने कहा, ''हमें यह पक्का करना है कि हमें उन देशों के मुकाबले कॉम्पिटिटिव फायदा मिले जो विकास के उसी चरण में हैं या जिनकी कॉस्ट स्ट्रक्चर भारत जैसी ही है। चाहे वह वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन हो, या बांग्लादेश, श्रीलंका और हमारे सभी पड़ोसी देश हों।'' इस बीच भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसिडेंट और सीईओ मुकेश आघी कहते हैं, "ये मामला तकनीकी नहीं है। मुझे लगता है कि भारत का रुख यह रहा है कि 'हमें प्रेफरेंशियल टैरिफ (वरीयता वाला टैरिफ) चाहिए', यानी हमें अपने पड़ोसियों के मुकाबले कम टैरिफ दिया जाए क्योंकि इससे हम ज्यादा कॉम्पिटिटिव (प्रतिस्पर्धी) बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि बात 10 फीसदी या 20 फीसदी की नहीं है, बल्कि असल बात पड़ोसियों से कम टैरिफ पाने की भी है। यह एक राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है, क्योंकि अभी भारत पर टैरिफ 12.5 फीसदी है और पाकिस्तान पर 10 फीसदी। भारत का कोई भी राजनीतिक दल या नेता इसे स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि इससे मूल रूप से उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसिडेंट और सीईओ मुकेश आघी ने आगे कहा कि इसलिए, इस मसले को सुलझाना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यहीं पर ट्रंप प्रशासन विचार-विमर्श करेगा और देखेगा कि कैसे कोई ऐसा समाधान निकाला जाए जो भारत और अमेरिका, दोनों के लिए फायदेमंद हो।" भारत और अमेरिका के बीच इसी हफ्ते नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में हुई दो दिवसीय मंत्री स्तरीय बैठक में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के मुख्य मुद्दों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। इस बैठक में केंद्रीय वाणिज्य एवं उदयोग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि एंबेसडर जेमिसन ग्रीर के प्रतिनिधिमंडल इसमें शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इस बैठक में दोनों पक्षों ने 24 फरवरी को अमेरिका द्वारा अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए 10 फीसदी के अस्थायी टैरिफ की समय-सीमा खत्म होने से पहले बातचीत को अंतिम रूप देने पर व्यापक विचार-विमर्श किया। ये टैरिफ 24 जुलाई को खत्म हो जाएंगे। इस समझौते के लिए रूपरेखा इस साल फरवरी में घोषित की गई थी।

मुहर्रम के मौके पर शेयर बाजार में छुट्टी, कमोडिटी सेगमेंट में शाम के सत्र में होगा कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली

मुहर्रम के मौके पर घरेलू शेयर बाजार में आज छुट्टी है। इस छुट्टी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में आज कोई कारोबार नहीं होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की तरह ही मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में भी मुहर्रम की छुट्टी होने की वजह से दिन के पहले सत्र में यानी सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक कारोबार नहीं होगा। हालांकि एमसीएक्स में शाम पांच बजे से रात 11:30 तथा 11:55 बजे तक दूसरे सत्र में सामान्य कारोबार होगा। स्टॉक एक्सचेंज द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार मुहर्रम की छुट्टी होने के कारण बीएसई में इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट्स, न्यू डेट सेगमेंट-रिपोर्टिंग, सेटलमेंट एंड ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (एनडीएस-आरएसटी), ट्राई पार्टी रेपो सभी के लिए ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स (ईजीआर), कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में दिन के सत्र में कारोबार नहीं होगा, लेकिन इनके लिए शाम के सत्र में शाम पांच बजे से रात 11:30 तथा 11:55 बजे तक सामान्य कारोबार होगा। इसी तरह एनएसई में भी मुहर्रम की छुट्टी होने के कारण इक्विटीज, इक्विटी डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स, निगोशिएटेड ट्रेड रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, करेंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इंट्रेस्ट रेट डेरिवेटिव्स सभी सेगमेंट्स में छुट्टी रहेगी। कमोडिटी डेरिवेटिव्स को छोड़ कर इन सभी में आज कोर्इ कारोबार नहीं होगा। कमोडिटी डेरिवेटिव्स में सुबह के सेशन में ट्रेडिंग बंद रहेगी, लेकिन शाम के सत्र में शाम पांच बजे से रात 11:30 तथा 11:55 बजे तक सामान्य कारोबार होगा। स्टॉक मार्केट के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार जून में आज मुहर्रम की छुट्टी के बाद शनिवार और रविवार की साप्ताहिक छुट्टी को छोड़ कर और कोई छुट्टी नहीं है। जून के बाद जुलाई और अगस्त में भी स्टॉक मार्केट में साप्ताहिक छुट्टियों के अलावा और कोई छुट्टी नहीं होगी। सितंबर के महीने में 14 तारीख को गणेश चतुर्थी की छुट्टी होगी। इसके बाद अक्टूबर के महीने में दो तारीख को महात्मा गांधी जयंती के कारण स्टॉक मार्केट में कोई कारोबार नहीं होगा। इसी महीने 20 तारीख को स्टॉक मार्केट में दशहरा की छुट्टी होगी, जबकि 10 नवंबर को बलि प्रतिपदा के कारण स्टॉक मार्केट में छुट्टी रहेगी। नवंबर के महीने में 24 तारीख को श्री गुरु नानक देव गुरु परब की छुट्टी रहेगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव में गिरावट जारी, पश्चिम एशिया का युद्ध शुरू होने के पहले के स्तर पर पहुंची कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने के लिए अलग-अलग चैनल्स के जरिए हो रही बातचीत जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत भी नरम होती जा रही है। कच्चा तेल पहली बार पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने यानी 28 फरवरी के पहले वाले स्तर पर लौट आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों की कीमत युद्ध शुरू होने के पहले वाले स्तर पर आ गई है। पश्चिम एशिया में युद्ध की शुरुआत होने के बाद से कच्चे तेल की कीमत में जबरदस्त तेजी का रुख बन गया था।

दोनों पक्षों द्वारा ऑयल इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने, खाड़ी के देशों में कच्चे तेल का उत्पादन बाधित होने और होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते कच्चे तेल की सप्लाई ठप पड़ जाने की वजह से 30 अप्रैल को ब्रेंट क्रूड 126 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि अब पश्चिम एशिया में तनाव घटने का संकेत मिलने के कारण कच्चे तेल की कीमत में ऊपरी स्तर से लगभग 42 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के पहले 27 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आज 27 फरवरी के बाद पहली बार ब्रेंट क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे चला गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।